@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 14 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 65 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इंडिया पर दिए बयान को लेकर बुरे फंसे संजय राउत

मुंबई, 13 जनवरी। महाराष्ट्र में हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। दरअसल, उन्होंने कहा था कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। लोकसभा चुनाव के बाद एक बैठक नहीं हुई। अपने इस बयान के बाद वे बुरे फंस गए। उनकी सहयोगी पार्टियों के नेता उन्हें घेरने लगे। इस बीच उनके इस बयान को लेकर भाजपा ने प्रतिक्रिया दी। महाराष्ट्र में भाजपा नेता ने बताया कि विपक्षी गटबंधन इंडिया विघटित हो रहा है. क्योंकि उनके पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया टूट रहा है और महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस के खिलाफ है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है। गठबंधन के सभी नेता छिटक गए हैं। महाराष्ट्र में आप देख सकते हैं कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और शरद पवार कांग्रेस के खिलाफ हैं, क्योंकि उनके पास कोई विचारधारा नहीं है। भाजपा नेता ने बताया कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति गठबंधन के पास विचारधारा है और ये हमेशा एकजूट रहेंगे। बावनकुले ने कहा कि संरक्षक मंत्रियों को नियुक्त करने के बारे में अंतिम निर्णय 15-16 जनवरी तक लिया जाएगा। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने दो से तीन बैठकें बुलाईं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़कि बहिन योजना जारी रहेगा और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन फर्जी लाभार्थियों का भत्ता बंद कर दिया जाएगा। संजय राउत के इंडी गठबंधन वाले बयान पर सीपीआई ने भी प्रतिक्रिया दी। सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा, इससे मालूम चलता है कि इंडी गठबंधन को इस बात पर गंभीर आत्मनिरीक्षण करना होगा कि एकता को कैसे मजबूत किया जाए।

चुनाव आयोग से मिले केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 जनवरी। दिल्ली में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। इसी के साथ दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक साथ पांच फरवरी को मतदान होंगे और आठ फरवरी को परिणाम सामने आएंगे। चुनावी माहौल के बीच दिल्ली में आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत अन्य सभी पार्टियां अपनी ताकत झोंक रही हैं। दिल्ली चुनाव की तैयारियों का यहां पढ़ें अपडेट... अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप का प्रतिनिधि मंडल चुनाव आयोग से मिला। मुलाकात के बाद आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा के सांसदों और मंत्रियों के बंगले के पते पर बनवाये जा रहे फर्जी वोटों पर भी आयोग ने एक्शन लेने का भरोसा दिया है। नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा नेता प्रवेश वर्मा द्वारा मतदाताओं को पैसे और चादर बंटवाने के मामले में स्थानीय डीएम की लापरवाही को लेकर शिकायत की गई। मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अवध ओझा का वोट दिल्ली ट्रांसफर होगा। अवध ओझा नामांकन करेंगे। इसके लिए उन्होंने चुनाव आयोग का धन्यवाद किया। कालकाजी से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने बातचीत के दौरान कहा कि वो (आतिशी) मेरे सामने नहीं हैं, मैं उनके सामने आई हूं, वो पहले से ही विधायक हैं। वो मुख्यमंत्री हैं। मैं 2015 से 2020 तक सिर्फ विधायक थी, जब 26 जनवरी को राजपथ से मेरे विकास मॉडल की प्रदर्शनी निकली, देश ने देखा। वो अपना नामांकन दाखिल करने गई हैं। कल 14 जनवरी को मैं अपना नामांकन दाखिल करने जा रही हूं। जब आतिशी अपना नामांकन दाखिल करने गईं, तो मैंने तस्वीरें देखीं कि उनके बहुत बड़े काफिले में लोग भारी ट्रैफिक जाम में फंसे हुए थे और परेशान हो रहे थे। इसलिए मैंने फैसला किया कि मेरे नामांकन से लोगों को परेशानी नहीं होगी। मैं अपने वकीलों के साथ अकेले कार में बैठकर अपना नामांकन दाखिल करने जाऊंगी ताकि कालकाजी के लोगों और स्थानीय लोगों को कोई परेशानी न हो। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया के साथ विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करने जाते हुए हुए 7

सीएम और पार्टी नेता आतिशी के नामांकन दाखिल करने पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने रोड शो के दौरान कहा कि मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि वह मेरी छोटी बहन जैसी हैं। पिछली बार भी मैंने उनके नामांकन में हिस्सा लिया था। पिछले 5 साल चुनौतियों और संघर्षों से भरे रहे हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं कि अगले पांच साल सफलता से भरे रहें। आज दिल्ली के लोगों के दिलों में शिक्षा एक बड़ा मुद्दा है। चुनाव प्रचार के दौरान हम ऐसे लोगों से मिलते हैं जो हमें बताते हैं कि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हमने दिल्ली के लोगों के लिए ईमानदारी से काम किया है। हमने उनसे चुनाव लड़ने के लिए फंड मांगा है। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जंगपुरा सीट से चुनाव लड़ने के लिए मुझे 40 लाख रुपये मिल गए हैं। यह राशि देश भर और दिल्ली से करीब 350 लोगों ने दान किया है। लोगों को आतिशी को भी फंड देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा ने कहा कि मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि दिल्ली सरकार द्वारा कैग रिपोर्ट को सदन में रखने में आनाकानी करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बिना धांधली के हुए चुनाव, सिर्फ दिल ही नहीं दिल्ली से भी दूरी हुई कम: उमर अब्दुल्ला

कौमी संवाददाता

श्रीनगर, 13 जनवरी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोनमार्ग जेड- मो ? टनल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और उनका धन्यवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में हो रहे विकास कार्यों को सराहा और राज्य में किए गए चुनावों का जिक्र किया। सीएम उमर अब्दुल्ला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अपना कार्यक्रम किया था, तो उन्होंने जम्मू कश्मीर के लोगों से तीन बड़ी बातें साझा की थीं। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उस दिन अपनी तकरीर में दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी मिटाने की बात कही थी, और यह वाकई में सही साबित हुआ है। सिर्फ 15 दिन के अंदर ही यह दूसरा कार्यक्रम हो रहा है, इससे पहले जम्मू को रेल डिविजन से नवाजा और आज श्रीनगर में प्रधानमंत्री ने टनल का

उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी के प्रोजेक्ट्स से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर के लोगों से यह वादा किया था कि राज्य में चुनाव होंगे और लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार मिलेगा, और उन्होंने यह वादा चार महीने के अंदर पूरा किया। इस बीच जम्मू कश्मीर में चुनाव हुए और किसी भी पोलिंग बूथ पर धांधली या गड़बड़ी की कोई शिकायत नहीं आई।

खान सर ने की बीपीएससी अध्यक्ष को हटाने की मांग

पटना, 13 जनवरी। 13 दिसंबर को बिहार के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से पुनर्परीक्षा की मांग कर रहे हैं। इसको पिछले लगभग 25 दिनों से प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में जन सुराज पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती के नेतृत्व में बीपीएससी अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मिलने पटना राजभवन पहुंचा। बिहार लोक सेवा आयोग ने शनिवार को खान ग्लोबल के पांचो सेंटर पर नोटिस भेजा था। कुछ दिन पहले खान सर ने आयोग के उपर हमला बोला था। खान सर ने आयोग पर सीट बेचने का आरोप लगाते हुए चोर चोट्टा और भी बहुत कुछ कहा था, जिसके बाद दिल्ली के मुखर्जी नगर, करोल बाग, पटना के बोरिंग रोड और मुसल्लपुर हाट और प्रयागराज वाले सेंटर पर नोटिस भेजा गया है। इसके बाद, खान सर ने प्रतिक्रिया देते हुए बीपीएससी के चेयरमैन को हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा, [illegible] में कुछ लोगों को घुसाया गया है जो जानबूझकर राज्य सरकार की छवि खराब कर रहे हैं। बिहार लोक सेवा आयोग ने शनिवार को कहा कि उसने राजनेताओं सहित कई व्यक्तियों को कानूनी नोटिस जारी किया है, जिन्होंने 13 दिसंबर को राज्य भर में आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) को लेकर उठे विवाद में आयोग के खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं।

2022 से लंबित है नवी मुंबई एयरपोर्ट के नाम बदलने का प्रस्ताव

मुंबई, 13 जनवरी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर अपनी निराशा व्यक्त की कि नवी मुंबई हवाई अड्डे का नाम दिवंगत नेता डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मंजूरी नहीं दी गई, यह प्रस्ताव जून 2022 में भेजा गया था। नवी मुंबई हवाई अड्डे पर काम फरवरी 2018 में शुरू हुआ था, और 2022 में महा विकास अघाड़ी सरकार ने इसका नाम लोकनेता स्वर्गीय डीबी पाटिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखने का फैसला किया था। सोशल मीडिया एक्स पर आदित्य ठाकरे ने कहा, आज लोकनेता डीबी पाटिल की जयंती है। जून 2022 में, एमवीए सरकार के मंत्रिमंडल ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम श्री डीबी पाटिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखने का फैसला किया और केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी। वर्तमान स्थिति यह है कि कैबिनेट का फैसला अभी भी केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए लंबित है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के लिए इस तरह का लंबित रहना सामान्य बात है या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे महाराष्ट्र का अपमान करना चाहते हैं। आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में नागरिक उड्डयन मंत्रियों को लिखित अनुस्मारक के बावजूद, प्रस्ताव लंबित था। उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से आज दिवंगत नेता के जन्मदिन के अवसर पर प्रस्ताव को मंजूरी देने का अनुरोध किया। शिवसेना (यूबीटी) विधायक ने आगे लिखा कि छत्रपति संभाजीनगर में हवाई अड्डे का नाम छत्रपति संभाजी महाराज हवाई अड्डा रखने का प्रस्ताव 2020 से केंद्र सरकार के पास लंबित था।

अब दूरी मिट चुकी, हम सबको मिलकर ये काम करना है: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

जम्मू, 13 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग क्षेत्र में स्थित जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया। उन्होंने टनल के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों की सराहना कर उनके समर्पण को सलाम किया। कहा कि यह टनल उन श्रमिकों के संकल्प की वजह से संभव हो पाई, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में काम किया और कभी अपनी जान की परवाह नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी ने टनल के निर्माण में जान गंवाने वाले श्रमिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुखद घटना के बावजूद कोई श्रमिक घर वापस नहीं गया। उनका समर्पण, देश और राज्य के प्रति प्यार हमें प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने कश्मीर को देश का मुकुट और भारत का ताज बताते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि कश्मीर और भी सुंदर और समृद्ध हो। यहां के लोग अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने सोनमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां की सफेद चादर से ढकी पहाड़ियां दिल को प्रसन्न कर देती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस टनल को केवल जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि इस टनल के खुलने से अब जम्मू-कश्मीर में यात्रा और

व्यापार को नई गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनका इस क्षेत्र से गहरा नाता रहा है। कहा कि जब वह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम करते थे, तब इस क्षेत्र में बार-बार आने का मौका मिला था। यहां के लोग बर्फबारी और ठंडी हवा के बावजूद हमेशा गर्मजोशी से स्वागत करते थे। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ, लोहड़ी, मकर संक्रांति, और पोंगल जैसे त्योहारों का जिक्र किया और देशभर में उत्सव का माहौल बताया। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हो रहा है, जहां लाखों लोग पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू में हाल ही में हुए रेल डिवीजन के शिलान्यास का भी जिक्र किया और इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने बताया कि सोनमर्ग टनल से क्षेत्र में टूरिज्म को नया पंख मिलेगा, और आने वाले समय में कई रोड और रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में पूरी होने वाली हैं। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की पुरानी मांगों को पूरा करने में सरकार के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि हम जब काम शुरू करते हैं, तो उसे पूरा भी करते हैं। हर काम का एक सही समय होता है और हम हमेशा उस समय में सही काम करते हैं। मोदी ने बताया कि 2015 में केंद्र सरकार के गठन के बाद सोनमर्ग टनल का निर्माण कार्य शुरू हुआ था।

जैसे-जैसे रुपया गिरता जा रहा, मोदी अपने खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे: जयराम रमेश

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 जनवरी। रुपये में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा। इसी को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। सबसे पुरानी पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं। गौरतलब है, सोमवार को रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 86.59 पर आ गया। अस्थिर वैश्विक संकेतों के बीच मजबूत अमेरिकी मुद्रा के कारण रुपया टूटा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। इसपर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जब मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था तब वह 64 वर्ष के होने वाले थे और डॉलर के मुकाबले रुपया 58.58 पर था। उस समय वह रुपये को मजबूत करने को लेकर बहुत कुछ बोला करते थे। उन्होंने इसके मूल्य में गिरावट को पूर्व पीएम की उम्र से भी जोड़ दिया था। उन्होंने आगे कहा कि अब देखिए, मोदी जी इस वर्ष के अंत तक 75 के होने की तैयारी ही कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार चुका है। जैसे-जैसे रुपया गिरता जा

रहा है, वह अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 86.59 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 55 पैसे की भारी गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे टूटकर 86.50 पर बंद हुआ था। भारतीय मुद्रा में पिछले दो सप्ताह में एक रुपये से अधिक की सबसे गहरी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 30 दिसंबर को यह 85.52 रुपये पर बंद हुआ था। कांग्रेस निवेश और रुपये के मूल्य में गिरावट की ओर इशारा करते हुए अर्थव्यवस्था को संभालने को लेकर सरकार पर लगातर हमला कर रही है। इससे पहले जयराम रमेश ने कहा था, गैर-जैविक प्रधानमंत्री को फिर से पता चल रहा है कि आखिरकार वह एक इंसान हैं। हमारे शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों ने पिछले छह दिनों में दो अरब डॉलर निकालकर 2025 की शुरुआत की है।यह दिखाता है कि हमारे कमजोर मैक्रो फंडामेंटल्स का बढ़ता प्रभाव - स्थिर वेतन, निजी निवेश में कमी, उपभोग वृद्धि में सुस्ती। उन्होंने कहा कि यह सेबी अध्यक्ष के हितों के टकराव के बारे में खुलासे और वियतनाम तथा मलयेशिया सहित अन्य देशों की तुलना में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए गंतव्य के रूप में भारत की निरंतर गिरावट के बाद वित्तीय बाजारों में निवेशकों के विश्वास की पूर्ण कमी को भी दर्शाता है।

महंगाई निचले स्तर पर पहुंची खुदरा मुद्रास्फीति

नई दिल्ली, 13 जनवरी। देश में खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई। यह दर नवंबर में 5.48 फीसदी थी। यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। सरकार ने सोमवार को इसको लेकर आंकड़े जारी किए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य महंगाई 8.39 फीसदी रही। जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक, दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने की भी आशंका जताई थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित कुल मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त के दौरान औसतन 3.6 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 5.5 फीसदी और अक्टूबर, 2024 में 6.2 फीसदी रही थी।

महाकुंभ के प्रथम स्नान पर 1.50 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी

नरेश मल्होत्रा

प्रयागराज, 13 जनवरी। विचारों, मतों, संस्कृतियों, परंपराओं स्वरूपों का गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के तट पर महामिलन 45 दिन तक चलेगा। पौष पूर्णिमा के प्रथम दिन 1.50 करोड़ लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। पौष पूर्णिमा से जुड़ा हर अपडेट यहां पढ़ें... सभी विदेशी आगंतुकों का महाकुंभ 2025 में स्वागत है। महाकुंभ में पहुंची विदेशी युवतियों ने कालभैरवाष्टक का पाठ किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, यह अभिनंदन है आस्था का, वंदन है विश्वास का, जयघोष है सनातन का, उद्घोष है महाकुंभ का...हर-हर गंगे! प्रयागराज की पावन धरा पर सनातन संस्कृति का महापर्व महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हुआ। पूज्य साधु-संतों, तपस्वी कल्पवासियों, और करोड़ों श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक उल्लास और भक्ति भाव से संगम में पवित्र डुबकी लगाई। पहले ही दिन संगम की धाराओं में आस्था का ऐसा अद्भुत प्रवाह दिखा कि 1.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य अर्जित किया। यह दृश्य हमारी सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति की एकता और दिव्यता को दर्शाता है। प्रयागराज महाकुंभ के प्रथम स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर द्वारा पुष्पवर्षा की गई। सनातन संस्कृति और आस्था के प्रति यह सम्मान का प्रतीक है। प्रयागराज महाकुम्भ के प्रथम स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर द्वारा पुष्पवर्षा की गई। सनातन संस्कृति और आस्था के प्रति यह सम्मान का प्रतीक है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, मानवता के मंगलपर्व महाकुंभ 2025 में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रथम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में सहभागी महाकुंभ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, यूपी पुलिस, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छाग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुम्भ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद! मानवता के मंगलपर्व महाकुम्भ 2025 में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया ☞ हनुमान मंदिर के पास बने नंदी द्वार के पास बनाए गए महाकुंभ 2025 सेल्फी प्वाइंट पर

अपना और परिवार के साथ फोटो लेने के लिए भीड़ लगी है। लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और तमाम भक्त तो जबरन सेल्फी प्वाइंट पर खड़े होकर फोटो ले रहे हैं, जिससे पहले से ही वहां पर खड़े भक्तों से तकरार भी हो रही है। महाकुंभ के दौरान कुछ विशेष तिथियों पर होने वाले स्नान को शाही स्नान (अब अमृत स्नान) कहा जाता है। इस नाम के पीछे विशेष महत्व और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि है। माना जाता है कि नागा साधुओं को उनकी धार्मिक निष्ठा के कारण सबसे पहले स्नान करने का अवसर दिया जाता है। वे हाथी, घोड़े और रथ पर सवार होकर राजसी ठाट-बाट के साथ स्नान करने आते हैं। इसी भव्यता के कारण इसे शाही स्नान (अमृत स्नान)नाम दिया गया है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, प्राचीन काल में राजा-महाराज भी साधु-संतों के साथ भव्य जुलूस लेकर स्नान के लिए निकलते थे। इसी परंपरा ने शाही स्नान (अमृत स्नान) की शुरुआत की। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि महाकुंभ का आयोजन सूर्य और गुरु जैसे ग्रहों की विशिष्ट स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इसे राजसी स्नान भी कहा जाता है। यह स्नान आध्यात्मिक शुद्धि और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है। महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर शाम को चार बजे तक करीब एक करोड़ श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगा चुके हैं। मेला प्रशासन के दावों की मानें तो देर शाम तक यह आंकड़ा सवा करोड़ के पार हो सकता है। संगम तट छात्र, युवा के साथ ही बड़े उम्र के श्रद्धालुओं सहित महिलाएं स्नान के लिए पहुंच रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए है। 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में संगम नोज समेत सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। भव्य महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ है। जिसने आज 144 वर्षों में एक बार देखी गई आध्यात्मिक भव्यता की याद ताजा कर दी। यहां देश और दुनिया भर से भक्तों का एक समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के अनुमान को पार कर सकता है। शुरुआती दिनों में भारी भीड़ से पता चलता है कि इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होगा। पौष पूर्णिमा पर, अपने गहन आध्यात्मिक अनुशासन के लिए जाने जाने वाले कल्पवासियों ने मोक्षदायिनी संगम में पवित्र डुबकी लगाई और 45 दिनों तक चलने वाले अपने आध्यात्मिक एकांतवास की शुरुआत की।

गाजा में ताजा इजरायली हमलों में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

रामल्लाह। गाजा पट्टी के इलाकों पर इजरायली हमलों में कम से कम आठ फिलिस्तीनी मारे गए।स्थानीय नागरिक सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों ने यह जानकारी दी। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि गाजा शहर के पश्चिम में अल-शती शरणार्थी शिविर में फिलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाकर किए गए इजरायली ड्रोन हमले में तीन लोग मारे गए। एक अलग हमले में गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में अल-करामा पड़ोस में एक हवाई हमले में दो फिलिस्तीनी मारे गए और गाजा शहर के पूर्व में अल-शुजाइया पड़ोस में एक इजरायली हमले में दो और मारे गए। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इसके अतिरिक्त उत्तरी गाजा के जबालिया शहर में एक युवक की मौत हो गई, जहां प्रत्यक्षदर्शियों ने क्षेत्र को निशाना बनाने वाले इजरायली तोपखाने से चोटों की पुष्टि की। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने इज़रायल पर नरसंहार, विस्थापन और कब्जे को बढ़ावा देने के लिए ''समय खरीदने के खेल के माध्यम से अपने युद्ध को लम्बा खींचने का आरोप लगाया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हिंसा को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

बाईडेन , नेतन्याहू ने गाजा युद्धविराम वार्ता में प्रगति पर की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ गाजा पट्टी में संभावित युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के संबंध में दोहा में चल रही वार्ता पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते के लिए दोहा में चल रही बातचीत पर चर्चा कीज उन्होंने (बाईडेन) गाजा में युद्धविराम के समझौते की तत्काल आवश्यकता और मानवीय सहायता में वृद्धि के साथ बंधकों की वापसी पर जोर दिया, जो लड़ाई में रोक के कारण संभव हो सके। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा सर्वसम्मति से समर्थित 27 मई, 2024 की व्यवस्था के आधार पर बातचीत की प्रगति पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि नेतन्याहू ने इजरायल की सुरक्षा और राष्ट्रीय रक्षा के लिए अमेरिका से असाधारण समर्थन के लिए बाईडेन को धन्यवाद दिया।

इज़रायली सेना ने लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमले का किया दावा

यरूशलम। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया है, साथ ही सीरियाई-लेबनानी सीमा पर उन मार्गों पर भी हमला किया है जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता था। इससे पहले लेबनानी समाचार एजेंसी 'एनएनए' ने बताया था कि इजरायली वायु सेना के विमानों ने दक्षिणी लेबनान में कई हमले किए हैं। सेना ने टेलीग्राम पर कहा, पिछले घंटों में आईडीएफ ने लेबनान में कई हिजबुल्लाह आतंकी ठिकानों पर खुफिया सूचना पर आधारित हमले किए।÷ हमले किए गए लक्ष्यों में एक रॉकेट लॉन्चर साइट, एक सैन्य स्थल और सीरिया-लेबनान सीमा के रास्ते थे जिनका इस्तेमाल हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता था।

रूस के निज़नेकैमस्क, ऊफ़ा हवाई अड्डों पर उड़ान प्रतिबंध हटे

मॉस्को। रूसी हवाई परिवहन एजेंसी रोसावियात्सिया नेकहा कि निज़नेकमस्क और उफा के हवाई अड्डों पर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। रोसावियात्सिया द्वारा जारी एक एक बयान में कहा गया, निज़नेकैमस्क (बेगीशेवो) और ऊफ़ा के हवाई अड्डों पर स्थानीय समयानुसार 21:00 बजे [अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 18:00 बजे विमान के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध हटा दिया गया था।उल्लेखनीय है कि नागरिक विमान उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए थे।

ओली के अध्यादेशों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी ओली का संसद की बैठक न बुलाकर एक के बाद एक अध्यादेश से शासन चलाने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में विरोध शुरू हो गया है। ओली सरकार को समर्थन करने वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के ही कई नेताओं ने एक साथ कई अध्यादेश लाने के सरकार के कदम का विरोध किया है। सरकार का विरोध करने वालों में पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के निकट माने जाने वाले नेता ही शामिल हैं। देउवा के निकट माने जाने वाले पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने ओली के लगातार अध्यादेश लाने के फैसले से गठबंधन की नींव में ही दरार आने की बात कही है। नेपालगंज में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद एनपी साउद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संसदीय व्यवस्था में विश्वास करने वाली पार्टी है। लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री ओली संसदीय व्यवस्था को किनारे रखते

हुए लगातार अध्यादेश के मार्फत शासन कर रहे हैं, उससे गठबंधन को लेकर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। इसी तरह देउवा के निकट एक अन्य सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि एमाले पार्टी और प्रधानमंत्री ओली गठबंधन धर्म के विपरीत शासन चलाने में मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद में लाए जाने वाले विधेयक को अध्यादेश के द्वारा लाया जा रहा है, इसके पीछे इनकी नियत सही नहीं है। केसी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को ओली के साथ अपने गठबंधन को लेकर गंभीर समीक्षा करने की आवश्यकता है। उधर, पिछले कुछ दिनों से लंदन में रहे देउवा के विरोधी गुट के नेता शेखर कोइराला ने वहां आयोजित पार्टी समर्थकों के कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन इस समय वह ओली को समर्थन कर सरकार चला रही है जो कि दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा कि ओली जिस तरह से अपनी मनमानी चल रहे हैं, उससे सबसे अधिक घाटा नेपाली कांग्रेस की नीति और विचारधारा को हो रही है। शेखर कोइराला ने मांग की है कि ओली की मनमानी रोकने के लिए और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए तत्काल ओली सरकार से समर्थन वापस लेने का कठोर निर्णय करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि वो इस बारे में पार्टी अध्यक्ष देउवा से संपर्क में हैं और लगातार उन पर दबाव बना रहे हैं।

लॉस एंजिलिस में दावानल से अब तक 24 लोगों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस दावानल से जूझ रहा है। गरम और तेज हवा चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि लॉस एंजिल्स में लगी आग से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार देररात से बुधवार तक क्षेत्र में तेज हवा चलने की आशंका से लोग भयभीत हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सप्ताहांत में दमकल कर्मचारियों को तेज और गरम हवाओं के बीच पैलिसेड्स और ईटन में आग का प्रकोप करने में काफी हद तक कामयाबी मिली। दमकल विभाग के कर्मचारी जंगल में लगी आग को

बुझाने में लगे रहे। लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा कि लापता लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चिंता व्यक्त करते हुए सोशल साइट ट्रुथ पर राज्य के अधिकारियों को अक्षम कहा है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक और कोयला खदान में हादसा, दो की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक और कोयला खदान में हुए हादसे में दो मजूदरों की मौत हो गई। यह हादसा हरनाई जिले के खोस्त इलाके की कोयला खदान में हुआ। खदान के अचानक ढह जाने से आठ मजदूर दब गए थे। इनमें से छह को बचा लिया गया। समाचार पत्र के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब क्वेटा के बाहरी इलाके में संजडी खदान से 11 और शवों की बरामदगी के बाद शेष एक शव को निकालने के लिए खुदाई जारी थी। संजड़ी खदान में 9 जनवरी को शक्तिशाली मीथेन गैस विस्फोट के बाद 12 कोयला खनिक लगभग 4,000 फीट की गहराई में फंस गए थे। 11 पीड़ितों में से 10 मूल रूप से खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के और एक स्वात का रहने वाला था। अधिकारियों के अनुसार, हरनाई जिले के खोस्त कोयला क्षेत्र

की हादसाग्रस्त खदान में दरारें आ गई हैं। हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान जाहिद और इस्लाहत के रूप में हुई है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। खान एवं खनिज विभाग ने यह खदान बंद कर घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस श्रमिक महासंघ के नेताओं ने कोयला खदान हादसों पर चिंता जताई है। उन्होंने सुरक्षा नियमों को लागू करने में सरकार की विफलता की निंदा की।

मध्य यमन में गैस स्टेशन पर विस्फोट में गई 15 लोगों की जान, 67 घायल

एजेंसी

सना। मध्य यमन के अल बायदा प्रांत में एक गैस स्टेश पर विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई है और 67 लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विस्फोट शनिवार को बायदा प्रांत के जहेर जिले में हुआ।

मंत्रालय के अनुसार, विस्फोट में घायल 67 लोगों में से 40 की हालत गंभीर है। साथ ही बचाव दल लापता लोगों की भी तलाश कर रहे हैं। फिलहाल विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। विस्फोट की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें भीषण आग दिखाई दे रही है। आग की वजह से आसमान में छाए धुएं के गुबार और जल्दी गाड़ियां साफ दिख रही हैं।बतादें कि बायदा पर ईरान समर्थित हूती

विद्रोहियों का नियंत्रण है, जो एक दशक से अधिक समय से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ युद्ध में हैं। यमन का गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ, जब विद्रोहियों ने राजधानी सना और देश के अधिकांश उत्तरी हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे सरकार को दक्षिण, फिर सऊदी अरब भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के प्रयास में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मार्च 2015 में युद्ध में प्रवेश किया, जिसे उस समय अमेरिका का समर्थन प्राप्त था।

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका की नौसेना ने उसके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 08 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त कर लिया है। यह जानकारी श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जारी एक विज्ञप्ति से मिली। श्रीलंका की नौसेना ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार देर रात को मन्नार के उत्तर के समुद्री क्षेत्र में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। बयान में कहा गया है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस वर्ष अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि 11 जनवरी की रात को उसकी उत्तर-मध्य कमान ने भारतीय मछुआरों की कुछ नौकाओं को देखा जो श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे। उसने कहा कि कमान ने मन्नार के उत्तर समुद्री क्षेत्र से भारतीय मछुआरों की नौकाओं

खदेड़ने के लिए अपने गश्ती जहाजों को भेजा। नौसेना के अधिकारियों ने बताया, ''इस अभियान के तहत मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त किया गया तथा आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि जब्त की गई नौकाओं को इरानतिवु द्वीप लाया गया और उन्हें कानूनी कार्यवाही के लिए किलिनोच्ची के सहायक मत्स्य निदेशालय को सौंपा गया है।

नेपाल सरकार ने तब्लीगी जमात के आयोजन इज्तेमा पर रोक लगाई

एजेंसी

काठमांडू। इस वर्ष नेपाल के मधेश प्रदेश के रौतहट में होने वाले मुस्लिम धर्म के तब्लीगी जमात के इज्तेमा पर सरकार ने रोक लगा दी है। यह लगातार चौथा वर्ष है जिस पर नेपाल सरकार ने रोक लगाई है। इस वर्ष नेपाल के मुसलमान समुदाय द्वारा तब्लीगी जमात के इज्तेमा का आयोजन रौतहट में 8-10 फरवरी को आयोजित किया गया था। इसके आयोजन की अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन से अनुमति की मांग की गई थी। आयोजन समिति के तरफ से विभिन्न मुस्लिम धार्मिक संगठनों ने इसको लेकर गृह मंत्री रमेश लेखक से मुलाकात कर इसकी आयोजन की अनुमति दिए जाने का आग्रह किया था। मुस्लिम आयोग के तरफ से भी सरकार पर लगातार इज्तेमा के आयोजन की अनुमति को लेकर

दबाव दिया जा रहा था। लेकिन गृह मंत्रालय के हुई सुरक्षा समिति की बैठक में इज्तेमा की अनुमति नहीं दिए जाने का फैसला किया गया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने बताया कि सुरक्षा और संवेदनशीलता केंद्यान में रखते हुए इज्तेमा की अनुमति नहीं दी गई है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब नेपाल सरकार ने इज्तेमा करने की अनुमति प्रदान नहीं की है। सन 2020 में नेपाल के सप्तरी जिले में इज्तेमा का आयोजन में डेढ़ लाख से अधिक तब्लीगी जमात के इकठ्ठा होने और यहां से दिल्ली जाने के बाद उस वर्ष कोरोना फैलने को एक प्रमुख कारण माना गया था।

उसके बाद 2021 से 2023 तक हर वर्ष तब्लीगी जमात द्वारा सरकार से अनुमति लिए जाने का प्रयास किया जाता रहा है है लेकिन हर वर्ष सरकार के तरफ से इसे रोक दिया जाता रहा है।

हालांकि मुस्लिम संगठनों द्वारा सरकार के इस फैसले का विरोध किया गया है। मुस्लिम आयोग के अलावा इत्तेहाद मुस्लिम संगठन सहित आधे दर्जन मुस्लिम संगठनों ने बयान जारी कर सरकार के इस फैसले का विरोध किया है।

काठमांडू सहकारी बैंक घोटाले में जमानत पर सुनवाई नहीं हुई पूरी, फिर पुलिस हिरासत में भेजे गए पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू की जिला अदालत ने पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को पुलिस हिरासत में भेज दिया। लामिछाने काठमांडू के स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाला मामले में अपनी जमानत याचिका के संदर्भ में अदालत में बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचे थे, लेकिन जमानत पर सुनवाई पूरी नहीं होने के कारण उन्हें आज रात पुलिस हिरासत में ही गुजारना होगा। इस मामले की सुनवाई सोमवार को भी होगी।

नेपाल के चर्चित सहकारी बैंक घोटाला मामले में लामिछाने के विरुद्ध पांच जिलों में मामला दर्ज है। इन पांच जिलों में काठमांडू, पोखरा, चितवन, बुटवल और वीरगंज शामिल हैं। पोखरा जिले से संबंधित सहकारी बैंक घोटाले में 84 दिनों तक पुलिस हिरासत में रहने के बाद लामिछाने को शुक्रवार को जमानत

मिली थी। अब उनको चार अन्य जिलों में दर्ज मामलों में भी जमानत लेनी होगी। उसी प्रक्रिया के तहत आज वे काठमांडू पहुंचे थे। काठमांडू से जमानत मिलते ही लामिछाने को बुटवल के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाले में बयान दर्ज कराने और जमानत लेने के लिए जाना होगा।

काठमांडू के जिला जज माधव प्रसाद अधिकारी की अदालत में लामिछाने से जुड़े मामले की सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान रवि के वकीलों ने यह दलील दी कि जब एक जैसे मामले में पोखरा अदालत ने जमानत पर छोड़ दिया और रवि खुद ही आज अदालत में हाजिर हुए हैं, ऐसे में उनको पुलिस हिरासत में नहीं भेजा जाना चाहिए, लेकिन सरकारी वकील ने उन्हें यह छूट देने का विरोध करते हुए जमानत पर फैसला नहीं आने तक पुलिस हिरासत में रखने की मांग की, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। अब लामिछाने को अदालत में सुनवाई पूरी होने तक काठमांडू पुलिस की हिरासत में ही रहना होगा।

हमास के बंधक बनाए गए नेपाली छात्र की रिहाई के लिए तेल अवीव में प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। हमास द्वारा बंधक बनाए गए नेपाली छात्र विपिन जोशी की रिहाई के लिए इजरायल के तेल अवीव में हजारों इजरायली नागरिकों ने प्रदर्शन किया। हमास द्वारा जारी की गई रिहाई सूची में नेपाली छात्र जोशी का नाम नहीं होने के बाद यह प्रदर्शन किया गया।

इजरायल के सबसे बड़े शहर तेल अवीव में शनिवार को बड़ी संख्या में तख्तियां पकड़े हुए इजरायलियों ने 07 अक्टूबर 2023 को हमास आतंकवादी समूह द्वारा अपहरण किए गए इजरायलियों की छोड़ने की मांग करते हुए प्रार्थना की और प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों के पास मौजूद लोगों में एक तख्ती देखी जा सकती है जिसमें नेपाली छात्र बिपिन जोशी की तस्वीर है। प्रदर्शनकारियों ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के

शपथ ग्रहण समारोह से पहले यह इस तरह का अंतिम प्रदर्शन होगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप 20 जनवरी को पद और गोपनीयता की शपथ ले रहे हैं।हमास और इजरायल के बीच बातचीत शुरू हो गई है। माहौल अनुकूल बनाने के लिए हमास ने बंधक बनाए गए 34 लोगों की सूची सार्वजनिक की है। हालांकि, विपिन जोशी का नाम सूची में शामिल नहीं है। इजरायल में अमेरिकी राजदूत जैक ल्यू, ब्रिटिश राजदूत साइमन वाल्टर्स, जर्मन राजदूत स्टीफन सीबर्ट और नेपाली राजदूत प्रोफेसर धन प्रसाद पंडित सहित अन्य गणमान्य लोग शनिवार को इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। अमेरिकी राजदूत ल्यू इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राजधानी जेरूसलम से तेल अवीव गए थे।

नीदरलैंड के हेग में 700 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी

हेग। नीदरलैंड में हेग के पास एक मोटरवे पर प्रदर्शन कर रहे 700 से अधिक जलवायु कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। डच पुलिस ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारीयों ने सड़क अवरुद्ध कर दी थी और जाने से इनकार कर दिया तभी उन्हें हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों में से 12 व्यक्तियों पर राजद्रोह और

हमले जैसे अपराधों के आरोप लगाए

ग्रीनलैंड के लिए यूएस को चुकानी पड़ सकती है भारी रकम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की इच्छा जता चुके हैं। हालांकि अगर सहमति बनती है तो अमेरिका को ग्रीनलैंड खरीदने के लिए भारी-भरकतम कीमत चुकानी होगी। एक रियल एस्टेट डेवलेपर और पूर्व अर्थशास्त्री डेविड बार्कर ने अनुमान लगाया है कि ग्रीनलैंड खरीदने के लिए अमेरिका को 12.5 अरब डॉलर से लेकर 77 अरब डॉलर की रकम खर्च करनी पड़ेगी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बार्कर ने मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए वर्जिन आइलैंड्स और अलास्का के लिए दी गई रकम को आधार बनाया है।

पूर्व में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्रीनलैंड में मौजूद प्राकृतिक संसाधन करीब 1.1 खरब डॉलर की कीमत के हो सकते हैं, लेकिन डेविड बार्कर ने इस अनुमान को अविश्वसनीय बताकर खारिज कर दिया और कहा है कि अमेरिका को ग्रीनलैंड के संसाधनों से उतना फायदा नहीं होगा क्योंकि निजी कंपनियां ड्रिलिंग और खनन के अधिकार खरीद लेंगी। हालांकि बार्कर ने ये भी कहा कि ग्रीनलैंड को खरीदना इतना आसान नहीं है और इसमें कई फैक्टर हैं, जो इस डील को मुश्किल बना सकते हैं। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप

ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं और उन्होंने पहली बार साल 2019 में यह सुझाव दिया था कि अमेरिका को ग्रीनलैंड को खरीदना चाहिए। शीत युद्ध के समय से ही ग्रीनलैंड का अमेरिका के लिए रणनीतिक महत्व रहा है। साल 1946 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने 10 करोड़ डॉलर के सोने में डेनमार्क के नियंत्रण वाले द्वीप ग्रीनलैंड को खरीदने की पेशकश की थी। हालांकि उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था। एक संप्रभु देश द्वारा दूसरे देश के क्षेत्र खरीदने की बात थोड़ी असामान्य लग सकती है, लेकिन अतीत में इसके कई उदाहरण भी हैं। अमेरिका ने अतीत में लुइसियाना , अलास्का और यूएस वर्जिन आइलैंड्स सहित कई क्षेत्रों को खरीदा है। ग्रीनलैंड पर 1700 से ही डेनमार्क का नियंत्रण है और यह डेनमार्क से मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है। ग्रीनलैंड की आबादी 57 हजार है। बीते दिनों ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा और दुनिया में कहीं भी जाने की आजादी के लिए अमेरिका का ग्रीनलैंड पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। दरअसल उत्तरी अमेरिका से यूरोप जाने के सबसे छोटे रूट पर ग्रीनलैंड स्थित है। अमेरिका काफी लंबे समय से ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानता है। ट्रंप का मानना है कि रूसी और चीनी जहाजों की निगरानी के लिए भी ग्रीनलैंड अहम है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पार्टी में हुए विवाद में आरोपित ने दोस्त को मारी गोली

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के छावला इलाके में पार्टी में हुए विवाद के दौरान आरोपित ने अपने ही दोस्त को गोली मार दी। घटना के बाद घायल को उनके दोस्त रविन्द्र ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने रविन्द्र के बयान पर केस दर्ज किया। घायल की पहचान सुरेंद्र के रूप में हुई है। छावला पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविन्द्र परिवार के साथ गोला गांव में रहते हैं। उनका प्रॉपर्टी का काम है। पुलिस को दिए बयान में रविन्द्र ने बताया कि 10 जनवरी को वह अपने दोस्त सुरेन्द्र, कुलदीप, रामअवतार और आलोक के साथ ताजपुर रोड के पासएक मकान में पार्टी करने गए। रविन्द्र के अनुसार पार्टी के दौरान आलोक का सुरेंद्र से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी के दौरान आलोक ने पिस्टल निकालकर सुरेंद्र के ऊपर गोली चला दी। गोली लगते ही सुरेंद्र नीचे गिर गए। शिकायतकर्ता रविन्द्र के अनुसार वह सुरेंद्र को लेकर तुरंत नजदीकी अस्पताल आए। वहीं पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता के बयान पर केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

भारत-नेपाल की बैठक में अनधिकृत व्यापार से निपटने पर चर्चा

नई दिल्ली । काठमांडू में भारत और नेपाल के बीच व्यापार करने और सहयोग पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें दोनों देशों के बीच अनधिकृत व्यापार से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार और निवेश साझेदार बना हुआ है। भारत नेपाल के आयात और निर्यात दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बैठक में व्यापार, निवेश और सीमा पार व्यापार के बारे में गहन चर्चा की गई। साथ ही इस बैठक में दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार किया गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार,10-11 जनवरी को हुई इस बैठक में दोनों पक्षों ने आपसी बाजार पहुंच, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और शुल्क संबंधी मुद्दों की समीक्षा की। इसके अलावा, आवागमन संधि और व्यापार संधि में सुधार, मानकों का सामंजस्य और रक्सौल-बीरगंज रेल लाइन के विद्युतीकरण जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी चर्चा हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नेपाल के अनुरोध पर 2 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आपूर्ति की जाएगी।

सड़क हादसे मामले में ऑडी कार का ड्राइवर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिला पुलिस ने अनियंत्रित तेज रफ्तार ऑडी कार से टक्कर से मौत में आरोपी कारचालक को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण पश्चिमी जिला के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी की पहचान 25 वर्षीय पारस पठानिया के रूप में हुई है। वह दिल्ली में पुष्कर एन्क्लेव, पश्चिम विहार स्थित फ्लैट संख्या 24 में रहता है। इससे पहले वह 2018 से 2024 तक कनाडा में रहता था। साल 2024 में वह दिल्ली वापस लौटा है। हादसे के बाद स्पेशल स्टाफ टीम ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 50 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में करीब 60 किलोमीटर तक आरोपी का पीछा किया। इसके बाद करीब 12 घंटों के भीतर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के 6.30 बजे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के सामने रिंग रोड पर कार हादसे की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पूछताछ व जांच में पता चला कि धौला कुआं से साउथ एक्सटेंशन की ओर जा रही सफेद अर्टिगा कार को चांदी रंग की ऑडी कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

अमेरिका की आबादी से अधिक भारत में युवाः डॉ संजय पासवान

एजेंसी

नई दिल्ली। युवाओं की बौद्धिक क्षमता और शारीरिक मजबूती के बल पर ही भारत भविष्य में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय पासवान ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर ए.एन. कॉलेज में आयोजित सेमिनार स्किल्स फॉर यूथ टू स्ट्राइव एंड थ्राइव के दौरान यह विचार व्यक्त किए। कम्युनिकेशन स्किल्स के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षण संस्थान ब्रिटिश लिंगुआ और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), ए. एन. कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. पासवान ने कहा, भारत में युवाओं की संख्या अमेरिका की कुल आबादी से भी अधिक है। बुद्धि और शरीर का समन्वय कर आज की युवा पीढ़ी न केवल अपना बल्कि, देश का भविष्य भी उज्ज्वल बना सकती है। इस अवसर पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. नागेंद्र कुमार झा ने युवाओं को सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कहा, देश को आगे बढ़ाने के

लिए मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक और कौशल विकास में समान रूप से कार्य करना आवश्यक है। बिहार के गन्ना आयुक्त अनिल कुमार झा ने कहा, आज के युवाओं को अपने लिए एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि यूरिया की खोज करने वाले वैज्ञानिक ने 20,000 बार के प्रयास के बाद सफलता पाई और उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ए.एन. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, स्वामी विवेकानंद आज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी शिक्षाओं को अपनाकर हम जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। एनएसएस समन्वयक प्रो. रत्ना अमृत ने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि चरित्रवान व्यक्ति ही समाज का भला कर सकता है। समाज के विकास के लिए युवाओं को अपने चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ब्रिटिश लिंगुआ के संस्थापक डॉ बीरबल झा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा, स्वामी विवेकानंद का जीवन स्वयं में एक संदेश है। युवाओं को उनके बताए मार्ग पर चलते हुए अपने कौशल को विकसित करने की आवश्यकता है। बिना कौशल के व्यक्ति समाज और देश पर बोझ बन जाता है। इस अवसर पर समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले आशुतोष कुमार, कृष्ण कुमार तिवारी, अंकिता सिंह, सौरभ तिवारी, विक्की आनंद और श्वेत रंजन को स्वामी विवेकानंद युवा अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ भाषण प्रतियोगिता में अमृतांश कुमार को प्रथम, अनिकेत कुमार को द्वितीय और रीना कुमारी को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

केजरीवाल सिर्फ वादा करते हैं, सवाल पूछने पर ध्यान भटकने की कोशिश करते हैं : हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आम आदमी पार्टी(आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली की जनता से झूठे वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे केवल वादे करते हैं और बाद में इन्हें भूल जाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में हरदीप पुरी ने कहा कि 2020 में चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से 10 वादे किए थे। लेकिन वह इन वादों को पूरा करने में पूरी तरह से नाकाम रहे। उन्होंने कहा कि 2020 के दिल्ली चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल ने 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति, दिल्ली को हाईटेंशन बिजली के तारों से मुक्ति, सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा, सरकारी स्कूल, 500 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क, महिलाओं और छात्रों के लिए मुफ्त बसें, वायु प्रदूषण में कमी और यमुना नदी की सफाई सहित 10 गारंटी दी थी। वे केवल इस तरह के बयान देते हैं और उनसे इस बारे में सवाल पूछे जाने पर ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने मुख्यमंत्री को पंजाब की जनता से किए हुए बातों को भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि वे केवल दो गारंटियों का ज़िक्र करेंगे। पंजाब में महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये दिए जाने का वादा किया गया था। 2025 में उन्हीं महिलाओं को अपनी आवाज़ उठाने के लिए दिल्ली आना पड़ रहा है। उन्होंने कहा था कि वे पंजाब को नशा मुक्त बनाएंगे। पंजाब में (आआपा) की सरकार बनने के बाद नशा माफिया में नई ऊर्जा आ गई है।

बंगलादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़ी है आपः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं. इसको लेकर सभी पार्टियों की ओर से जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है. साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. इसी बीच बीजेपी की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर आप पार्टी पर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि आप विधायक की सहायता से दिल्ली में अवैध तौर पर रहने वाले बांग्लादेशी वोटर कार्ड व आधार कार्ड बनवा रहे हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल इस मुद्दे को लोगों के बीच नहीं आने देना चाहते हैं. इस मुद्दे के संदर्भ में बीजेपी की नेता स्मृति ईरानी की ओर से संगम विहार में रजिस्टर किए गए स्त्रढ्डक्र को लेकर कहा गया. ये स्त्रढ्डक्र दिल्ली पुलिस के द्वारा रजिस्टर कराया गया है. स्मृति ईरानी ने कहा कि 'भारत में अवैध तौर पर रह रहे

बांग्लादेशी फिक्र वाली बात है. वहीं दिल्ली पुलिस की ओर से की गई तफ्तीश में जो बात निकलकर आई है वो हैरान करने वाली है. इसकी तफ्तीश में पता चला है कि इन बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोटर कार्ड और आई कार्ड मुहैया कराने में आप के दो विधायक की ओर से सहायता प्रदान की गई है.' स्मृति ईरानी की ओर से आगे कहा गया कि 'पुलिस की तफ्तीश में मालूम हुआ है कि आप पार्टी के दो एमएलए महेंद्र गोयल और जय भगवान की मोहर और दस्तखत वाले 26 फार्म्स प्राप्त हुए हैं. इनको फेक तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा था.' आपको बताते चलें कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर देशभर में सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं. दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में इनकी धड़-पकड़ की जा रही है. एक को वापस भेजा भी जा चुका है. रोहिंग्य और बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर सरकारें लगातार सख्त कदम उठा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने लोहड़ी की दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने लोहड़ी के अलावा मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू (14 जनवरी) की भी शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने जारी अपने संदेश में कहा, 'लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू त्योहारों के पावन अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। ये त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं और अपने साथ उत्साह और उल्लास लेकर आते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रूपों में मनाए जाने वाले ये त्यौहार प्रकृति के साथ हमारे सामंजस्यपूर्ण संबंधों को दर्शाते हैं।

लोग इन अवसरों पर पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं और दान-पुण्य भी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'इन त्योहारों के माध्यम से, जो फसलों से भी जुड़े हैं, हम उन मेहनती किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जो देश को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। मेरी कामना है कि ये त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आएं और हम भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए मिलकर और अधिक उत्साह के साथ काम करें।' लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने भी जारी संदेश में कहा, 'सभी देशवासियों को लोहड़ी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। फसल कटाई का यह त्यौहार प्रकृति की कृपा और किसानों की कड़ी मेहनत एवं समर्पण का उत्सव है। मैं कामना करता हूं कि लोहड़ी का यह पर्व हमारे घरों में उत्सव, खुशियां और समृद्धि लाए और हमारे राष्ट्र में विकास और प्रगति हो।'

भाजपा विप्र एकता मंच के पूर्वी दिल्ली के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद भारद्वाज समेत कई पुजारी आआपा में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा विप्र एकता मंच से पूर्वी दिल्ली के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद भारद्वाज आम आदमी पार्टी की सनातन सेवा समिति में शामिल हो गए। उनके साथ कृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र से कई मंदिरों के पुजारी भी भाजपा विप्र एकता मंच को छोड़ कर पार्टी में शामिल हुए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सभी को पटका पहनाकर आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा कि उप्र, बिहार समेत पूर्वांचल से आए हमारे सम्मानित पुजारी दिल्ली के विभिन्न मंदिरों में सेवा दे रहे हैं। आज यह लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। इनके आने से पार्टी को दिल्ली के अंदर मजबूती मिलेगी।

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा दिल्ली के पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18 हजार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि घोषित करने के बाद लगातार बड़ी

संख्या में पुजारी आम आदमी पार्टी के साथ आ रहे हैं। इसी क्रम में आज विप्र एकता मंच, पूर्वी दिल्ली के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद भारद्वाज ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने का संकल्प लिया है। अभी तक वह भाजपा से जुड़कर काम कर रहे थे। मैं इनका पार्टी में स्वागत करता हूं। संजय सिंह ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद भारद्वाज के साथ कृष्णा नगर के पुजारी दीपक भट्ट, अनारकली के पुजारी बृज राज मिश्रा और रवि शंकर मिश्रा, जगतपुरी से पुजारी रूप शंकर पांडे, कृष्णा नगर से पुजारी सुनील पंडित, परवाना रोड के पुजारी गगन शर्मा, जितर नगर से पुजारी देवी राम पंडित, राशिद मार्केट के पुजारी प्रमोद पाठक, राधेपुरी एक्सटेंशन के पुजारी अनुज मिश्रा और राधेश्याम पार्क से पुजारी राधा वल्लभ शर्मा भी आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

ये सभी लोग पुजारी भी हैं और इनका नाता पूर्वांचल से भी है। उप्र, बिहार और पूर्वांचल से आए हमारे ये सम्मानित पुजारी दिल्ली के मंदिरों में हैं और मुझे खुशी है कि आज ये लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इनके आने से आम आदमी पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jakir Ali S/O Ali Hussain, R/O Permanent Address Siswa Mathia, Kushi Nagar, Uttar Pradesh-274304, Present adress Hno 24,Ground Floor Churiya Mohalla Tekhand Village New Delhi-110020 ,declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Zakir and Kadir in my minor son namely MOHD Kadir aged 16 years in his 10th class educational document. The actual name of mine and my minor son are Jakir Ali and Mohd Kadir, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Dhruv Chaudhary S/o Sunil Kumar R/o H.No-157/9, Kishan Garh, Car Market, Near M L A Office, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi-110070 Have Changed My Name To Dhruv Choudhary for all Future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SONI DEVI W/o JAI PRAKASH SHARMA R/o H.No. 81, Jasola Village, New Friends Colony S.O, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of mine, my husband and my minor daughter have been wrongly written as SHIVANI SHARMA, J P SHARMA and SURABHI SHARMA in my minor daughter namely KUMARI SURABHI SHARMA aged 14 years in her School Record and her Birth Registration Certificate No. MCDOLR10067661. The actual name of mine, my husband and my minor daughter are SONI DEVI, JAI PRAKASH SHARMA and KUMARI SURABHI SHARMA respectively.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता पत्नी श्री सुशील कुमार आवासीय अपर ग्राउंड फ्लोर बिना छत के अधिकार वाले जिसका क्षेत्रफल 45 वर्ग गज, बिल्डिंग संख्या 02, रोशनआरा रोड, दिल्ली-110007 में स्थित है, को श्रीमती रीता देवी मिश्रा से खरीदने का इरादा रखते हैं, सम्पत्ति का मूल मालिक श्री भजन लाल, उर्फ श्री भजन राम थे। तत्पश्चात, श्री भजन लाल, उर्फ श्री भजन राम ने 29.09.1988 को अपनी पत्नी श्रीमती बिशन देवी के पक्ष में एक वसीयत की थी और उनकी मृत्यु के बाद श्री कृष्ण लाल सुनेजा को एकमात्र मालिक घोषित किया गया। श्री भजन राम का निधन 20.01.1991 को हुआ, और उनकी पत्नी श्रीमती बिशन देवी का निधन 16.11.2008 को हुआ। इसके बाद, श्री कृष्ण लाल सुनेजा ने 09.04.2024 को अपनी पत्नी श्रीमती दया वंती सुनेजा को अपने सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA) के रूप में नियुक्त किया। तत्पश्चात, श्रीमती दया वंती सुनेजा ने अपने पति श्री कृष्ण लाल सुनेजा की ओर से 31.05.2024 को एक बिक्री विलेख (SALE DEED) पर हस्ताक्षर किए, जिसे श्रीमती रीता देवी मिश्रा के पक्ष में निष्पादित किया गया। वही संपत्ति ऋक्क बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित की जा रही है, जो स्न 19, 20, 21 FF, आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, यूपी 201012 में स्थित है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I hitherto known as SATISH KUMAR KASHYAP alias SATISH KUMAR S/o PADAM SINGH, R/o D-859, Tila Shahbazpur, Indraprasth Awas Yojna, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as SATISH KUMAR, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, OMVEER SINGH S/O JOGINDER SAINI R/O NPLOT NO-18, GALI NO-20, JAIN ROAD, BHAGWARI GARDEN EXTENSION, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed the name of my minor daughter AVNI SAINI aged 16 years and she shall hereafter be known as TANISHKA SAINI.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD JAVED S/O SAJID ALI Residing at H No D-69, BAND GALI NEAR SAEEDIA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi - 110053 have changed the name of my minor son name from MOHAMMAD HUSAIN to MOHD HUSSAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GEETA DEVI spouse of No.GS-183347X Rank-JE(E&M) Name-RAJNISH R/o VILL NAGAR, DISTT- SONIPAT, HARYANA-131301 have changed my name from GEETA DEVI to GEETA for all future purposes. Vide Affidavit dated 13.01.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, Asha Talreja D/o N R Talreja R/o A1/380, 4th Floor,Sushant Lok-2, Sector-55, Gurgaon, Haryana-122011, Have Changed My Name To (Given Name) Radhika (Surname) Chhabria for All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, KIRTI SHARMA is Daughter of No. GS-183347X Rank-JE(E&M) Name- RAJNISH R/o VILL NAGAR, DISTT- SONIPAT, HARYANA-131301 have changed my name from KIRTI SHARMA to KIRTI for all future purposes. Vide Affidavit dated 13.01.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as B. ABHISHEK son of BIJU D residing at H NO-J-43/UG-2, DILSHAD COLONY, JHILMIL, DELHI-110095 have changed my name and shall hereafter be known as ABHISHEK BIJU.

NAME CHANGE
I, Gyanendra Mohan S/O Mohan Singh Radhali R/O Flat NO-8, 2nd Floor Ganpati Apartment Ward NO-2, Mehrauli, South DELHI, 110030 Have Changed my name to Gyanendra Mohan Rashali for all the future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Varma Devi W/O Chhangur Pal,R/O V- 184, BLOCK- V ,SEC- A, BHAGWATI VIHAR, UTTAM NAGAR, West Delhi, Delhi - 110059,have changed my name and shall hereafter be known as Meena Devi.

NAME CHANGE
I, FOJIA W/O MOHAMMAD JAVED Residing at D-69, BAND GALI NEAR SAEEDIA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi - 110053 have changed my name to FOZIA for all future purpose.

Name Correction
I, RAJ KUMAR S/O DINESH KUMAR R/O FLAT NO 125-C, POCKET -B, NEAR CHETAK COMPLEX, DILSHAD GARDEN, DELHI-110095, I have ADDED my surname and I may be known instead of RAJ KUMAR TO RAJ KUMAR NIRALA henceforth for all future personal, official and government purposes. However, Raj Kumar and Raj Kumar Nirala are the same person.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sanjay Pal S/O Om Pal Singh R/O 141, Sharifabad Rajpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 declare that name of my minor son has been wrongly written as Dhruv Kumar in my minor son namely Dhruv aged 13 year in his school record. The actual name of my minor son is Dhruv which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Lalmaya Lama W/o Youraj Gooroong R/o B-2/27, Bharat Vihar, South West Delhi, Delhi,110078, Have Changed My N kiame To Lal Maya Lama for All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, ANAM W/O MOHAMMAD AZAM QURESHI Residing at H NO-A-24 GALI NO-11 CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to ANAM QURESHI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No. 2895256Y, Rank-HAV Name-DARMENDRA SINGH R/o VILL-MIRZAPUR, PO-BESWAN, TEH-IGALAS, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202145, have changed my mother's name from OM VATI DEVI to OMBATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 2895256Y, Rank-HAV Name-DARMENDRA SINGH R/o VILL-MIRZAPUR, PO-BESWAN, TEH-IGALAS, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202145, have changed my father's name from HIRA LAL to HIRALAL for all future purposes vide Affidavit dated 13/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16021288F, Rank-NK, Name-BHEEM SINGH residing at VILL-BANSI KALAN, PO-BANSI KHURD, BHARATPUR, RAJASTHAN-321303, have changed my mother's name from VIMLA DEVI to VIMLA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 08/10/1965 instead of her correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 13/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RASHID ALI S/O NAUSHAD ALI Residing at H No D-7, NEW SEELAMPUR, SEELAMPUR, North East Delhi - 110053 have changed the name of my minor son name from AYAAN to MOHD AYAAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, UDAY RAJ RAM S/O SHIV PUJAN RAM R/O RZ-11, GALI NO-11, MAIN KAILASHPURI, PALAM VILLAGE, DELHI 110095, I have changed my name from UDAI RAJ RAM TO UDAY RAJ RAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, YUSRA D/O RASHID ALI Residing at H. NO. D-7, NEW SEELAMPUR, SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to YUSHRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as JESSICA KAUR CHAWLA D/O JAGJIT SINGH CHAWLA R/O 285, SHRINIKETAN CGHS LTD., PLOT NO-1, SECTOR-7, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075 have changed my name and shall hereafter be known as JESSICA CHAWLA.

NAME CHANGE
I, Bhil Dipali Gokul Spouse of Army No. 14855482X Rank - NK/MT Name - Bhil Gokul Sonu Presently Posted at Unit 980 TPT Coy ASC Type B, Sujanpur Cantt, Pathankot (Punjab) Pin - 905980 & Permanent Resident at Post - Khede Tal, Tehsil - Dhule, P. S. - Dhule, Dist - Dhule, State - Maharashtra, Pin - 424302 have changed my name from Bhil Dipali Gokul to Dipali Gokul Bhil & Date of Birth from 10/11/1995 to 10/11/1999 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13th Jan. 2025 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rattandeep Singh Gill.

NAME CHANGE
I, No-15146926Y, Rank-HAV(DMT), Name-BRIJESH KUMAR residing at GODDOPUR (KATHAMUNGARIYA), GADDOPUR, VARANASI, UTTAR PRADESH-221405, have changed my wife's name from SARITA to SARITA DEVI for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 30/04/1977 instead of her correct date of birth as 05/09/1986 vide Affidavit dated 13/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NAZMA KHANAM W/O AKRAM KHAN Residing at H. NO. C 216/12 GALI NO-8 MADARSA ANWARUL QURAN CHAUHAN, BANGAR NEWSEELAMPUR, NORTH EAST DELHI, DELHI 110053 have changed my name to NAZMA BEGUM for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My Client Smt. Rajni W/o Sh. Pawan Kurnar & Sh. Pawan Kumar S/o Late Bani Singh Rio H.No. 56/60, East Mehram Nagar, Delhi Caritt, New Delhi-110010, Disowning Their Son Nagraj, Daughter-In-Law Monika & Their Children Aaditya & Shweta, From Their All Movable And Immovable Properties Of Their Free Will And Consent As Due To Certain Issues, Personal Differences, Irregular Behaviour And Was Not According To Them. The Above Named Their Son Nagraj, Daughter-In-Law Monika & Their Children Aaditya & Shweta Are Beyond Their Control And Supervision. Act Done By Them Which Even Include Money, Property, Emotional Activities Is Not Related To Them. My Clients Are Not Responsible For Any Claim Made By Them Of Any Kind.
Sunder Lal Sharma Advocate
Off: B-10, Ground Floor, Near BSES Office Manglapuri, Palam, New Delhi-110045

NAME CHANGE
I, ASHISH KUMAR son of BHARAT BHUSHAN residing at H NO-19, GROUND FLOOR, GUJRAT VIHAR, DELHI-110092 have changed my name to ASHISH GULATI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-812703P Rank-SUB Name-YOGENDRA SINGH TOMAR Presently residing at 30/3, D D NAGAR, BHIND ROAD, GWALIOR, GIRD, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474005 have changed my wife's name from PALLABI to PALLAVI TOMAR for all future purposes vide Affidavit dated 09/01/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Yogender Pal Singh & Mrs. Dipeeka is purchasing Plot No. 12 area measuring 190 sq. yds. out of Khata No. 802/957 Mu. No. 38 Killa No.14/2 & 17/1 situated in village Dabua, Faridabad Haryana from Smt. Asha, Sh. Virender Tyagi, Sh. Devinder Tyagi, Sh. Umesh Tyagi, who has inheritance after the death of Mrs. Siyawati and Intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Limited .** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client **Mrs. Rani Shilpee W/o Mr. Saurabh Anand** who has approached **Adhar Housing Finance Ltd.** to borrow Home Loan in respect of **Second Floor, without roof rights, Pvt Flat No. C-306, Built-Up Property Bearing Plot No. G-1/264-A and G-1/264-B, Area Measuring 100 Sq. Yds., Out of Khasra No. 84/1 and 75/10,21 (Killa No. 1,10,21 Mustatil No. 84 & 75, Situated in the Revenue Estate of Village Hastsal, Delhi State Delhi, Area Abadi known as Colony G-1 Block, Uttam Nagar, New Delhi-110059**. At present this property is in the name of **) Mr. Raj Kumar** S/o Mr. Nepal Singh and **(2) Mr. Ramavtar Kaushik.**
It is to mention that the Original Notarized General Power of Attorney, Agreement to Sell & WILL Dated 25.05.2016 executed by **M/s Mangat Ram Pawan Kumar through its proprietor Mr. Ram Bilas S/o Mr. Mangat Ram** in favour of **Mr. Ishwar Chand Garg S/o Mr. Hukum Chand** in respect of **the above mentioned property** are lost.
And the said property is going to be mortgaged in **Adhar Housing Finance Ltd., Office No.21, 2nd Floor, Ashoka Chamber, Pusa Road, Rajender Pace, New Delhi -110059** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, HAJI MOHD AKRAM KHAN S/O SAMIULLAH KHAN Residing at H. NO. C 216/12 GALI NO-8 MADARSA ANWARUL QURAN CHAUHAN, BANGAR NEWSEELAMPUR, NORTH EAST DELHI, DELHI 110053 have changed my name to AKRAM KHAN for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किल श्री ओम प्रकाश लोहिया पुत्र श्री ज्ञानेंद्र सिहं, एंव श्रीमती सुनीति लोहिया पत्नी श्री ओम प्रकाश लोहिया दोनों निवासी खसरा नंबर 7 क्लब ड्राइव रोड, ओमी फार्म हाउस, गैदपुर, साउथ दिल्ली-110030 ने अपने पुत्र चिराग लोहिया पुत्र श्री ओम प्रकाश लोहिया को उसके नियन्त्रण में ना होने, व उसके साथ अभद्र व्यवहार करने और लड़ाई-झगडा करने के कारण उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं और उससे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। भविष्य में कोई व्यक्ति चिराग लोहिया पुत्र श्री ओम प्रकाश लोहिया के साथ किसी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किल व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
J.P.SINGH ADVOCATES
CH. NO.534 DWARKA COURT
COMPLEX LAWYERS CHAMBERS
BLOCK SECTOR-10, DWARKA
NEW DELHI-110075.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री फरमान अहमद खान एक आवासीय प्रॉपर्टी नंबर NE-55, जिसका 150 वर्ग गज़, गांव ख्याला, विश्नु गार्डन कॉलोनी, गली नं. 4, नई दिल्ली-110018 में स्थित है, को श्री सतवंत सिंह से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति श्री सतवंत सिंह को श्रीमती गुरदीप कौर से 28.10.2019 को गिफ्ट विलेख (GIFT DEED) के माध्यम से प्राप्त हुई थी। यह संपत्ति बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा ङ्क गुड़गांव द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, इस संपत्ति से सम्बंधित मूल बिक्री पत्र, रजिस्ट्रेशन नंबर 11103, बुक नंबर 01, दिनांक 20.09.2018, एसआर- दिल्ली, खो गया हैं। इस दस्तावेज के खोने के संबंध में एक ऑनलाइन एफ.आई.आर. (Online FIR) (आवेदन संख्या- एल.आर. संख्या 913593/2019, दिनांक 08.04.2019) दिल्ली के क्राइम ब्रांच थाना में दर्ज की गई है। जो कोई भी इन खोए हुए दस्तावेजों के बारे में जानकारी रखता हो, वह कृपया निम्नलिखित या स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित करने का कष्ट करें। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Sita Hindowar** is purchasing Flat no. G-III, on third story, Ridge Castle apartment measuring 1475 sq. ft. in property no. 895-C-2, out of Khasra no. 1151/3 min, situated at ward no. 8, Dada Bari, road Mehrauli, New Delhi-110030 from Mr. Nihar Ranjan Mohanty who is the owner of the above mentioned property vide Relinquishment Deed dated 12.09.2007 Doc no. 11327 and Intend to mortgage the said property with **J&K Bank Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Mrs. Mohi Kumari ,(Advocate)
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

नूंह जिले में बागवानी विभाग की योजनाओं का लाभ उठाएं किसानः उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने व उन्हें पारंपरिक खेती से बागवानी की लाभकारी फसलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न फसलों पर विशेष अनुदान दिया जा रहा है। इसी क्रम में किसानों को मशरूम प्रोडक्शन व कंपोस्ट यूनिट लगाने पर 40 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ -साथ नेट हॉउस व पोली हाउस लगाने के लिए सामान्य जाति के किसानों को 50 प्रतिशत और एससी वर्ग के किसानों को 85 प्रतिशत अनुदान राशि दी जाती है। किसान 4 हजार स्क्वेयर मीटर तक का पोली हाउस/ नेट हाउस लगा सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि मशरूम के गुणकारी लाभों के चलते बाजार में इसकी मांग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। किसानों में इसकी खेती की सही जानकारी के अभाव में यह बाजार में अधिक मात्रा में उपलब्ध नही होता। जबकि बाजार में इसकी मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला के किसान फसल विविधिकरण के तहत इसकी खेती को अपनाकर बाजार से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। जिला बागवानी अधिकारी डॉ दीन मोहम्मद ने किसानों को दी जाने वाली अनुदान राशि की जानकारी देते हुए बताया कि उद्यान विभाग द्वारा विभागीय स्कीम के तहत जिला में एक मशरूम कंपोस्ट व एक मशरूम प्रोडक्शन यूनिट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी अमृत योजना, सरकार जारी करे श्वेत पत्र : कुमारी सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के शहरों और कस्बों में बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ-साथ पानी, सीवरेज, शहरी परिवहन, पार्क जैसी सुविधाएं देने के लिए शुरू की गई अमृत योजना (अटल मिशन फ़ॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफ़ॉर्मेशन) भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है, ये योजना जहां-जहां शुरू की गई वहां बुरी तरह से फेल हुई है। सरकार को इस योजना को लेकर श्वेत पत्र जारी करते हुए बताना चाहिए कि इस पर कितनी धनराशि खर्च की गई और क्या-क्या काम करवाए गए है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अमृत योजना देश में 25 जून 2015 में शहरी विकास मंत्रालय की ओर से शुरू की गई। इस योजना का मकसद शहरों और कस्बों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। इस योजना के तहत, पानी, सीवरेज, शहरी परिवहन, पार्क जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इसका मकसद, सभी के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। खास तौर पर, गरीबों और वंचितों के लिए इस योजना का फ़ायदा पहुंचाया जाता है। जिसका उद्देश्य शहरी नवीनीकरण परियोजनाओं के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना करना है, जो शहरी परिवर्तन के लिए पर्याप्त मजबूत सीवरेज नेटवर्क और जल आपूर्ति सुनिश्चित कर सके।सीईटी में संशोधन की

मांग पर केंद्रीय मंत्री से मिला इनसो प्रतिनिधिमंडल

रोहतक। सीईटी में नेपाल और भूटान के छात्रों को शामिल करने व सीईटी में फीस के दोहरे मापदंड को लेकर इनसो प्रतिनिधिमंडल ने इनसो छात्र नेता दीपक मलिक के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। इनसो छात्र नेता दीपक मलिक ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौपकर उनके सामने सीईटी के मुद्दे को रखा। इनसो छात्र नेता दीपक मलिक ने कहा की सीईटी में जो नया नोटिफिकेशन जारी किया है उसमे खामियां हैं जिस से हरियाणा के छात्रों को रोष है। सीईटी की परीक्षा में नेपाल और भूटान के छात्रों को मौका देना और फीस को लेकर दोहरे मापदंड छात्रों के साथ अन्याय है। पूर्व मुख्यमंत्री ने छात्रों की बात को सुना और जल्द हरियाणा सरकार से बात करके समाधान की बात कही। दरअसल सीईटी को लेकर नया नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें नेपाल और भूटान के छात्रों को मौका दिया गया है, जिसको लेकर छात्र लगातार विरोध कर रहे है।

समाजवाद से होगा समस्याओं का समाधानः एआर सिंधु

कैथल। शहर की नई अनाज मंडी में सीपीआई (एम) का राज्य स्तरीय सम्मेलन दूसरे दिन भी जारी रहा। दूसरे दिन का उद्घाटन पार्टी की केंद्रीय कमेटी सदस्य एआर सिंधु ने किया।? सम्मेलन की अध्यक्षता कामरेड प्रेमचंद ने की। सिंधु ने कहा कि साम्राज्यवाद दुनिया में वर्चस्व के लिए आमदा, समाजवाद ही जनता की समस्याओं का समाधान कर सकता है। कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के साम्राज्यवादी देश लगातार वर्चस्व रुख अपना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र व दुनिया के अधिकतर देशों व विश्व जनमत के विरोध के बावजूद फिलिस्तीन पर इजराइल लगातार हमले कर रहा है। जिसमें अभी तक 45 हजार से ज्यादा की मौत हो चुकी है, जिनमें अधिकतर बच्चे और महिलाएं हैं। यह हत्यारी मुहिम बंद होनी चाहिए। आरोप लगा कहा कि भाजपा शासन के दौरान देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर निरंतर हमले हैं और धार्मिक रूप से अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी के राज्य सचिव सुरेंद्र सिंह ने राजनीतिक सांगठनिक रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि राज्य में इस समय 70 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा में शामिल कैसे हैं। राज्य सरकार इसका जवाब दें। यह आंकड़ा अनेक सवाल खड़े करता है। गांव हो या शहर आवास अपने आप में भयंकर समस्या है, शहरों में प्राइवेट कॉलोनाइजर को आगे बढ़ाया जा रहा। जरूरत है गांव व शहर में सभी जरूरतमंदों को प्लाट व आवास की उपलब्धता करवाई जाए। महिलाओं पर लगातार बढ़ रही हिंसा और राज्य में अपराधियों का बढ़ना बेहद चिंताजनक है। सरकार इसे रोकने में नाकाम रही है।

सरकार के वार्षिक कैलेंडर में शामिल होंगे अंतर युवा क्लब खेल : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज स्वामी विवेकानंद की 163 वीं जयंती युवाओं को समर्पित करते हुए प्रदेश के युवाओं के लिए सौग़ातों की झड़ी लगा दी। उन्होंने ग्रामीण युवाओं के लिए एक साथ 250 ज़िम का उदघाटन करने के बाद जहां आठ अधिसूचित खेलों के लिए मुफ्त खेल उपकरण तथा राज्य के वार्षिक खेल कैलेंडर में ÷ अंतर युवा क्लब खेलों ÷ को शामिल करने की घोषणा की , वहीं प्रदेश के हर ब्लॉक में कम से कम एक आईटीआई खोलने की बात कही। मुख्यमंत्री यही नहीं रुके उन्होंने विभिन्न देशों की भाषाओं में युवाओं को दक्ष बनाने के लिए एक खास नीति बनाने और उसे संबंधित एजेसी से प्रमाणित करवाने का खर्च भी सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे।

इससे पूर्व उन्होंने युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए प्रेरित करने वाले एक गीत का लोकार्पण किया जिसको प्रसिद्ध गायक नवीन पुनिया ने गाया। उन्होंने आईटीआई के प्रशिक्षुओं को जॉब के ऑफर लैटर भी प्रदान किए। उन्होंने एनएसएस के अवार्डी युवाओं और वालंटियर्स को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने ओजस्वी भाषण में स्वामी विवेकानंद को नमन करते हुए युवाओं को प्रदेश से नशा की सामाजिक बुराई को समाप्त करने का

आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने भारत में नव-जागरण का शंखनाद किया था। उन्होंने देशवासियों में आत्म-सम्मान और गौरव से जीने की लौ तथा आध्यात्मिक जागृति पैदा की।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भी कुश्ती के खेल को बहुत पसंद करते थे। वे पढ़ने के भी बहुत शौक़ीन थे , इतने ध्यान और एकाग्रचित्त होकर पढ़ते थे कि वे एक बार जिस किताब को पढ़ लेते थे वह कभी नहीं भुलते थे। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के बचपन से लेकर रामकृष्ण परमहंस आश्रम में पहुंचने और अमेरिका की धर्म संसद में दिए गए उनके प्रभावशाली भाषण का विस्तार से जिक्र करते हुए कहा कि हमारे संविधान और संस्थाओं के भविष्य की जिम्मेदारी भी आप युवाओं के कंधों पर है। आगे चलकर संविधान की मूल भावना के अनुरूप देश आपको ही चलाना है।

10 वर्षों में हमने युवाओं को दिया खुला आसमान

उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के हित में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल है। पिछले दो कार्यकालों के 10 वर्षों में हमने पूरा प्रयास किया है कि आपको खुला आसमान दें। हमने आपको 21वीं सदी की आधुनिक शिक्षा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर रहे हैं। हाथ के हुनर से कमाल करने वाले नौजवानों की मदद के लिए पी.एम. विश्वकर्मा योजना लागू की है। प्रदेश के युवाओं को स्किल से जोड़ने के लिए राज्य में देश का पहला श्री विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय भी खोला गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां एचसीएस जैसी नौकरियों की बन्दरबाट सत्ताधारी नेताओं के रिश्तेदारों में होती थी वहीं हमारी सरकार ने युवाओं को मेरिट के आधार पर लगाया है , कई गरीब घरों के प्रतिभावान युवा एचसीएस नौकरी लगे हैं।

भारत को विश्व गुरु बनाने का फार्मूला शिक्षक के हाथ में: महीपाल ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने का सबसे बड़ा फार्मूला शिक्षक के हाथ में है। इस फार्मूले के तहत शिक्षक को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को जन-जन तक पहुंचाने की कमान संभालनी होगी। प्रदेश में शिक्षकों के माध्यम से नई क्रांति का सूत्रपात किया जाएगा। इसका आगाज स्वामी विवेकानंद जयंती पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साथ-साथ प्रदेश के तीन अन्य जिलों से किया गया है। शिक्षा मंत्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में हरियाणा शिक्षा विभाग की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत भारतीय शिक्षा, संस्कार, मूल्य और आपके सुझाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस प्रदेश में वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खामियों को दूर करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक वर्ग, नागरिक से

सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। इस शिक्षा नीति को लागू करने में अहम योगदान शिक्षक का होगा, इसलिए शिक्षकों से सुझाव लेने की पहल की गई है। महीपाल ढांडा ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी को जब देश की संस्कृति और संस्कारों को जानने का अवसर मिलेगा तो निश्चित ही देश वर्ष 2047 तक विश्व गुरु बनेगा और इस दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरेगा। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व उनकी टीम को देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने पर बधाई देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का दूसरे विश्वविद्यालय व कॉलेज अनुसरण कर रहे हैं। अब इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की कमियों को दूर करने के लिए सुझाव मांगे गए हैं। इन सुझावों पर अमल किया जाएगा और बदलाव कर वर्ष 2025 में पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही प्रकार से लागू किया जाएगा।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उठाई बारिश से हुए नुकसान के मुआवजे मांग

एजेंसी

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार से किसानों के लिए मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन में प्रदेश के कई जिलों में बेमौसम बारिश की वजह से गेहूं, सरसों और सब्जियों की खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है। कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति भी देखी गई है। सरकार को जल्द इसका संज्ञान लेकर स्पेशल गिरदावरी करवा के मुआवजा देना चाहिए। पूर्व सीएम हुड्डा रोहतक में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार किसानों की समस्याओं और मांगों की अनदेखी कर रही है। एमएसपी की मांग को लेकर किसान आज भी आंदोलनरत हैं। आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता दल्लेवाल की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। लेकिन बीजेपी उनका संज्ञान तक लेने को तैयार नहीं है और ना ही आंदोलनकारियों से बातचीत कर रही है। जबकि उसे बिना एक भी पल गवाए जल्द से जल्द किसानों की मांगों का समाधान करते हुए दल्लेवाल का अनशन खत्म करवाना

चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह कांग्रेस के सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे रहा है। रानियाँ से कांग्रेस उम्मीदवार सर्व मित्र ने दोबारा से गिनती के लिए याचिका लगाई थी। लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद बताए गए बूथों पर दोबारा काउंटिंग नहीं की गई और मॉक पोल करने की बात कही गई। मनोहर लाल खट्टर द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब देते हुए हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर हमेशा सम्मानित हस्ती रहे। इसीलिए उन्हें संविधान सभा की कमान सौंपी गई थी और बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस उनके दिए संविधान की हमेशा रक्षा करेगी। नेहरू को एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहने पर हुड्डा ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर खुद एक्सीडेंटल मुख्यमंत्री थे। पूरे कार्यकाल में उनके पास बताने के लिए कोई भी उपलब्धि नहीं है और अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए वह इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं।

किसी से छिपे नहीं बादल परिवार व पार्टी नेताओं के गुनाह : बलजीत सिंह दादूवाल

एजेंसी

हिसार। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के धर्म प्रचार प्रमुख व शिरोमणि अकाली दल आजाद के प्रधान जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा है कि अकाली दल बादल की वर्षों से चली आ रही सिख विरोधी नीतियों पर लगाम जरूरी है। इसके लिए 19 जनवरी को हरियाणा सिख प्रबंधक कमेटी के लिए होने वाले चुनावों में उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को भारी बहुमत से कामयाब बनाए। इन चुनावों में बादल ग्रुप के सहयोगी नलवी, झिंडा व पंथक ग्रुप के नाम से अलग-अलग ग्रुप बनाकर चुनाव मैदान में हैं। बलजीत सिंह दादूवाल श्री गुरुद्वारा सिंह सभा, नागोरी गेट में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वे चुनावों के सम्बंध में हरियाणा का दौरा कर रहे हैं। जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि कई वर्षों तक अकाली दल की पंजाब सरकार से लड़ाई लड़ते हुए मुकदमों को झेलने, जेलों में जाने तथा सुप्रीम कोर्ट से लड़ाई जीतने के बाद प्रदेश

की भाजपा सरकार ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का अलग चुनाव करवाने की उनकी पुरानी मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लगभग चार लाख वोटर हैं जो 40 वार्डों से 40 प्रतिनिधियों का चयन करने का काम करेंगे। हिसार के 29 नंबर वार्ड से सरदार हरपाल सिंह दर्द (गोल्डी वीरजी) को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया है। हिसार के वार्ड में लगभग 6500 वोट हैं। सरदार हरपाल सिंह दर्दी श्रीगुरुद्वारा सिंह सभा, नागोरी गेट हिसार के उपप्रधान हैं। दादूवाल ने हरपाल सिंह दर्द को उनके चुनाव निशान रेल का इंजन पर वोट देकर भारी मतों से जिताने की अपील की और कहा कि अकाली दल बादल ग्रुप ने हरियाणा में आकर अपने मोहरे खड़े किए हैं जिनका कोई वजूद नहीं है। उनकी केवल कमेटी पर कब्जा करने की कोशिश है जिसे हरियाणा के जागरुक सिख वोटर कभी कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने बादल भगाओ हरियाणा बचाओ का नारा देते हुए कहा कि इस पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए गुनाह व भ्रष्टाचार किसी से छिपे नहीं हैं। इनकी कारगुजारियों के कारण इन्हें आकल तख्त से सजा तक सुनाई गई है।

जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि इन चुनावों में बहुमत मिलने पर सिखों के हित में कार्य किया जाएगा। गुरुघरों के मान-सम्मान व मर्यादा को बरकरार रखा जाएगा। प्रदेश के गुरुद्वारों में नये निर्माण कार्य करवाये जाएंगे। हरियाणा में पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा प्राप्त है किंतु लागू नहीं किया गया है। चुनावों उपरांत पंजाबी भाषा को लागू करवाने का काम किया जाएगा। पंजाबी बेल्ट वाले शहरों में पंजाबी स्कूल खोले जाएंगे।

किसानों के खाते में 184 करोड़ ट्रांसफर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए 184 करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की। इसमें फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों के लिए 10393 मशीनों पर 122 करोड़ रुपये का अनुदान और 62 करोड़ रुपये का बोनस शामिल है।

इस मौके पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) न केवल किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा बल्कि उनके जीवन स्तर को भी ऊंचा उठाएगा। उन्होंने बताया कि खरीफ 2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम की वजह से प्रभावित हुई कृषि और बागवानी फसलों के लिए 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला लिया गया था। इसी क्रम में आज 62 करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर की गई है। इस योजना के तहत अब तक 860 करोड़ रुपये की बोनस

राशि 8.18 लाख किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है।फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर अनुदान देने के बारे में कृषि मंत्री ने बताया कि 10393 मशीनों पर 122 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह कदम पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान और उन्नत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: भारतीय शिक्षा, संस्कार, मूल्य और आपके सुझाव पर हुआ परामर्श सम्मेलन

एजेंसी

गुरुग्राम। एनईपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए छात्रों, शिक्षकों और अकादमिक लीडर्स, आम जनता से सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय परामर्श सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. डीपी भारद्वाज, माध्यमिक शिक्षा हरियाणा के निदेशक डॉ. जितेन्द्र दहिया, विधायक मुकेश शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव विशिष्ठ अतिथि एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के निदेशक आईक्यूएसी प्रोफेसर पवन शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। जीयू के कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। सम्मेलन का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: भारतीय शिक्षा, संस्कार, मूल्य और आपके सुझाव विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, पलवल, नूहं के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों, स्कूलों के प्राचार्य, छात्र, शिक्षक और अकादमिक लीडर्स ने भाग लिया। सभी ने अपने संस्थानों में लागू की गयी एनईपी-

2020 के विभिन्न प्रमुख बिंदुओं के बारे में बताया। अनुभव की जा रही बाधाओं की जानकारी दी और इस विषय में अपने सुझाव दिए। मुख्य वक्ता प्रोफेसर पवन शर्मा ने कहा कि हरियाणा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन में अग्रणी राज्य रहा है। उन्होंने एनईपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार के परामर्श सम्मेलन अभियान की सराहना करते हुए कहा कि एनईपी-2020 देश की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी बदलाव ला रही है। इससे शिक्षार्थियों की नई पीढ़ी का पोषण हो सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने में एनईपी 2020 का अहम रोल है। विशिष्ठ अतिथि प्रो. डीपी भारद्वाज ने कहा कि एनईपी-2020 सीखने के परिदृश्य को बदलने, देश के जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करने, आबादी को सशक्त बनाने और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने की आशा का प्रतीक है। विधायक मुकेश शर्मा ने छात्रों और शिक्षकों के बीच भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताया। इस मौके पर स्वामी विवेकानंद जयंती भी मनाई गयी। जानकारी दी गई कि एनईपी के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सभी से सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से लॉन्च किया गया। इसके पश्चात अब राज्य स्तरीय कार्यकारी समितियां और जिला स्तरीय कार्यकारी समितियां नियमित रूप से एनईपी के कार्यान्वयन की प्रगति की देखरेख करेंगी।

राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा माहः महाबीर चौक पर वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर टेप

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देश में जिले की यातायात पुलिस धुंध के समय में यात्रियों का सडक़ दुर्घटना से बचाव करने का हर संभव प्रयास कर रही है और इसी के तहत उन्होंने महाबीर चौक नारनौल पर विभिन्न वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर आमजन को

सडक़ सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। इस दौरान सडक़ सुरक्षा संगठन के सदस्य भी मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर सडक़ सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए आमजन को शपथ भी दिलाई।पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ पुलिस आमजन का सडक़ दुर्घटनाओं से बचाव करने का हर संभव प्रयास कर रही है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी मोटरसाइकिल, गाड़ी, ट्रैक्टर-ट्राली, पिकअप, कैम्पर, ऑटो इत्यादि वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगा रहे हैं, ताकि धुंध के समय में आगे और पीछे चल रहे वाहन आसानी से दिखाई दे जाए और सडक़ दुर्घटना घटित न हो। इसके अलावा आमजन को सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेज, पार्क इत्यादि सार्वजनिक स्थलों पर जाकर आमजन को ट्रैफिक नियमों के बारे में अवगत करवाया जा रहा है। महेंद्रगढ़ पुलिस का उद्देश्य है कि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाकर अधिक से अधिक लोगों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके ।

परमात्मा से जुड़ाव ही सच्ची भक्ति का आधारः निरंकारी माता सुदीक्षा

एजेंसी

सोनीपत। भक्ति वह अवस्था है, जो जीवन को दिव्यता और आनंद से भर देती है। यह न इच्छाओं का सौदा है, न स्वार्थ का माध्यम। सच्ची भक्ति का अर्थ है परमात्मा से गहरा जुड़ाव और निःस्वार्थ प्रेम। यह विचार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने हरियाणा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा गन्नौर में आयोजित भक्ति पर्व समागम के अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। सतगुरु माता जी ने भक्ति की महिमा पर दिव्य संदेश में कहा कि ब्रह्मज्ञान भक्ति का आधार है।यह जीवन को उत्सव बना देता है। भक्ति का वास्तविक स्वरूप दिखावे से परे और स्वार्थ व लालच से मुक्त होना चाहिए। जैसे दूध में नींबू डालने से वह फट जाता है, वैसे ही भक्ति में लालच और स्वार्थ हो तो वह अपनी पवित्रता खो देती है।

सतगुरु माता जी ने उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान हनुमान जी, मीराबाई और बुद्ध भगवान का भक्ति स्वरूप भले ही अलग था, लेकिन उनका मर्म एक ही था-परमात्मा से अटूट जुड़ाव। भक्ति सेवा, सुमिरन, सत्संग और गान जैसे अनेक रूपों में

हो सकती है, लेकिन उसमें निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण का भाव होना चाहिए। गृहस्थ जीवन में भी भक्ति संभव है, यदि हर कार्य में परमात्मा का आभास हो। सतगुरु माता जी ने माता सविंदर जी और राजमाता जी के जीवन को भक्ति और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इन विभूतियों का जीवन भक्ति और सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है। निरंकारी मिशन का मूल सिद्धांत यही है कि भक्ति परमात्मा के तत्व को जानकर ही समझने और उसे अपनाने की प्रेरणा दी। इस शुभ अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में श्रद्धा और भक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। दिल्ली, एनसीआर सहित देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु भक्त इस दिव्य संत समागम में सम्मिलित हुए और सभी ने सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक आनंद की दिव्य अनुभूति प्राप्त की।

वनवासी कल्याण आश्रम ने मनाया लोहड़ी एवं मकर संक्रांति समारोह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा वनवासी कल्याण आश्रम गुरुग्राम ने आर्य समाज मंदिर, सेक्टर-7 में एक भव्य लोहड़ी एवं मकर संक्रांति परिवार मिलन समारोह आयोजित किया। इसमें काफी संख्या में महिलाओं, बच्चों और स्थानीय समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लिया। कार्यक्रम में देश भक्ति और धार्मिक गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और माहौल को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।

इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के संरक्षक प्रीतम मुंजाल, प्रसिद्ध समाजसेवी विनोद उप्पल, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, वनवासी कल्याण आश्रम गुरुग्राम के अध्यक्ष एवं महानगर संघचालक जगदीश ग्रोवर, गुरुग्राम विभाग संयोजक जगदीश कुकरेजा, समाज सेविका विधु कालरा, अर्जुन मडल के अध्यक्ष धर्मेंदर बजाज समेत अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक गीतों से हुई, जिसमें बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया। जगदीश कुकरेजा ने अपने संबोधन में समाज के विकास के लिए वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने समाज के प्रति दायित्व को समझने और एकजुट होकर समाज सेवा में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने विवेकानंद जयंती की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की और कहा कि युवाओं को विवेकानंद की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर ही हम एक सशक्त और संगठित समाज का निर्माण कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि विनोद उपाध्याय ने भारतीय पर्वों के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन पारिवारिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देते हैं और हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखते हैं। इस दौरान खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

महिलाओं के सामाजिक, औद्योगिक समावेशन के लिए चेन्नई शीर्ष तीन भारतीय शहरों में शामिलः अध्ययन

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई को महिलाओं के लिए सामाजिक और औद्योगिक समावेशन में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले भारत के शीर्ष तीन शहरों में से एक माना गया है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान मिला है, जिसमें राजधानी शहर कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित और लचीला और टिकाऊ शहर होने के कारण दूसरे स्थान पर है। अवतार समूह की 2024 में भारत में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारत सबसे अधिक लिंग-समावेशी क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसमें दक्षिण के 16 शहर शीर्ष 25 में शामिल हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में कामकाजी महिलाओं के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए बेंगलुरु ने चेन्नई को पीछे छोड़ दिया है। अवतार समूह की संस्थापक-अध्यक्ष सौंदर्या राजेश ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित, लचीला, टिकाऊ शहर होने के मामले में चेन्नई दूसरे स्थान पर रहा। तमिलनाडु ने सर्वेक्षण के परिणामों पर अपना दबदबा बनाया। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड और तिरुप्पुर भी सूची में शीर्ष पर रहे। राजेश ने अध्ययन पर कहा, शहर अवसरों की नींव हैं। वे महिलाओं के रहने, काम करने और आगे बढ़ने के तरीके को आकार देते हैं। महिलाओं की प्रगति और समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए हमारे शहरों के मूल सिद्धांतों और सांस्कृतिक ताने-बाने की स्पष्ट समझ महत्वपूर्ण है।

बीएसएनएल सौदे का प्रभाव कम होने के साथ टीसीएस का मुनाफा मार्जिन बढ़ेगा : सीएफओ

मुंबई। अगली कुछ तिमाहियों में सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ सौदे के प्रभाव में अपेक्षित कमी से प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को लाभ मार्जिन बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह उम्मीद जताई है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) समीर सेकसरिया ने यहां बताया कि देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी हाल ही में अधिग्रहीत भूमि पर दीर्घावधि में बेंगलुरु में 25,000 से अधिक सीट की क्षमता बनाने पर विचार कर रही है। सेकसरिया ने बीएसएनएल सौदे के मार्जिन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर एक सवाल का उत्तर देते हुए कहा, वही कार्यक्रम (बीएसएनएल) पोर्टफोलियो स्तर पर कम हो रहा है, समग्र स्तर पर, इससे लाभ होगा (मार्जिन पर)।हालांकि, उन्होंने परिचालन लाभ के मोर्चे पर सकारात्मक प्रभाव के बारे में कोई संख्या बताने से इनकार कर दिया। कंपनी का परिचालन लाभ मार्जिन दिसंबर तिमाही के लिए 24.5 प्रतिशत रहा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इसका लक्ष्य इसे और बढ़ाना है। सेकसरिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही तक बीएसएनएल के सौदे के प्रभाव में कमी आएगी। बीएसएनएल को देशव्यापी 4जी नेटवर्क शुरू करने में मदद के लिए किए गए 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे ने पिछली कुछ तिमाहियों में टाटा समूह की इस कंपनी की राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेकसरिया ने कहा कि कंपनी अपने सभी बाजारों में अन्य स्रोतों से बीएसएनएल के घटते राजस्व की पूर्ति करेगी।

इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ट्रंप 2.0, एआई से प्रभावित होगा वैश्विक व्यापार : विशेषज्ञ

मुंबई। भू-राजनीतिक दबाव, निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका में नए सिरे से व्यापार युद्ध की संभावना, स्थिरता-आधारित अड़चनों में वृद्धि, प्रमुख क्षेत्रों में चीन की अत्यधिक क्षमता और कृत्रिम मेधा (एआई) में तेजी से प्रगति जैसे कारक 2025 में वैश्विक व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यातकों और आयातकों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी एआई रणनीति को प्राथमिकता देने की जरूरत है, क्योंकि यह कारोबार लॉजिस्टिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बदलने और व्यापार के पारंपरिक तरीकों को नया आकार देने की क्षमता रखता है। व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा, एआई तेजी से भविष्य के व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभर रहा है। एआई-आधारित डिजिटल बदलाव न केवल सेवा व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि यह वाहनों से लेकर रोबोटिक्स और उससे भी आगे व्यापार योग्य एआई-आधारित वस्तुओं की पूरी नई श्रेणियां भी बना सकता है।

हितधारक ऑडिट से जुड़े सही सवाल पूछ सकें, सात दस्तावेज जारी करेगा एनएफआरए

नई दिल्ली। लेखा परीक्षक (ऑडिटर) और कंपनियों की ऑडिट समितियों के बीच बातचीत की गुणवत्ता और स्तर को सुधारने के लिए राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) छह से सात दस्तावेज (पेपर) जारी करने की योजना बना रहा है। इसमें सांविधिक ऑडिट से जुड़े विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए सवालों के सेट होंगे। एनएफआरए के चेयरपर्सन अजय भूषण प्रसाद पांडेय ने बातचीत में कहा कि ये दस्तावेज हितधारकों को ऑडिट से संबंधित सही सवाल पूछने में मदद करेंगे। अक्टूबर, 2018 में गठित एनएफआरए ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार करने के प्रयास कर रहा है और लेखा परीक्षा में चूक के लिए विभिन्न इकाइयों के खिलाफ 80 से अधिक आदेश पारित कर चुका है। एनएफआरए के प्रमुख ने कहा, ''ये दस्तावेज कंपनियों की ऑडिट समितियों, स्वतंत्र निदेशकों और निदेशक मंडल के लिए ऑडिटिंग की बारीकियों और महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेंगे।'

भारत ने नेपाल से दुग्ध निर्यात में दिक्कतों का मुद्दा उठाया

एजेंसी

चेन्नई। सरकार ने नेपाल के समक्ष भारत से वहां दूध और दुग्ध उत्पादकों के निर्यात में रूकावटों का मुद्दा उठाया है। भारत में नेपाल के अनुरोध पर उसे गेहूं की आपूर्ति के बारे में निर्णय की भी आधिकारिक रूप से जानकारी दे दी है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नेपाल में दुग्ध उत्पादन के निर्यात में आ रही दिक्कत का मुद्दा भारत और नेपाल की एक संयुक्त अधिकारी समिति की काठमांडू में हुई बैठक में उठाया गया। मंत्रालय के अनुसार नेपाल ने इस बात पर सहमति जताई है कि वह भारत से ऐसे दुग्ध उत्पादन के आयात पर सकारात्मक रूप से विचार करेगा जिनका नेपाल में पर्याप्त रूप से उत्पादन नहीं हो रहा है। ऐसे उत्पादों में मट्ठा और चीज जैसे दुग्ध उत्पादन शामिल हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार भारत नेपाल अंतर सरकारी समिति की बैठक 10 और 11 जनवरी को काठमांडू में संपन्न हुई। इस बैठक में व्यापार और व्यापार मार्ग के क्षेत्र में सहयोग और दोनों देशों के बीच अनधिकृत व्यापार के खिलाफ कार्यवाही जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने और नेपाल के आधिकारिक दल का नेतृत्व वहां के उद्योग,वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय के सचिव गोविंद बहादुर करकी ने किया। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में भारत की ओर से बताया गया कि सरकार ने नेपाल को दो लाख टन गेहूं भेजने के उसके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। नेपाल के पक्ष ने अपने देश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने में भारत के सहयोग की प्रशंसा की ।

बैठक में भारत की ओर से यह भी बताया गया कि नेपाल के अनुरोध पर भारत के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के नियमों के अनुसार नेपाल में काकरभिट्टा और बांग्लादेश में बांग्लाबंधा के बीच भारत में फुलबाडी के रास्ते में व्यापारिक वस्तुओं की आवाजाही के लिए नेपाल के दो एक्सेल वाले 18.5 टन भार क्षमता के और तीन एक्सेल वाले 28 टन वहां क्षमता के ट्रैकों के आवागमन को अनुमति होगी। भारत में यह भी बताया कि साल के बीजों और चायोट (चाउ-चाउ फल) को भारत के पादप क्वॉरेंटाइन आदेश में शामिल कर लिया गया है। नेपाल के अनुरोध पर भारत ने जटमासी, सुगंधकोकिला तथा तिमूर बेरी के सत को संस्कृत पादप उत्पादक की श्रेणी में रखने का निर्णय किया है। नेपाल भारत से निर्यात किए जाने वाले पॉलीहाइड-28 जैसे कुछ उत्पादों को तकनीक की दृष्टि से पुनर वर्गीकृत किया जाने के भारत के अनुरोध पर विचार करने को तैयार हो गया है। बैठक में दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच व्यापार में आसानी के लिए नया समन्वित चेक पोस्ट बनाए जाने और रेलवे संपर्क के क्षेत्र में द्विपक्षीय पहलों का स्वागत किया गया।

इससे पहले दोनों देशों के इस आधिकारिक स्तर की समिति की एक उप समिति की बैठक पिछले साल जनवरी में काठमांडू में हुई थी। बीते सप्ताह हुई आधिकारिक बैठक के दौरान 11 जनवरी को अलग से भारत नेपाल संयुक्त व्यापार फोरम की बैठक का भी आयोजन किया गया।

ओडिशा में एसीएसआईएल ने गन्ने का मूल्य 420 रुपये बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति टन किया

एजेंसी

ब्रह्मपुर। ओडिशा में 'अस्का कोऑपरेटिव शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसीएसआईएल)' की प्रबंध समिति ने इस साल गन्ने का मूल्य 420 रुपये बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति टन कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीएसआईएल के प्रबंध निदेशक सुशांत कुमार पांडा ने बताया कि इस बार मिल 10 किलोमीटर से अधिक दूरी के मामले में गन्ने के परिवहन का खर्च भी वहन करेगी। उन्होंने बताया, 'मिल की वित्तीय स्थिति और गन्ना खेती में लागत कारक सहित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, प्रबंध समिति ने प्रशासन के परामर्श से गन्ने की कीमत 3,500 रुपये प्रति टन तय की है।' इससे पहले गंजम जिला गन्ना उत्पादक संघ ने मांग की थी कि गन्ने की कीमत 4,500 रुपये

प्रति टन तय की जाए। संघ ने कहा था कि अगर मिल अधिकारी उनकी मांग पर विचार नहीं करते हैं तो वे गन्ना आपूर्ति नहीं करेंगे।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन तेजी का रुख है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये से लेकर 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये से लेकर 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख

शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

खाद्य तेल और दालों में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा सप्ताहांत पर 25 रिंगिट गिरकर 4700 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.86 सेंट की तेजी के साथ 40.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। मूंगफली तेल 587 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि पाम ऑयल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16813 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18901 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15897 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14798 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553

रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15970 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन :बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और अरहर दाल 300 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि मसूर दाल 300 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती रही। वहीं, उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही।

सप्ताहांत पर चना 6550-6650, दाल चना 7550-7650, मसूर काली 7150-7250, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 9200-9300 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2900-3000 रुपये और चावल 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ः बीते सप्ताह मीठे के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गुड़ और चीनी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

साप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4280-4380, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4500-4600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बेंगलुरु में 20 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया; 2,800 करोड़ रुपये का बिक्री लक्ष्य

एजेंसी

इंदौर। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपनी विस्तार योजना के तहत 2,800 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के विकास के लिए बेंगलुरु में लगभग 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है।

लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स संयुक्त विकास के लिए भूमि मालिकों के साथ साझेदारी करने के साथ-साथ सीधी खरीद के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कुल में से लगभग 20 एकड़ भूमि बेंगलुरु में अधिग्रहीत की गई है। कंपनी ने भूमि का कुछ हिस्सा सीधे खरीद लिया है, जबकि शेष हिस्से के लिए भू-स्वामियों के साथ संयुक्त विकास समझौता किया है। दिसंबर तिमाही के लिए अपने नवीनतम परिचालन अपडेट में मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बताया कि कंपनी ने बेंगलुरु में 2,800 करोड़ रुपये के जीडीवी (सकल विकास मूल्य) के साथ एक नई परियोजना जोड़ी है। इस अधिग्रहण के साथ, कंपनी के पास अब बेंगलुरु में पांच स्थान हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने कहा कि इनसे अगले वित्त वर्ष से बेंगलुरु में महत्वपूर्ण बिक्री-पूर्व वृद्धि के अवसर मिलने की उम्मीद है।कंपनी ने कुछ वर्ष पहले बेंगलुरू आवास बाजार में प्रवेश किया था। कंपनी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है, जहां इसके पास पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर, मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और यह रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपये रही है।

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.85 लाख करोड़ की गिरावट, शेष 5 का मार्केट कैप 1.02 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 5 के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई, वहीं 5 के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। फायदे में रहने वाली 5 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1,02,645.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। वहीं नुकसान में रहने वाली 5 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1,85,952.31 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इसमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे अधिक फायदे में रही। इस सप्ताह के कारोबार में आईटी सेक्टर में आई तेज के कारण एचसीएल टेक्नोलॉजी मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों की सूची में जगह बनाने में सफल रही, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस सूची से बाहर हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और आईटीसी के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की ये स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,844.20 अंक यानी 2.32 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 573.25 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की कमजोरी का शिकार हो गया।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 70,479.23 करोड़ रुपये घट कर 12,67,440.61 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईटीसी का मार्केट कैप 46,481 करोड़ रुपये कम होकर 5,56,583.44 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 44,635.46 करोड़ रुपये घट कर 6,63,233.14 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 12,179.13 करोड़ रुपये घट कर 16,81,194.35 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,877.49 करोड़ रुपये कम होकर 8,81,501.01 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया।दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 60,168.79 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,43,313.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह एचसीएल टेक्नोलॉजी का मार्केट कैप 13,120.58 करोड़ रुपये उछल कर 5,41,539.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 11,792.44 करोड़ रुपये बढ़ कर 8,16,626.78 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 8,999.41 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,19,933.99 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 8,564.26 करोड़ रुपये उछल कर 5,73,758.44 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,81,194.35 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

जनवरी में बिकवाल की भूमिका में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, बाजार से अभी तक 22,194 करोड़ निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जनवरी के महीने में अभी तक लगातार नेट सेलर (शुद्ध बिकवाल) की भूमिका निभा रहे हैं। इस साल 1 जनवरी से लेकर 10 जनवरी के कारोबार में विदेशी निवेशक भारतीय स्टॉक मार्केट से 22,194 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसमें सिर्फ पिछले सप्ताह ही यानी 6 से 10 जनवरी के बीच विदेशी निवेशकों ने 16,854.25 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रोविजनल डेटा के मुताबिक जनवरी के महीने में सिर्फ 2 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की थी। इसके अलावा जनवरी के हर कारोबारी दिन के दौरान विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली का ही दबाव बनाया है।

जानकारों का मानना है कि तीसरी तिमाही के दौरान कंपनियों के नतीजे में कमजोरी आने की आशंका, डॉलर इंडेक्स की मजबूती, डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद टैरिफ वॉर में तेजी आने का डर और निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जनवरी में लगातार बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं। इसके पहले अक्टूबर और नवंबर में भी विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ बिकवाली की थी। हालांकि दिसंबर 2024 के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की थी। इसी वजह से दिसंबर 2024 के दौरान विदेशी निवेशक 15,446 करोड़ रुपये के शुद्ध लिवाल (नेट बायर) बने थे।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय बाजार से विदेशी कोष की निकासी के लिए कई फैक्टर्स को जिम्मेदार माना जा सकता है। इनमें मुख्य रूप से ट्रंप प्रशासन के दौरान टैरिफ वॉर में तेजी आने की आशंका, भारत में ब्याज दरों में कटौती की बात को लेकर बनी अनिश्चितता, घरेलू मोर्चे पर कंपनियां के तीसरी तिमाही के नतीजे में गिरावट आने की आशंका और जीडीपी ग्रोथ रेट में सुस्ती आने के अनुमान की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से अपना पैसा निकालना बेहतर समझ रहे हैं। खुराना का मानना है कि इन फैक्टर्स के अलावा डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा रुपये का रिकार्ड निचला स्तर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी और भारतीय शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन की वजह से भी विदेशी निवेशक लिवाली की तुलना में बिकवाली पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। दूसरी ओर, कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से हो लगातार हो रही बिकवाली की सबसे बड़ी वजह डॉलर इंडेक्स की जोरदार मजबूती है।

भारत में कई आईफोन, एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को सॉफ्टवेयर अपग्रेड से परेशानी हुई : सर्वेक्षण

एजेंसी

हैदराबाद। देश में आईफोन और एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं के एक बड़े हिस्से ने कहा है कि नवीनतम सॉफ्टवेयर अपग्रेड के बाद उन्हें कॉल कनेक्शन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ऑनलाइन मंच लोकलसर्किल्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह कहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, देश में 60 प्रतिशत आईफोन उपयोगकर्ताओं और 40 प्रतिशत एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं ने कहा है कि नवीनतम सॉफ्टवेयर अपग्रेड के बाद उन्हें अपनी सेवाओं में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कॉल विफलता सबसे बड़ी समस्या है जिसका सामना आईफोन उपयोगकर्ता कर रहे हैं, चाहे वह सामान्य कॉल हो या ऐप-आधारित कॉल। जबकि, ऐप्स का फ्रीज होना एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे बड़ी समस्या है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल 10 में से छह एप्पल आईफोन उपयोगकर्ता जिन्होंने आईओएस 18 या उच्चतर में अपग्रेड किया है, उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से 28 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि अधिकांश/कुछ वॉयस और ओटीटी कॉल कनेक्ट नहीं होते हैं या ड्रॉप हो जाते हैं। वहीं, 12 प्रतिशत ने कहा कि फोन की स्क्रीन डार्क हो जाती है; 12 प्रतिशत ने कहा कि ऐप्स हैंग हो जाते हैं। पिछले साल 12 नवंबर से 26 दिसंबर के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में भारत के 322 जिलों से 47,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं (एप्पल आईफोन उपकरणों के उपयोगकर्ताओं से 31,000 और एंड्रॉइड उपकरणों के उपयोगकर्ताओं से लगभग 16,000) प्राप्त होने का दावा किया गया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि आईओएस 18 में अपग्रेड करने के बाद परेशानियों का सामना करने वाले लगभग 10 में से नौ ऐप्पल आईफोन उपयोगकर्ता इसका कारण आईओएस को मानते हैं। किसी ने भी अपनी समस्याओं के लिए अपने वाईफाई या मोबाइल नेटवर्क के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया। ऐप्पल अपने नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 18 के अपडेट जारी कर रहा है। अक्टूबर में कंपनी ने आईफोन-16 के चुनिंदा मॉडल में स्क्रीन और कैमरा फ्रीजिंग की समस्या को ठीक करने के लिए आईओएस 18.0.1 अपडेट जारी किया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के संबंध में एप्पल और गूगल को भेजे गए ईमेल का कोई उत्तर नहीं मिला।

अपीलीय न्यायाधिकरण की इंडियाबुल्स रियल एस्टेट और एंबैसी ग्रुप के विलय को मंजूरी

नई दिल्ली। इंडियाबुल्स रियल एस्टेट (आईबीआरईएल) और एम्बैसी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने प्रक्रिया पर रोक लगाने वाले एनसीएलटी के आदेश को खारिज करते हुए दोनों रियल एस्टेट कंपनियों के विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की दो सदस्यों वाली पीठ ने कहा, ÷हम एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ के विवादित आदेश को खारिज करते हैं और अपीलकर्ताओं (इंडियाबुल्स रियल एस्टेट, एम्बैसी वन और एनएएम एस्टेट्स) के बीच विलय की योजना को मंजूरी देने की अपील को स्वीकार करते हैं। विलय पिछले 18 महीनों से रुका हुआ था, क्योंकि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), शेयर बाजारों, कंपनी पंजीयक से सभी नियामकीय मंजूरियां और संबंधित शेयरधारकों और लेनदारों से अनुमोदन के बावजूद मई, 2023 में इसकी अनुमति रोक दी थी। एनसीएलएटी ने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को मानक निर्धारित मूल्यांकन विधियों में से किसी एक का उपयोग करके विशेषज्ञों द्वारा किए गए मूल्यांकन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा, तथ्यों और परिस्थितियों तथा प्रासंगिक न्यायिक उदाहरणों पर गौर करने के बाद हम मानते हैं ।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बैंक प्रमुखों की बुलाई बैठक, वित्तीय समावेशन योजनाओं की होगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित मंत्रालय ने जन सुरक्षा और मुद्रा योजना सहित विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं (वेलफेयर स्कीमों) की प्रगति की समीक्षा के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों की बैठक बुलाई है। इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता वित?तीय सेवा सचिव एम. नागराजू करेंगे, जिसमें निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में पीएम स्वनिधि योजनाओं सहित विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा और समीक्षा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने समय-समय पर प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत विभिन्न अभियान चलाए हैं।

पीएमजेजेबीवाई 18-50 वर्ष की आयुवर्ग के उन लोगों को किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख

रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान करती है, जिनके पास बैंक या डाकघर में खाता है। इसमें शामिल होने या प्रीमियम के स्वत- डेबिट को सक्षम करने के लिए अपनी सहमति देते हैं। वहीं, पीएमएसबीवाई 18-70 वर्ष की आयुवर्ग के उन लोगों को दुर्घटनावश मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता के लिए 2 लाख रुपये तथा आंशिक स्थायी विकलांगता के लिए एक लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान करती है, जिनके पास बैंक या डाकघर में खाता है। इसमें शामिल होने या प्रीमियम के स्वत- डेबिट को सक्षम करने के लिए अपनी सहमति देते हैं। इसी तरह आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए पांच अप्रैल, 2016 को शुरू की गई स्टैंडअप इंडिया योजना 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य सभी बैंक शाखाओं को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उधारकर्ताओं को अपने स्वयं के नए उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। दअरसल पिछले साल सरकार ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना को दिसंबर, 2024 तक जारी रखने की मंजूरी दी थी। पीएम स्वनिधि योजना को सरकार ने जून, 2020 में सूक्ष्म-कर्ज सुविधा के रूप में पेश किया था। इसका उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी पर अस्थायी दुकान या ठेली लगाने वालों) को कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप हुए नुकसान की भरपाई के लिए सशक्त बनाना था। पीएम स्वनिधि के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती, बिना किसी जमानत के लोन दिया जाता है।

पानी में चाय की पत्ती मिलाकर धो लें बाल, इस बड़ी समस्या से मिलेगा छुटकारा ! हेयर दिखेंगे सिल्की और शाइनी

चाय की पत्ती को पानी में मिलाकर बाल धोना फायदेमंद माना जाता है. एक्सपर्ट्स की मानें तो यह हेयरफॉल को रोकने का देसी नुस्खा हो सकता है. चाय की पत्ती में कई नेचुरल तत्व होते हैं, जो बालों को झड़ने से बचा सकते हैं.

आजकस यंग एज में बाल झड़ना शुरू हो जाते हैं और 30 की उम्र तक लोगों पर गंजापन आ जाता है. यह समस्या लोगों के लिए तनाव का कारण बन जाती है और वे इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए तमाम डॉक्टर्स और वैद्य के पास भटकते रहते हैं. बाजार में हेयरफॉल और गंजेपन को रोकने का दावा करने वाले तमाम प्रोडक्ट उपलब्ध हैं, लेकिन ये चीजें भी समस्या से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित नहीं होती हैं. इन प्रोडक्ट में केमिकल्स होते हैं, जो कई बार परेशानी बढ़ा देते हैं. चाय की पत्ती का पानी आपको हेयरफॉल से छुटकारा दिला सकता है.

ञ्हृद्ध की रिपोर्ट के मुताबिक चाय की पत्ती का पानी (Tea Water) से बालों को धोने से हेयरफॉल समेत कई समस्याओं से राहत मिल सकती है. चाय की पत्ती के पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व होते हैं, जो बालों की मजबूती बढ़ाते हैं और स्कैल्प की सेहत को सुधारने का काम करते हैं. चाय में नेचुरल कंपाउंड होते हैं, जो बालों को कई तरीकों से लाभ पहुंचाते हैं. चाय की पत्ती में पाया जाने वाला कैटेचिन एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो डिहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन (DHT) हार्मोन को कम करने में मदद करते हैं. ष्ठ्ग्ग बालों के झड़ने से जुड़ा हुआ मुख्य हार्मोन है और इसे कंट्रोल करने से हेयरफॉल कम हो सकता है.चाय में पाया जाने वाला कैफीन बालों के रोम को उत्तेजित करता है, जिससे बालों की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है और बालों की जड़ें मजबूत होती हैं. चाय के पॉलीफेनॉल्स स्कैल्प में ब्लड फ्लो को बेहतर बनाते हैं, जिससे बालों की जड़ों तक जरूरी पोषक तत्व पहुंच पाते हैं और बालों का विकास तेजी से होता है. चाय के पानी से बालों को धोने का तरीका बहुत सरल है. सबसे पहले आपको चाय की पत्ती को पानी में उबालना होगा.

फिर इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें. जब यह पानी थोड़ा ठंडा हो जाए, तो इसे हल्के से बालों और स्कैल्प पर मसाज करते हुए लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें. इसके बाद पानी से धो लें.चाय के पानी का नियमित उपयोग बालों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है. यदि आप इसे सप्ताह में 2-3 बार इस्तेमाल करते हैं, तो इसके परिणाम समय के साथ और भी बेहतर हो सकते हैं. यह बालों के झड़ने को रोकने के अलावा बालों को मुलायम और चमकदार भी बनाता है. चाय के पानी से स्कैल्प की सेहत भी बेहतर होती है, जिससे बालों का विकास बढ़ता है. अगर आप अपने बालों की देखभाल के लिए एक नेचुरल रेमेडी ढूंढ रहे हैं, तो चाय का पानी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. इसको सही तरीके से उपयोग करने से आप बालों के झड़ने को रोक सकते हैं.

दिल्ली यात्रा के कुछ अनुभव

यहां की भीड़ भरी सड़कों के किनारे, व्यस्त मोड़ों पर, फुटपाथ पर, दफ्तरों के इर्द-गिर्द आने-जाने वालों की कई जरूरतें होती हैं। अगर किसी को चाय पीना हो, किसी को भूख लगी हो, किसी को नाश्ता करना हो तो उन्हें वे सुविधाएं मिल जाएं, तो आसानी होती है। इसके लिए रेहड़ी पटरी वाले, फल-सब्जी बेचने वाले, खाने-पीने की वस्तुएं बेचने वाले और तरोताजा करने वाली चीजें बेचने वाले मिल जाएंगे।पिछले हफ्ते मेरा दिल्ली जाना हुआ, तो मेरी दो दशक पुरानी यादें ताजा हो गईं। करीब दो दशक पहले मुझे दिल्ली में दो सालों तक रहने का मौका मिला था। उस समय के मेरे अनुभव और महानगर की समस्याओं पर इस कॉलम में चर्चा करना उचित होगा, जिससे हम शहरी जीवन की असलियत समझ सकें।

इस सदी के पहले दशक में मैंने लोकनीति-सीएसडीएस में काम किया था। इस दौरान मुझे पडपड़गंज से रोज राजपुर रोड पर स्थित सीएसडीएस के कार्यालय तक जाना होता था। मुझे पहले पड़पड़गंज से बस और उसके बाद मेट्रो से सफर करना पड़ता था। उस समय मेट्रो की शुरूआत हो रही थी। बसों में काफी भीड़ होती थी, पर किराया कम लगता था। मेट्रो का सफर सुविधाजनक था, पर थोड़ा महंगा।दिल्ली को मुस्कानों की नगरी और देश का दिल भी कहा जाता है। यहां की कई विशेषताएं हैं। दर्शनीय स्थल हैं, बापू की समाधि संसद है, शासकीय कार्यालय, मंत्रालय, नेताओं-मंत्रियों के आवास, और भी कई ऐतिहासिक जगहें, जहां आने-जाने वालों का तांता लगा रहता है।महानगर के नाम से जो एक खास तरह की सुनहरी तस्वीर हमारे मानसपटल पर उभरती है, वह है ऊंची-ऊंची इमारतें, उनके बीच ताना-बाना बुनती संकरी चौड़ी गलियां, सड़कें, फुटपाथ, उन पर सरकता सजा-धजा मानव समूह, कारें, मेट्रो रेल, सिनेमाघर, दुकानें इत्यादि। इन सबसे अलहदा, हाशिये पर रहने वाले, फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में होते हैं। यह शहरों में गुमनाम व अदृश्य हैं, पर इनकी शहरों को जरूरत भी है।

इन लोगों को प्राय- रेल की पटरियों के आसपास, कचरा बीनते, टूटे-फूटे टेंटों में, फुटपाथ पर, बगीचों में देखा जा सकता है। इसके साथ ये पुलों के नीचे और जहां भी जगह मिले, वहां रह जाते हैं।यहां की भीड़ भरी सड़कों के किनारे, व्यस्त मोड़ों पर, फुटपाथ पर, दफ्तरों के इर्द-गिर्द आने-जाने वालों की कई जरूरतें होती हैं। अगर किसी को चाय पीना हो, किसी को भूख लगी हो, किसी को नाश्ता करना हो तो उन्हें वे सुविधाएं मिल जाएं, तो आसानी होती है।

इसके लिए रेहड़ी पटरी वाले, फल-सब्जी बेचने वाले, खाने-पीने की वस्तुएं बेचने वाले और तरोताजा करने वाली चीजें बेचने वाले मिल जाएंगे। इनमें से ज्यादातर गांवों से पलायन कर रोजगार की तलाश में

दिल्ली में पहुंचे हैं और ऐसे छोटे-मोटे धंधों में लगे हैं।

यह ढाबेवाले, खोमचेवाले नालियों के किनारे, गली-कूचों में, पुलों के नीचे और जहां भी जगह मिल जाए, ये टिक जाते हैं। इनमें चाऊमीन, बर्गर, छोले-भटूरे, राम लड्डू, समोसा, कचौरी, पानीपूरी (गोलगप्पे), बिहार का लिट्टी- चोखा, दक्षिण भारत का इडली-डोसा, छोले कुलचे, रोटी-सब्जी आदि शामिल हैं। इन सबके कारण कामकाजी लोगों को बहुत सुविधा होती है।इस बार जब मैं इंडिया गेट गया था, वहां अब खाने-पीने की वस्तुएं बेचने वाले नहीं थे, जो पहले हुआ करते थे। इसी प्रकार, साइकिल रिक्शों की जगह ई-रिक्शा दिखे। इनकी संख्या इतनी ज्यादा है कि कई बार उन्हें सवारियों के लिए आपस में खींचातानी करनी पड़ती है। आटो चालक भी बड़ी संख्या में हैं। 20 साल पहले साइकिल रिक्शा होते थे, जो बहुत सस्ते होते थे। हालांकि साइकिल रिक्शों के बारे यह बहस है ही कि वे कितने मानवीय हैं।यहां गांवों से लोगों का रोजगार की तलाश में आना लगातार जारी है। कुछ समय पहले मुझे दिल्ली के एक रैन बसेरा को देखने और वहां रहने वाले लोगों से बात करने का मौका मिला था। यही वह स्थान होता है, जहां गांवों से आने वाले लोग टिकते हैं।मेरे एक सामाजिक कार्यकर्ता मित्र इनके छोटे बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं। वे बस्तियों में, नुक्कड़ पर, रैन बसेरों में कहीं भी बच्चे मिले, पढ़ाने का काम करते हैं। क्योंकि मां-बाप की रोजी-रोटी की जद्दोजहद में बच्चों की पढ़ाई छूट जाती है। हालांकि इससे औपचारिक रूप से पढ़ाई की पूर्ति नहीं होती, लेकिन बच्चों को कठिनाईयों के बीच अक्षरों से, किताबों को पढ़ते देखना सुखद था। यह काम वे 90 के दशक से कर रहे हैं।यहां आलीशान बंगलों, दफ्तरों, आवासीय मकानों, होटलों की रखवाली और गेटमैन का काम भी होता है। कंपनियों के कर्मचारी, दुकानों के सेल्समैन का काम भी होता है। घरों में कामकाजी महिलाएं हैं। मजदूर चौकों में मजदूरों की भीड़ देखकर उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इन चौकों पर न तो शौचालय, न छाया की व्यवस्था और ना ही बैठने की कोई व्यवस्था होती है। यहां खाने-पीने की वस्तुएं भी नहीं मिलतीं। कई बार लोगों को काम भी नहीं मिलता है। इंतजार करते-करते निराश होकर बिना किसी काम के गुजारा करना भी मुश्किल होता है।किसी भी शहर में या महानगर को कुछ ऐसी चीजें हैं, जिस कारण वह सुव्यवस्थित बनता है। उसमें आवास, स्वच्छता, पार्क, यातायात इत्यादि शामिल हैं।यहां यातायात एक बड़ी समस्या है, वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लगना। चौराहों-तिराहों पर यह दृश्य आम है। यह समस्या नगर के आकार से जुड़ी हुई है। क्योंकि अगर उत्पादन के कारखाने, सरकारी व निजी कामकाज नगरों में ही केन्द्रित होंगे तो स्वाभाविक है, लोग काम की तलाश में शहरों में ही आएंगे। लेकिन इसका दूसरा पहलू निजी कार व वाहन भी है। इसी से जुड़ी है, शहर के प्रदूषण की समस्या, जो दिल्ली की बड़ी समस्या है। मेट्रो में कई बार इतनी भीड़ होती है कि उतरना-चढ़ना भी मुश्किल होता है। मुझे खुद इस यात्रा के दौरान हौज खास स्टेशन पर उतरना था तो अगली स्टेशन पर उतरना पड़ा। क्योंकि भीड़ के चलते गेट तक ही नहीं पहुंच पाया।एक और समस्या है, मेट्रो में आटोमेटिक गेट खुलने और बंद होने की, जिसमें कई बार उनके परिजन बिछड़ जाते हैं। हमारी यात्रा के दौरान एक परिवार से उनका 8-10 साल का लड़का बिछड़ गया था। मां-बाप थोड़ी देर के लिए बहुत परेशान हो गए। हालांकि मेट्रो में किसी सज्जन व्यक्ति ने उनके बच्चे को अगली स्टेशन पर उतार लिया और बाद में जब वे अगली मेट्रो से वहां पहुंचे तो बच्चा उन्हें मिल गया।

जब कभी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता है, तब किसानों को पराली जलाने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। यह हो सकता है, लेकिन इसका दूसरा कारण निजी वाहनों का बढ़ना भी है। धूल के गुबार से आसमान भी प्राय- साफ नहीं दिखता, धुंधला कुहासा छाया रहता है।वाहनों से जुड़ी है पार्किंग की समस्या है। मैंने दिल्ली में रहने के दौरान देखा था कि एक घर में एक से अधिक कारें हैं। जगह के अभाव में सड़कों के किनारे कारें खड़ी देखी जाती हैं। एक आदमी एक कार में सफर करता है। सड़क दुर्घटनाएं भी होती हैं। इसमें कई बार लोगों की मौतें हो जाती हैं।कूड़ा- कचरा निकलना भी एक समस्या है। इसमें कर्मचारियों व नालियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाती, इसलिए कई बार ऐसे इलाकों से निकलना भी मुश्किल होता है। इसका एक दूसरा पहलू हमारी जीवनशैली है, जो कचरा संस्कृति को बढ़ावा देने वाली बन गई है। यानी इस्तेमाल करो और फेंको। जबकि हमारी परंपराओं में चीजों को ठीक से इस्तेमाल करने और मरम्मत कर बापरने की थी। इसका निजी स्तर पर, निकायों के स्तर पर, सरकार की नीतियों के स्तर पर समाधान खोजा जा सकता है।महानगरों में एक आकर्षण शिक्षा होती है, जो आजकल महंगी होती जा रही है। देश के कई कोनों से आए विद्यार्थियों को यहां किराये के आवास, यातायात व खाने-पीने में खर्च करना पड़ता है। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या बड़ी है। पुस्तकालयों और छात्रावास और शैक्षणिक सुविधाएं होनी चाहिए, इसमें शायद ही दो राय हो।यहां के पेड़-पौधे हैं, और जब पेड़ होते हैं तो पक्षी भी बहुत होते हैं। मैंने एक किताब दिल्ली के पेड़ पौधों पर भी पहले देखी थीं। यहां चौराहों व पार्कों में पक्षियों को दाने डालते भी देखा, तो अच्छा लगा। इसी प्रकार, सुबह-सवेरे कुत्तों को घुमाते भी देखना अच्छा लगा। चूंकि ठंड के दिन हैं, इसलिए कुत्तों भी गरम कपड़े देखना, अच्छा था।कुल मिलाकर, हम गांवों की स्थिति, खेती-किसानी और ग्रामीण समस्याओं की चर्चा करते रहते हैं, और यह बहुत जरूरी भी है। लेकिन अब भारत के महानगर व शहर भी हकीकत है। इन शहरों के नियोजन के बारे में ध्यान देना जरूरी है। मनुष्य, मजबूरी में और विकल्पहीनता की स्थिति में गांवों शहरों की ओर भाग रहा है। यह जनधारा लगातार बह रही है। इसलिए महानगरों का नियोजन ठीक ढंग से करना जरूरी है। शहर को व्यवस्थित बनाने के लिए यह आवश्यक है।दूसरी बात, शहरी गरीबों की जरूरत भी शहर को है। इसलिए इनकी बुनियादी सुविधाओं का ख्याल भी रखा जाना चाहिए। जरूरत है उन्हें मानवीय परिवेश देने की, आदमी को आदमी समझने की और मनुष्य को बराबरी का दर्जा देने की। अन्यथा महानगरों की समस्याएं खत्म होने की बजाए और बढ़ेंगी। लेकिन क्या हम दिशा में बढ़ने को तैयार हैं?

संपादकीय

महिला स्कीमों पर भरोसा

हालिया अध्ययन ने बताया है कि जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाएं लागू हुई हैं, वहां महिलाओं के वोट प्रतिशत में काफी वृद्धि हुई है। यही वजह है कि अब हर चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने की कवायद हर राजनीतिक दल करने लगता है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में इन लोकलुभावन योजनाओं ने सरकारों की सत्ता में फिर वापसी सुनिश्चित की है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास होता है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि महिला केंद्रित योजना लागू करने वाले राज्यों की संख्या 19 हो गई है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, असम व कर्नाटक जैसे राज्य अग्रणी हैं। इन राज्यों में औसतन 7.8 लाख (कुल 1.5 करोड़) महिला वोटरों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, वहां महिला वोटरों की औसत संख्या में कम इजाफा हुआ है। निर्विवाद रूप से विभिन्न चुनावों में लगातार महिला वोटरों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार में उनकी निर्णायक भूमिका साफ नजर आ रही है। शोध अध्ययन बताता है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले वर्ष 2024 में 1.8 करोड़ अधिक महिला वोटरों ने मतदान किया। ये आंकड़ा पिछले दिनों देश के चुनाव आयोग ने जारी किया। दूसरी ओर एसबीआई के शोध ने उन कारणों का विश्लेषण किया जो महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने में सहायक बने। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और मुद्रा खाता खोलने का असर साफ दिखा। साथ ही यह भी निष्कर्ष दिया कि उन राज्यों में महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रकिया में भागीदारी बढ़ी है जहां महिला केंद्रित योजनाएं अस्तित्व में आई हैं।

वहीं अध्ययन खुलासा करता है

कि महिला साक्षरता में वृद्धि का सीधा संबंध महिला वोटरों की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला वोटरों की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता में वृद्धि से तीस लाख अतिरिक्त महिलाओं ने वोट डाले। इसी तरह जहां पीएम आवास योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी हुई, वहां भी महिला वोटरों की संख्या बढ़ी है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में वोटिंग में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। अत- सरकार बनाने में महिला वोटरों की भूमिका लगातार बढ़ी है। महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के मूल में जिन चार मुख्य योजनाओं की भूमिका है, उनमें मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना व स्वच्छता योजना शामिल हैं। दूसरी ओर बिजली, पानी आदि सुविधाओं में वृद्धि ने भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न राजनीतिक दलों व सरकारों द्वारा महिला मतदाताओं को नकद धनराशि देने की योजनाओं को भी सकारात्मक प्रतिसाद मिला। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला वोटरों की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि योजनाएं स्थायी प्रभाव वाली व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली हों।

2024-25 के लिए जीडीपी में गिरावट पर कुछ नीतिगत पुनर्विचार की आवश्यकता

महत्वपूर्ण बात वृद्धि नहीं है। बल्कि वृद्धि की गुणवत्ता और उसका विस्तार है और यह भी कि बिना किसी तनाव के इसे कितनी दूर तक बनाये रखा जा सकता है। अर्थव्यवस्था के अत्यधिक गर्म होने से क्षेत्रों में क्षमता पर असर पड़ सकता है, जिससे विकृतियां और मुद्रास्फीति हो सकती है। इससे दीर्घकालिक संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नवीनतम अग्रिम अनुमान जारी होने के तुरंत बाद, कयामत के दिन के बारे में भविष्यवाणी करने वालों ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा है कि देश की विकास दर धीमी हो गयी है और अगले कुछ वर्षों में इसे 8 प्रतिशत से अधिक प्रदर्शन वाले ब्रैकेट में वापस नहीं लाया जा सकता। उनका मानना है कि भारत निकट भविष्य में 6 से 6.5प्रतिशत की वृद्धि दर के स्तर पर बना रह सकता है।

आइए तथ्यों को थोड़ा और करीब से देखें। भारत ने 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। नवीनतम रिलीज 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत का प्रिंट दिखाती है। यह कोविड के बाद की अवधि की ऊंचाइयों से एक तेज गिरावट है, जब 2021-22 में अधिकतम विकास दर 9.7प्रतिशत तक पहुंच गई थी। 2012-13 से पिछले तेरह वर्षों में, विकास दर चार वर्षों में 8 प्रतिशत से अधिक रही। रुझानों के अनुसार, भारत की जीडीपी औसतन अधिकांश वर्षों में 7 प्रतिशत बढ़ी है और अर्थव्यवस्था में सालाना 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने की क्षमता है, बशर्ते कि अभूतपूर्व घटनाक्रम इसके कामकाज में बाधा न डालें। इनमें वैश्विक महामारी या मानव निर्मित संकट जैसे अप्रत्याशित घटनाक्रम शामिल हैं - जैसे कि विमुद्रीकरण।कुछ भी हो, भारतीय अर्थव्यवस्था पारंपरिक रूप से सरकारी हस्तक्षेप और सरकारी एजेंसियों के नियंत्रण और संयम के अप्रिय विचारों से बाधित रही है। बाधाओं को देखते हुए, एक प्रमुख अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अधिक कृत्रिम बूस्टर के बिना, स्वाभाविक गति से 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। विकास उन्माद को बहुत सारे बूस्टर के साथ बहुत अधिक प्रक्षेपवक्र की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय, इसे अपनी गति से इष्टतम गति से बढ़ने दिया जाना चाहिए।विकास उन्माद ने नीति विशेषज्ञों और आकस्मिक पर्यवेक्षकों को समय-समय पर और महत्वपूर्ण क्षणों में पहले भी जकड़ लिया था। राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में सातवीं पंचवर्षीय योजना की तैयारी के दौरान इस तरह की उन्मादी बहस छिड़ गयी थी। योजना आयोग आंतरिक रूप से बहस कर रहा था और दो खेमों में बंटा हुआ था।

सदस्य और अपने समय के सबसे प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों में से एक डॉ राजा चेलिया ने अधिक सतर्क दृष्टिकोण की वकालत की थी और विकास लक्ष्य को मध्यम, अधिक प्राप्त करने योग्य स्तर पर रखने की सलाह दी थी। आयोग में एक अन्य खेमा, जिसका नेतृत्व तेजतर्रार, पूर्व वाणिज्य सचिव और उच्च प्रोफाइल सार्वजनिक बुद्धिजीवी आबिद हुसैन ने किया था, ने योजना को बहुत महत्वाकांक्षी स्तर पर सेट करने का सुझाव दिया।डॉ चेलिया का कहना था कि अर्थव्यवस्था की क्षमताओं को कम करने वाली अतिमहत्वाकांक्षी योजना उलटी दिशा में जा सकती है और विकास की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है।विवाद पर आबिद हुसैन की बात सारगर्भित थी, उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की सभी खिड़कियां खुली होनी चाहिए ताकि ताज़ी हवा अंदर आ सके। इस प्रक्रिया में अगर कुछ मक्खियां घुस भी जाती हैं, तो उन्हें आने दें। हम समस्याओं से उसी के अनुसार निपटेंगे।जब योजना आयोग की बहस की चर्चा प्रधानमंत्री के कानों तक पहुंची, तो उन्होंने योजना आयोग के सदस्यों, खास तौर पर रूढ़िवादी सदस्यों के बारे में तिरस्कारपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा, %योजना आयोग में बहुत से जोकर भरे पड़े हैं।% प्रधानमंत्री युवा और अधीर थे। लेकिन इस टिप्पणी की बहुत सराहना नहीं की गयी।

महत्वपूर्ण बात वृद्धि नहीं है। बल्कि वृद्धि की गुणवत्ता और उसका विस्तार है और यह भी कि बिना किसी तनाव के इसे कितनी दूर तक बनाये रखा जा सकता है। अर्थव्यवस्था के अत्यधिक गर्म होने से क्षेत्रों में क्षमता पर असर पड़ सकता है, जिससे विकृतियां और मुद्रास्फीति हो सकती है। इससे दीर्घकालिक संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।लेकिन नवीनतम विखंडित आंकड़ों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि समग्र वृद्धि में अचानक गिरावट द्वितीयक क्षेत्र में तीव्र मंदी से उपजी है। द्वितीयक क्षेत्र के लिए स्थिर मूल्यों पर 2023-24 में जीवीए9.7प्रतिशत से 2024-25 में 6.5प्रतिशत तक तेजी से गिर गया। द्वितीयक क्षेत्र कुल सकल घरेलू उत्पाद का एक चौथाई हिस्सा है और इसकी वृद्धि में कमी स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था के समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करेगी।तृतीयक क्षेत्र पर और भी अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए, यह मुख्य रूप से औद्योगिक अर्थव्यवस्था है, जो तेजी से मंद हो गयी है। उदाहरण के लिए, विनिर्माण विकास दर, 2023-24 में लगभग 10प्रतिशत से घटकर 2024-25 में लगभग 5प्रतिशत रह गयी है। फिर से अगर हम पांच साल की अवधि में अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के प्रदर्शन को देखें तो हम पाते हैं कि प्राथमिक क्षेत्र कम दरों पर बढ़ा है लेकिन सबसे अधिक स्थिर रहा है। यह द्वितीयक क्षेत्र है, यानी विनिर्माण, बिजली उत्पादन, जिसमें वार्षिक वृद्धि के मामले में व्यापक रूप से उतार-चढ़ाव आया है।

इसके साथ ही, तृतीयक क्षेत्र, जो पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है, जिसका जीवीए में 55प्रतिशत योगदान है, भी मामूली रूप से कम हुआ है। हालांकि, तृतीयक क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से द्वितीयक क्षेत्र में आई गिरावट की भरपाई हो सकती थी। अर्थव्यवस्था के खंडों के अलग-अलग आंकड़ों पर ध्यान दें तो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, आईआईपी में शामिल चार प्रमुख खंड, यानी खनन, विनिर्माण, बिजली उत्पादन और धातु खनिज, सभी में गिरावट आई है।रिपोर्टिंग अवधि कम है लेकिन ये जीडीपी रुझानों के आवर्ती विषय रहे हैं। यह सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है और शायद कुछ नीतिगत हस्तक्षेप या कम से कम अंतर्निहित कारणों पर एक नज़र डालने की आवश्यकता है। यह संभव है कि अर्थव्यवस्था के इन क्षेत्रों के लिए अवरोधक कारकों के सुधार पर ध्यान केंद्रित करके हम समग्र प्रदर्शन को और अधिक निरंतर बढ़ावा देने में सक्षम हो सकते हैं।दूसरी तरफ से आंकड़ों को देखते हुए, यानी व्यय पर ध्यान केन्द्रित करने पर हम देखते हैं कि निजी अंतिम खपत, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख विकास इंजन बनी हुई है, ने जोरदार रुझान दिखाये हैं। स्थिर कीमतों पर निजी अंतिम खपत व्यय 2023-24 में 4प्रतिशत से बढ़कर नवीनतम वर्ष में 7.3प्रतिशत हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खपत, यानी सरकारी व्यय में भी वृद्धि हुई है। यानी आंतरिक मांग की स्थिति उत्साहजनक बनी हुई है।लेकिन इस तरफ भी एक चिंता की बात है। सकल स्थिर पूंजी निर्माण 2023-24 में 9 प्रतिशत से 2024-25 में 6.4प्रतिशत तक निर्णायक रूप से सिकुड़ गया है। यह अर्थव्यवस्था में निवेश की कुल मात्रा है। जब निवेश धीमा हो जाता है, तो समग्र मंदी हो सकती है। हालांकि इसका एक बड़ा हिस्सा औद्योगिक अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसमें विनिर्माण, खनन और निर्माण शामिल हैं। इस प्रकार, नवीनतम आंकड़ों से नीति निर्देश, साथ ही, समय श्रृंखला डेटा में प्रकट रुझान दिखाते हैं कि औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ प्रमुख बढ़ावा की आवश्यकता है।

यदि ये जीडीपी आंकड़े वही हैं जिन पर केंद्रीय बजट को आगे बढ़ना चाहिए, तो बजट को कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। केंद्रीय बजट की सामान्य रूपरेखा पहले ही तैयार हो चुकी होगी। फिर भी, अधिकारियों को इस बात का अंदाजा जरूर होगा कि क्या होने वाला है। बजट को औद्योगिक क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए कुछ रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। जाहिर है, पीएलआई योजनाएं और अन्य रियायतें अर्थव्यवस्था में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने में बहुत सफल नहीं रही हैं। हमें कुछ पुनर्विचार करने की जरूरत है।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▸ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▸ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▸ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▸ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▸ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▸ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपकी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▸ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▸ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▸ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं। जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

यस बॉस

कामकाजी लोगों का ज्यादातर वक्त दफ्तर में गुजरता है। ऐसे में अगर उनके बॉस तुनक मिजाज हैं, तो उनका ऑफिस का जीवन हो सकता है तनाव भरा। अलग-अलग मिजाज वाले बॉस से कैसे किया जा सकता है सामना और रखा जा सकता है खुद को व ऑफिस के माहौल को फिट।

उलझे व्यक्तित्व के बॉस

ऐसे मिजाज वाले बॉस से प्रशंसा पाना पत्थर में से पानी निकालने के बराबर होता है। आप अकेले होकर कितना भी बड़ा खिताब क्यों न जीत लें पर वे उसमें से भी खामी निकालने में नहीं चूकेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

वे लोग जो दूसरों में दोष निकालते हैं, वे खुद में भी कमियां महसूस करते हैं। वे सोचते हैं कि उनका छोटी-छोटी बातों पर आलोचना करना अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए मददगार साबित होता है। ऐसे बॉस इस बात से चिंतित रहते हैं कि अगर वे आपकी प्रशंसा करते हैं, तो आप अपनी उन्नति से संतुष्ट हो जाते हैं और ठहर जाते हैं।

नुकसान

प्रशंसा और प्रोत्साहन के बिना कर्मचारियों का मनोबल कम हो जाता है और उनके उत्साह में कमी आ जाती है।

यूं कीजिए सामना

बॉस की ओर से प्रशंसा कभी नहीं मिलेगी, तो फिर इसकी उम्मीद छोड़ दें। किसी भी बड़े काम के बाद अपने बॉस से मीटिंग करें व कुछ सवाल पूछें जैसे कि क्या चीज सही रही इस क्षेत्र में मेरा सहयोग कैसा रहा यह आपके लिए सकारात्मक फीडबैक उत्पन्न करता है, जो कि आपको सही ढंग से काम करने में फायदा देता है।

बड़े बॉस

इस तरह के मिजाज वाले बॉस के दरवाजे पर हमेशा डू नॉट डिस्टर्ब की तख्ती लगी रहती है। वे रूखे स्वभाव के होते हैं, उन्हें चाय की पूछने के लिए भी आपको मानसिक तौर पर तैयार होना पड़ता है।

क्यों होते हैं ऐसे

उन्हें सदा अपनी खामियां उजागर होने का भय सताता है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि वे हमेशा असमंजस में रहते हैं, यहां तक कि उन्हें अपनी उन्नति पर भी विश्वास नहीं होता।

नुकसान

इससे डरा देने वाली स्थिति बन जाती है। एक समस्या के बाद दूसरी समस्या पैदा हो जाती है।

यूं कीजिए सामना

आप अगर ऐसे बॉस के पास कोई भी समस्या लेकर जाते हैं, तो याद रखें कि उसका हल भी आप ही साथ ले जाएं, इस प्रकार के बॉस ऊपरी भावों से प्रभावित हो जाते हैं। इसलिए जब भी आप उनसे बात करें, तो केवल कॉन्सेप्ट व उसके फायदे के बारे में ही करें। विषय की गहराई तक न जाएं।

दोस्त या बॉस

बेस्ट फ्रेंड बॉस महिला कर्मचारियों पर विशेष ध्यान रखते हैं। उनका मकसद सिर्फ लोकप्रियता हासिल करना होता है, बजाय कामकाज के।

क्यों होते हैं ऐसे

ऐसे बॉस सभी कर्मचारियों को खुश रखने में माहिर होते हैं। उन्हें सभी पसंद करते हैं। वे किसी भी बात के लिए इंकार नहीं करते और न ही किसी तरह के कोई मतभेद पैदा करते हैं।

नुकसान

काम से जी चुराने वाले कर्मचारी मजे करते हैं और मेहनती कर्मचारी काम में उलझे रहते हैं।

यूं कीजिए सामना

उनके निर्णयों के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएं। जैसे ही वे किसी बात के लिए मान जाएं, तो पहले अच्छी तरह से उनसे कहें कि मैं जो सोच रहा हूं इससे आप सहमत हैं और फिर उसे लिख लें। ऐसा करने से वे पीछे नहीं हटेंगे। फिर एक लिस्ट बनाएं, जिसमें पूरे काम का विवरण हो और ये भी नोट करें कि किस काम के लिए कौन जिम्मेदार है। अगर आप काम समय सीमा में व सही तरह से खत्म करना चाहते हैं, तो बेहतर रहेगा कि आप खुद ही सभी के पीछे पड़कर काम करवाएं, बजाए बॉस पर निर्भर रहने के।

सनकी बॉस

इनिशिएटिव व क्रिएटीविटी इस तरह के बॉस के लिए बुरे शब्द हैं। उनके पास न केवल आइडिया है, साथ ही उन्हें लागू भी कर लेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

साधारण तौर पर ये बॉस पूर्णतावादी होते हैं। वे चाहते हैं कि हर काम उनकी क्षमता अनुसार ही किया जाए। हर समय हताश रहने वाले ये बॉस खुद कुछ भी नहीं कर पाते।

नुकसान

जब भी आपकी रचनात्मकता को रोका जाएगा आप ऊबने लगेंगे और आपको निराशा हाथ लगेगी। अगर आपको कुछ नया सीखने का मौका नहीं मिला, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे।

यूं कीजिए सामना

आपको उनसे मुकाबला करना चाहिए, लेकिन भाषा पर काबू रखना जरूरी है। तुम ऐसे हो, तुमको व कभी नहीं का इस्तेमाल न करें। रिजॉल्विंग कॉनफ्लिक्ट के लेखक शेए मेकोनन कहते हैं कि अगर आप अपने बॉस से कहते हैं कि आपने मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं दी है, तो सबसे पहले वे खुद को बचाने की कोशिश करेंगे फिर अपना स्पष्टीकरण देंगे, यह आपके लिए बेकार होगा। इसकी जगह अगर आप कहें कि मैं निर्णय लेने में शामिल होना चाहता हूं तो यह वाक्य आपकी जरूरत पर फोकस करेगा न कि बॉस के व्यवहार पर।

अपनाएं सही तरीका बालों की सफाई का

सिल्की, मुलायम, काले घने बाल मिनटों में नहीं बन जाते। उन्हें ऐसा बनाने के लिए, उनकी देखभाल के लिए पूरा समय निकालना होता है। अगर आप अपने बालों की देखभाल सही तरीके से करती हैं तो उन्हें बस कुछ ही मिनट में अपना मनचाहा स्टाइल दे सकती हैं। इसके लिए आपको ध्यान रखना है उनकी सफाई के सही तरीके पर। आजमाइए ये टिप्स -

- बालों को धोने के बाद अधिक देर तौलिए में लपेटे न रखें। अकसर लंबे बालों वाली स्त्रियां अपने बालों को धोने के बाद तौलिए से घुमाकर बालों को उसमें लपेट देती हैं। गीले बालों को संभालने का यह तरीका आपके लिए सुविधाजनक जरूर हो सकता है, लेकिन बालों के लिए खतरनाक। गीले बालों में अधिक देर तक तौलिया लपेटने से वे कमजोर हो जाते हैं और टूटते भी हैं। ऐसा करने से बचें।
- जरूरत से ज्यादा बालों को न धोएं। गर्मी में बालों का धोना रोज आवश्यक हो तो बेशक धोएं, लेकिन रोज शैंपू न लगाएं।
- बालों में सीधे शैंपू न लगाएं। थोडे से पानी में घोल कर गर्दन के पीछे पहले लगाएं, फिर ऊपर की तरफ हाथ करते हुए बालों में लगाएं।
- कंडीशनर का इस्तेमाल जब करें, तब कंघी की सहायता से पूरे बालों में उसे फैलाएं, ताकि कोई भी बाल छूटने न पाए।
- अपने बालों को ब्लो ड्राई न करें। अगर आप रात में बालों को धोती हैं, तब भी ब्लो ड्राई न करें। चाहें तो अपने तकिये पर मुलायम तौलिया रखकर सोएं।

टेबल सेटिंग

आप डायनिंग टेबल को दो तरह से सेट कर सकती हैं। एक वेस्टर्न स्टाइल दूसरा इंडियन।

वेस्टर्न स्टाइल

टेबल क्लॉथ

अगर टेबल का टॉप ग्लास या मार्बल का है, तो ढकने की जरूरत नहीं है। टेबल क्लॉथ का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो व्हाइट या पेस्टल कलर्स का ही चयन करें। ऐसा बैकग्राउंड भोजन को एलिगेंट और सिम्पल लुक देता है।

टेबल मैट्स

टेबल क्लॉथ या मैट्स में से किसी एक का ही इस्तेमाल करना ठीक रहता है। हालांकि आजकल दोनों का ही प्रयोग किया जा रहा है ताकि टेबल क्लॉथ अनचाहे दागों से बचा रहे। टेबल के किनारे और कुर्सी के सामने मैट्स को रखें। मैट्स में समान दूरी रखें।

डिनर प्लेट्स

प्लेट को मैट के ठीक बीच में रखें जिस व्यक्ति को खाना खाना है उसके बिल्कुल सामने। टेबल के किनारे से 2.5 से.मी. की दूरी पर। बाकी के बर्तन प्लेट के अनुसार ही रखें।

कटलरी

कटलरी को कैसे सजाना है यह आपकी पसंद और आपका भोजन किस तरह का है उस पर निर्भर करता है। चाकूऔर चम्मच प्लेट के राइट साइड में रखे जाते हैं और फोक लेफ्ट में। नाइफ का तेज किनारा अंदर की ओर घुमा कर रखा जाता है। कटलरी प्लेट से 1.5 से.मी. की दूरी पर होना चाहिए और वह भी सीधी लाइन मे। डेजर्ट कैसा है उसी के मुताबिक डेजर्ट कटलरी का चयन करें। इस प्लेट के ऊपरी हिस्से में सामने की ओर रखें।

गिलास

रंगीन गिलासों का प्रयोग न करें। नाइफ से ऊपर की ओर इसका मतलब पानी का गिलास लेफ्ट साइड में।

नेपकिन्स

नेपकिन्स को प्लेट की लेफ्ट साइड में रखें चाहें तो प्लेट के ऊपर या फिर गिलास के अंदर भी रख सकती हैं।

इंडियन स्टाइल

प्लेट

हालांकि भारतीय भोजन में चपाती रसेदार सब्जी के साथ खाई जाती है इसलिए एक साइड प्लेट का होना जरूरी है। इसे डिनर प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें। ध्यान रखें मैट पर डिनर प्लेट बीच में रहनी चाहिए। एक सीध में प्लेट्स होनी चाहिए। हाथ से खाने के कारण पानी के गिलास को प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें।

बाउल

एक बड़ा बाउल जिसमें सब्जी होती है और छोटी कटोरियों में रायता डाला जाता है। इन्हें डिनर प्लेट के राइट साइड में रखा जाता है। भारतीय भोजन में केवल एक चम्मच, एक नाइफ और एक फोक का ही इस्तेमाल किया जाता है बजाय वेस्टर्न के। चाकू और चम्मच को प्लेट के राइट साइड में रखें और फोक को लेफ्ट पर। अगर सूप भी सर्व कर रही हैं, तो सूप बाउल को राइट साइड में रखें।

पोटैटो काठी रोल्स

सामग्री: 8 रोटी भर के लिए गेहूं का आटा, दूध, नमक स्वादानुसार, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर इलायची पाउडर।

टॉपिंग के लिए: दही, हरी धनिया.

फिलिंग के लिए: 4-5 उबले हुए आलू, 1 टीस्पून जीरा, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1-2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटी हुई शिमला मिर्च, 3-4 कटे हुए टमाटर, नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, गरम मसाला, कसूरी मेथी।

विधि: आटे में शक्कर, इलायची, नमक और दूध मिलाकर गूंध लें। आटे की लोई बना लें। पतली-पतली रोटियां बेलकर सेंक लें। फिलिंग के लिए आलू को छीलकर टुकड़ों में काट लें। फ्राइंगपैन में तेल गरम करके जीरा, हरी मिर्च और अदरक डालें। अब इसमें टमाटर, नमक और काली मिर्च मिलाएं। कटी हुई शिमला मिर्च, कसूरी मेथी, गरम मसाला, हरी धनिया और आलू के टुकड़े डालें। रोटी में उपरोक्त मिश्रण को भरकर लपेट कर रोल कर लें। दही के साथ गरमा गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1956

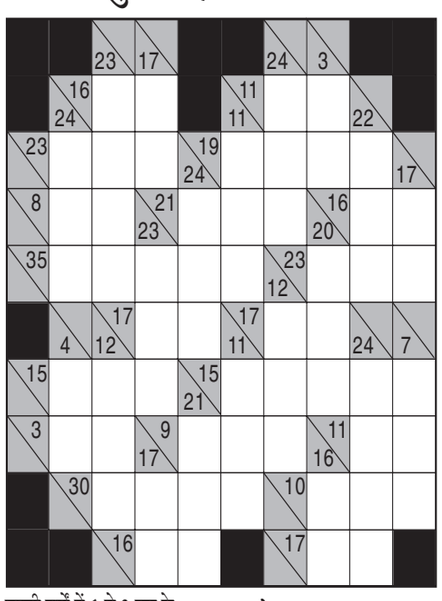

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 1955 का हल

	3 24			10 3			10 11	
11	2	9	6	4	2	13	4	9
9	1	8	4 6	3	1	5 20	3	2
	11	7	3	1	11	9	2	30
		3 21	1	2	18 6	8	1	9
	11 4	9	2	4 10	1	3	17	8
3	1	2	3	1	2		13 18	6
10	3	7	5 3	2	3	16 16	9	7
	9	3	2	4	8	7	1	
		4	1	3	17	9	8	

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1956

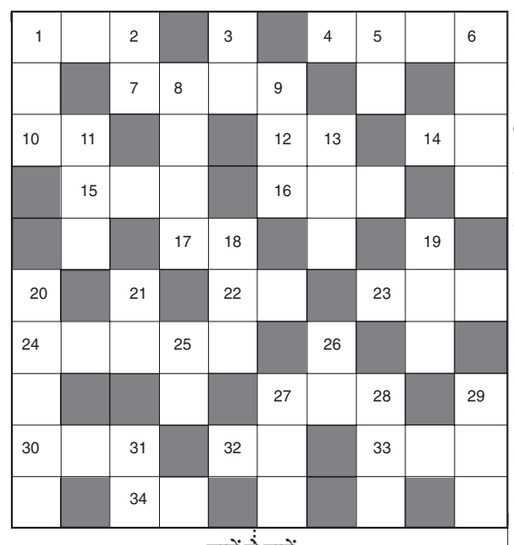

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1955

कु	बां	न		व	जू	द		आ	शा
बां		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

सूडोकु -1956

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1955 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 1956

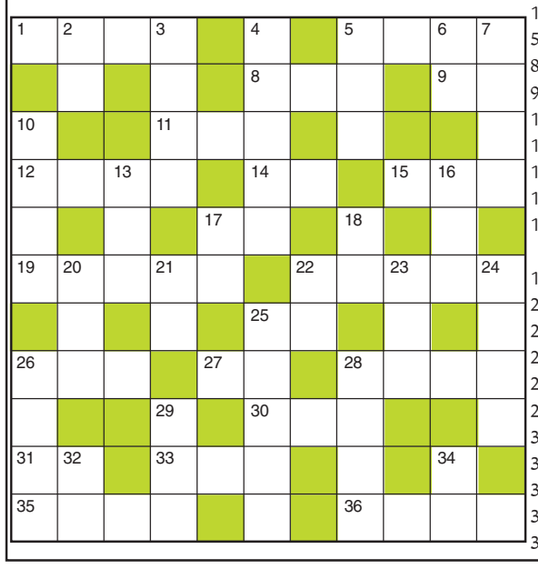

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली - 1955 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	ब	ता	र	

बर्फबारी ने बढ़ाई ठंड, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने करवट ली है और राज्य भर में ठंड बढ़ गई है। औली, नैनीताल, मसूरी जैसी पर्यटक स्थल बर्फ की चादर से ढक गए हैं। जनवरी में अब तक बारिश और बर्फबारी न होने के कारण सूखी ठंड से लोग परेशान थे, लेकिन ताजा बर्फबारी से पर्वतीय क्षेत्रों में तीव्र ठंड बढ़ गई है। मैदानी इलाकों में भी बारिश और कोहरे के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मसूरी से लेकर औली, चकराता, मुक्तेश्वर, धानाचूली, पहाड़पानी और नैनीताल में बर्फबारी हुई है। बदरीनाथ, केदारनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, औली, गौरसों बुग्याल के साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। जिससे यहां की वादियां बर्फ की सफेद चादर में लिपट गई हैं। जनपद उत्तरकाशी में गंगोत्री धाम, हर्षिल, यमुनोत्री धाम, जानकीचट्टी, सरनौल, दयारा, हरकीदून क्षेत्र में रात्रि से हल्की बर्फबारी हुई है।

अमित शाह चार दिवसीय दौरे पर आएंगे गुजरात

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह उत्तरायण पर्व (मकर संक्रांति) के अवसर पर 13 से 16 जनवरी तक गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस 4 दिवसीय दौरे में शाह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं के साथ उत्तरायण का त्योहार मनाएंगे। पार्टीसे मिली जानकारी के अनुसार अमित शाह 13 जनवरी की शाम अहमदाबाद आएंगे। 14 जनवरी को वे गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत थलतेज, न्यू राणपि और साबरमती में कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ उत्तरायण का पर्व मनाएंगे। इसके बाद घाटलोडिया के नए पुलिस स्टेशन और आवास योजना के मकानों के लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। 15 जनवरी को कलोल, मणसा में सरकारी कार्यक्रम में शाह मौजूद रहेंगे। अगले दिन 16 जनवरी को मेहसाणा जिले के वडनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस स्कूल में पढ़े थे, उसके अंतर्गत प्रेरणा स्कूल का उद्घाटन करेंगे। जानकारी के अनुसार 16 जनवरी के बाद राज्य के सभी महानगरों और जिला पार्टी प्रमुखों के नाम की घोषणा की जाएगी। बताया जा रहा है कि अमित शाह इन नामों पर अंतिम मुहर लगाएंगे। 15-16 जनवरी को केन्द्रीय निरीक्षक भूपेन्द्र यादव भी गुजरात आएंगे।

कटरा से प्रयागराज चलेंगी तीन विशेष ट्रेनें : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए माता वैष्णो देवी कटरा से तीन विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी। डॉ. सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा कि महाकुंभ में भाग लेने के लिए प्रयागराज के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा की जा रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने महाकुंभ में भाग लेने वालों की सुविधा के लिए कटरा-प्रयागराज के बीच 3 विशेष ट्रेनों की योजना बनाई है। पहली विशेष ट्रेन 24 जनवरी के लिए तय की गई है जो कटरा श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना होगी और 26 जनवरी को प्रयागराज से कटरा के लिए वापस आएगी। अगली दो ट्रेनों की समय-सारणी समय पर बता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अन्तरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का किया शुभारम्भ, बोले राज्य के विकास में नई पहल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजपुर रोड स्थित एक होटल में एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का शुभारम्भ करते हुए कहा कि राज्य के विकास में प्रवासी उत्तराखंडियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है। सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रवासी उत्तराखंडी ने राज्य के विकास में योगदान देने का उत्साह दिखाया। सम्मेलन में प्रवासी भारतीय गिरीश पंत, विनोद जेठूड़ी, देव रतूड़ी, अनीता शर्मा, डा. एके काला जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इन सभी ने अपने अनुभव साझा करते हुए उत्तराखंड के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आश्वासन दिया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में राज्य के विकास के लिए कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी अपनी मेहनत और लगन से देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर राज्य गर्व करता है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से राज्य सरकार प्रवासियों के साथ मिलकर उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने की दिशा में काम करेगी। सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में उत्तराखंड में निवेश, पर्यटन, कौशल विकास और उच्च शिक्षा जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और सरकार को सुझाव दिए।

महाराष्ट्र में गठबंधन पर खड़गे और राहुल गांधी लेंगे फैसला : वर्षा एकनाथ गायकवाड़

एजेंसी

मुंबई। उत्तर-मध्य मुंबई लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद वर्षा एकनाथ गायकवाड़ ने साथ कई मुद्दों पर खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महाविकास अघाड़ी के बीच चल रही अनबन की खबरों पर सफाई दी। वर्षा गायकवाड़ ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, संजय राउत ने अपना पर्सनल ओपिनियन दिया है और उसके पहले अंबादास दानवे ने भी अपना पर्सनल ओपिनियन दिया था। अलायंस के बारे में जो भी निर्णय हैं, वह पार्टियों के वरिष्ठ नेता करते हैं और हमारे यहां वो जिम्मेदारी मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की है। वो तय करेंगे कि अलायंस का क्या करना है। अगर कार्यकर्ता की मांग देखें तो उनको भी लगता है कि जितनी सीटें मिलने चाहिए थीं, उतनी सीटें नहीं मिलीं। मगर जब अलायंस का निर्णय ऊपर से हो गया, तब हमने प्रामाणिक तौर

से काम किया। कार्यकर्ताओं को न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने मुंबई महानगर पालिका की बात करते हुए कहा, हम जानते हैं कि मुंबई महानगर पालिका में पिछले तीन साल से कोई नगर सेवक नहीं है। जिस तरह से फिक्स डिपॉजिट तोड़ने का काम हुआ और अपने दोस्तों को बड़े-बड़े कॉन्ट्रैक्ट दिए गए। मुंबई में आज प्रदूषण, साफ सफाई और ट्रैफिक समेत कई बड़ी समस्याएं हैं, जिस पर हम बात करेंगे। मुंबईकर के रुपये का यहां के विकास में इस्तेमाल होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से वो पैसा कहीं और जा रहा है। इसी कारण काम भी नहीं हो पा रहा है। इन्हीं सब मुद्दों पर हम बात करेंगे और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उन्हें अवगत कराएंगे। वर्षा गायकवाड़ ने कांग्रेस को साइडलाइन करने के सवाल पर आगे कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता कि कांग्रेस को कोई साइडलाइन कर सकता है। कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है और हमने पूरे देश के साथ-साथ महाराष्ट्र में भी चुनाव लड़ा है। मुझे ऐसा लगता है कि कोई कांग्रेस को साइडलाइन नहीं कर सकता और न ही दबाव बना सकता है। कांग्रेस अपना काम करना जानती है, लेकिन जब हम अलायंस में रहते हैं, तब हम एक आपसी समझ के साथ काम करते हैं। राहुल गांधी के सवाल पर वर्षा ने कहा, राहुल गांधी जनसामान्य के नेता हैं और एक जननायक हैं, जिन्होंने भारत जोड़ने का काम किया और राहुल गांधी सब को साथ लेकर चलने की बात करते हैं। जब भी इंडिया अलायंस की बात आती है, तो वह सबको साथ लेकर चलने का काम करते हैं। चन्द्रशेखर बावनकुले के बयान पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये महाराष्ट्र की जनता को समझना चाहिए, जिस तरह से उद्धव बाला साहेब ठाकरे की पार्टी को तोड़ा गया और फिर बाद में उनका चुनाव चिन्ह छीना गया और यही काम शरद पवार की पार्टी के साथ भी किया गया।

बस खाई में गिरने से चार की मौत

एजेंसी

देहरादून/पौड़ी। जनपद पौड़ी के श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत दहल चौरी के पास मिनी बस अनियंत्रित होकर खाई में गिरने से चार लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर करीब तीन बजे हुआ। मिनी बस संख्या-(यूके/12 पीबी -0177) पौड़ी बस अड्डे से केंद्रीय विद्यालय होते हुए श्रीनगर के लिए निकली थी। तहसील पौड़ी के कोठार बैंड के पास बस खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि बस में लगभग 22 लोग सवार थे, जिसमें से चार यात्रियों की मौत हो गई। जबकि अन्य यात्री घायल हुए हैं। सूचना पर एसडीआरएफ टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। स्थानीय पुलिस की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए वाहन से 10 घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचा दिया गया है। टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन आरम्भ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी में केंद्रीय विद्यालय की

ओर जाने वाले मार्ग पर बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार यात्रियों के निधन को दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य जारी है और घायलों का नजदीकी चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। बाबा केदार से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गन प्वाइंट पर चुनाव जीतने की कोशिश हो तो कार्यकर्ता लें फैसला : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी हर हाल में चुनाव जीतेगी। लेकिन अगर गन प्वाइंट पर चुनाव जीतने की कोशिश की गई तो उनके कार्यकर्ता उस समय जो फैसला ले सकते हैं, वह लें, इस बात को मन में रखें।

सपा मुखिया अखिलेश यादव लखनऊ में विवेकानंद की जयंती पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में गन प्वाइंट पर गड़बड़ी की गई तो मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहूंगा, उस समय जो फैसला ले सकते हैं, लें। भाजपा ने अपने विभागों के लूटने वाले मंत्रियों को वहां ड्यूटी पर लगाया है।

सपा मुखिया ने कहा कि इस बात को अपने मन में रखें, इंडिया गठबंधन मजबूत है और मजबूत रहेगा। जिस राज्य में भाजपा के खिलाफ जो क्षेत्रीय दल मजबूत है, उसका साथ दिया जाना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ

में गंगा स्नान को लेकर कहा कि वह गंगा स्नान के लिए जाते रहे हैं। इसकी फोटो भी मैं शेयर कर सकता हूं। जो भाजपा नेता आरोप लगा रहे हैं, वह अपनी फोटो भी शेयर करें। कुछ पुण्य के लिए गंगा स्नान करते हैं, कुछ दान और कुछ पाप धोने जाते हैं। वो (भाजपा) पाप धोने के लिए जाएंगे, और हम पुण्य के लिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद से युवाओं को सीखना, जानना और प्रेरणा लेना बहुत जरूरी है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि धर्म से ज्यादा हमें रोटी की जरूरत है। कन्नौज की घटना पर बोलते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने के जो रेलवे स्टेशन बने हुए हैं, वह आज भी वैसे के वैसे ही मजबूत दिखाई दे रहे हैं। कन्नौज की घटना में बड़े पैमाने पर मजदूर दबे, भगवान की कृपा है कि किसी की अभी तक जान नहीं गई है। हमें उम्मीद है कि सरकार कन्नौज हादसे में घायलों का इलाज कराएगी।

विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत: जगदीप धनखड़

एजेंसी

गुरुग्राम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि युवा इच्छा शक्ति के आधार पर सपनों को साकार करने में अवश्य सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने पिछले 10 वर्षों में विकास का स्वाद चखा है। अब उनकी उन्नति की उम्मीदें और बढ़ गई है। हमारा भारत बदल रहा है। यह इतना बदल चुका है कि हम जैसे लोग कभी कल्पना भी नहीं कर सकते थे। उपराष्ट्रपति गुरुग्राम के साइबर पार्क स्थित प्रबंधन शिक्षण संस्थान मास्टर्स यूनियन के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने छात्रों का डिग्रियां वितरित की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। पिछले दशक में दुनिया में कोई भी देश इतनी तेजी और स्थिरता से नहीं बढ़ा है, जितना भारत बढ़ा है। अब लोगों की अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। आपको आउट ऑफ बॉक्स सोचना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खुद पर विश्वास करना चाहिए। लोकतंत्र को प्रभावी बनाने में युवाओं की भूमिका और संसद के प्रतिनिधियों और जन

प्रतिनिधियों के कर्तव्यों को दोहराते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि आप मुझे संविधान सभा की याद दिलाते हैं। जिन्होंने कठिन मुद्दों पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि आप शासन के सबसे प्रभावशाली हिस्सेदार हैं। आप विकास के इंजन हैं। अगर भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो चुनौती बहुत बड़ी है। हम पहले ही पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन चुके हैं, लेकिन आय आठ गुना बढ़ानी होगी। यह एक बड़ी चुनौती है। स्वामी विवेकानंद के शब्दों को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि उठो, जागो और तब तक मेहनत करो, जब तक कि आप मंजिल तक पहुंच नहीं जाते। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को मैनेजमेंट पाठ्यक्रम पूरा करने की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश करीब पांच हजार साल पुरानी सभ्यता की विरासत को साथ लेकर चल रहा है।

मल्टीलेवल कार पार्किंग के टॉप फ्लोर पर भी शेड लगाना चाहिए- अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने आज अपने आवास पर अम्बाला छावनी में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को लेकर नगर परिषद अधिकारियों एवं भाजपा पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विज ने बैठक के दौरान नगर परिषद अधिकारियों को छावनी चल रहे विकास कार्यों के शीघ्र पूरा करने तथा अन्य कार्यों को लेकर चर्चा की। उन्होंने छावनी के विभिन्न क्षेत्रों में डाली जा रही सीवरेज पाइप लाइन के कार्य की समीक्षा की तथा जहां-जहां पाइप लाइन डाली जा चुकी है वहां सड़क रिपेयर कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बब्याल, खुड?डाखुर्द, मच्छैंडा और 12 क्रास रोड पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण को लेकर जानकारी ली। नप अधिकारियों ने बताया कि बब्याल में एसटीपी का

निर्माण पूरा हो चुका है जबकि शेष तीनों एसटीपी का निर्माण जल्द पूरा किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने निगार सिनेमा के साथ गली में डाले जा रहे स्ट्रॉम वाटर पाइप लाइन के कार्य की जानकारी ली तथा रोड के बीच में लगे बिजली के पोल को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने निर्माणाधीन बैंक स्क्वेयर के समक्ष भी बिजली की तारों को हटाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गांधी ग्राउंड में साइकिल ट्रैक को जल्द प्रारंभ करने के लिए यहां साइकिलें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि इसका जल्द उद्घाटन किया जा सके। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने रेलवे रोड पर मल्टीलेवल कार पार्किंग के टॉप फ्लोर पर भी शेड लगाने के निर्देश दिए ताकि टॉप फ्लोर पर भी ज्यादा से ज्यादा कार खड़ी की जा सकें। उन्होंने कार पार्किंग में कार लिफ्ट का भी कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने नगर परिषद अधिकारियों के साथ सदर क्षेत्र में डाले जा रहे स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन के कार्यों को लेकर भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि पाइप लाइन डालने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। श्री विज ने इस दौरान पानी निकासी को लेकर विभिन्न स्थानों पर लेवल भी चेक करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य हो : राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि वहीं शिक्षा सार्थक है जो विद्यार्थी की शारीरिक, बौद्धिक तथा भावात्मक शक्तियों का विकास करे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगार योग्य बनाने की बजाय रोजगार देने वाले राष्ट्र निर्माता बनाए। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द को स्मरण करते हुए उनके आदर्श अपनाने का आह्वान किया। बागडे विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में डिग्रियां और पदक प्रदान किए और नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालयों को ऐसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का निर्माण करने पर जोर दिया जिनसे विद्यार्थी अध्ययन के समय ही अपनी रूचि के व्यावसायिक कौशल में दक्ष हो सके। राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा को सदैव 'मनुष्य निर्माण' और 'मनुष्य के चरित्र निर्माण' का माध्यम माना।

उनका विश्वास था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में अच्छे संस्कार और चरित्र निर्माण के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। आरंभ में विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डा. ललित के पंवार और वाइस चेयरपर्सन डा. के. आर बगड़िया ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत किए जा रहे शैक्षिक कार्यों और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत नवाचारों के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव कार्यक्रम, उप मुख्यमंत्री ने जिले के 165 नवनियुक्त कर्मयोगियों को सौंपे वेलकम किट व नियुक्ति पत्र

एजेंसी

जयपुर। स्वामी विवेकानंद जन्म जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव कार्यक्रम बिड़ला ओडिटोरियम जयपुर से आयोजित हुआ। उप मुख्यमंत्री व जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ब्यावर जिले से वर्चुअली राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जन्म जयंती के अवसर पर 13 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा है । आज के विशेष दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर रोजगार उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ है। स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं जिन्होंने युवाओं को उठो, जागो व अपने लक्ष्य तक पहुंचने का

संदेश दिया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य बनाने के लिए सरकारी व निजी क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है। केंद्र व राज्य सरकार के समन्वय से राजस्थान प्रदेश जल्द ही विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी बनेगा । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक क्षेत्रों में अवसर दिए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा पहले बजट में युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया व भविष्य में भी राइजिंग राजस्थान समिट व बजट घोषणाओं द्वारा रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री व प्रभारी मंत्री ने ब्यावर जिले के नवनियुक्त कर्मयोगियों को वेलकम किट के साथ नियुक्त पत्र वितरित किए। ब्यावर जिले में नवनियुक्त कुल 165 कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। उप मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव कार्यक्रम में ब्यावर जिले के समस्त नव नियुक्त कार्मिकों सहित संपूर्ण प्रदेश में कुल 13 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलने पर उन्हें बधाई प्रेषित की व राजकीय सेवा कार्य जिम्मेदारी से करने की शुभकामनाएं व संदेश दिया । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल बटन दबाकर 30907 करोड़ रुपए कीमत के 76574 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इनमें ब्यावर जिले के अंतर्गत होने वाले लोकार्पण व शिलान्यास के विविध कार्य भी शामिल है। र्तमान राजस्थान सरकार के गत एक वर्ष के कार्यकाल में सार्वजनिक निर्माण विभाग-ब्यावर में कुल 17 सड़क निर्माण कार्य लागत राशि रू4094.70 लाख पूर्ण किये। जिसके तहत 47.65 किलोमीटर डामर/सीमेन्ट, कंक्रीट सडकों का निर्माण कराया गया ।

नियुक्ति पत्र पाकर कर्मयोगियों ने जताया मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार

एजेंसी

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन जयपुर के बिड़ला सभागार में हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नवनियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र और बधाई संदेश सौंपे गए। लगभग 31 हज़ार करोड रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। नियुक्ति पत्र पाकर कर्मयोगियों ने मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया। जिला स्तर पर उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वीसी के जरिए नई धान मंडी स्थित दी गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन में किया गया। इससे पूर्व, श्री यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, डीआईजी गौरव यादव, एडीएम प्रशासन रीना, जिला परिषद सीईओ सुभाष कुमार, एएसपी

रघुवीर शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा नवनियुक्त कर्मयोगी श्रीगंगानगर की समेस्ता पुत्री बंशीलाल से संवाद किया गया। इस दौरान समेस्ता ने निष्पक्षता से भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने और नियुक्ति पत्र मिलने पर माननीय मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत से महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रही हैं। अतिथियों द्वारा नवनियुक्त कर्मयोगियों को नियुक्ति पत्र और बधाई संदेश भी सौंपे गए। प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी ने माननीय मुख्यमंत्री का आभार जताया।

इस अवसर पर एसडीएम रणजीत कुमार, जिला कोषाधिकारी मनोज मोदी, सीडीईओ गिरजेशकांत शर्मा, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार, डॉ. मुकेश मेहता, सुखमन सिंह जोहल, शर्मिला चौधरी, गुरदीप चावला, शरणपाल सिंह मान, रतनलाल गणेशगढ़िया, प्रदीप धेरड़, राजेंद्र छाबड़ा, जयप्रकाश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। वेद पाहवा और भारत सिडाना ने मंच संचालन किया।

25 लाख के इनामी नक्सली प्रभाकर की पत्नी आठ लाख की इनामी राजे कांगे गिरफ्तार

एजेंसी

कांकेर। जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कौड़ोसाल्हेभाट गांव से 25 लाख का इनामी नक्सली प्रभाकर की पत्नी राजे कांगे को पुलिस ने आज रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। रावघाट एरिया कमेटी की प्रभारी आठ लाख रुपये की इनामी राजे कांगे डीवीसीएम रैंक की नक्सली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सली राजे कांगे एक ग्रामीण के घर में छुपी थी। शरण देने वाले नक्सल समर्थक श्यामनाथ उसेंडी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नक्सलियों का शीर्ष नेता प्रभाकर पिछले महीने ही गिरफ्तार किया गया था, अब पुलिस ने उसकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले के अंतागढ़ से पुलिस ने नक्सल संगठन में विगत 40 वर्षों से सक्रिय रहकर कार्य कर रहे शीर्ष नक्सली प्रभाकर उर्फ बालमूरी नारायण राव को 23 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार कर चुकी है। वह उत्तर सब जोनल ब्यूरो में रसद आपूर्ति एवं मोबाइल पालेटिकल स्कूल का प्रभारी रहा। छत्तीसगढ़ राज्य सहित कई अन्य राज्यों में गिरफ्तार शीर्ष नक्सली प्रभाकर राव के विरूद्ध दर्जनों अपराध पंजीबद्ध है। रसद आपूर्ति एवं रसद इंचार्ज, ओड़िसा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के शीर्ष नक्सल नेताओं का करीबी सहयोगी रहा। नक्सलियों के सीसीएम सचिव गणपति का चचेरा भाई है प्रभाकर राव। तेलांगाना के जगित्याल जिले के ग्राम बीरपुर निवासी 57 वर्षीय प्रभाकर उर्फ बालमूरी नारायण राव वर्ष 1984 में नक्सल संगठन में भर्ती हुआ था। वर्ष 1984-1994 तक अविभाजित राज्य आंध्रप्रदेश में नक्सल संगठन में सक्रिय रहा।

भोपाल में बनी दुनिया की सबसे बड़ी थ्री-डी रंगोली, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दुनिया की सबसे बड़ी थ्री-डी रंगोली बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद पर बनी इस थ्री-डी रंगोली का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वयं रंगोली में रंग भरे। यह थ्री-डी रंगोली भोपाल के शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वेयर फीट में बनाई गई है। इसमें स्वामी विवेकानंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीरें उकेरी गई हैं। इस रंगोली में संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि का संदेश दिया गया। विश्व की सबसे बड़ी यह थ्री-डी रंगोली गोल्डन बुक

ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गई है। रंगोली के अनावरण अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मध्य प्रदेश ने इतिहास रचा है। प्रदेश की बेटी शिखा शर्मा द्वारा बनाई गई अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध यह रंगोली भारतीय संस्कृति एवं सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है, जो प्रदेश के प्रत्येक युवा को मध्य प्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री यादव शौर्य स्मारक में माँ भारती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बेटी शिखा शर्मा द्वारा स्वामी विवेकानंद पर आधारित 18,000 स्क्वायर फीट में बनी विश्व की सबसे बड़ी थ्री-डी रंगोली का अवलोकन किया। साथ ही रंगोली का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने पर बेटी शिखा एवं उनकी टीम के अन्य कलाकारों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकमनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, विधायक भगवान दास सबनानी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। स्वामी विवेकानंद की इस थ्री-डी रंगोली को बनाने में 48 घंटे से अधिक का समय लगा है। रंगोली को इंदौर की जानी-मानी कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम ने तैयार की है। शिखा शर्मा देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की ब्रांड एंबेसेडर भी हैं। उन्होंने इस रंगोली में स्वामी विवेकानंद, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री यादव की तस्वीरें भी उकेरी हैं। इसमें संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि का संदेश दिया गया है।

जब बच्चों की मस्ती हर पल आसमान में उड़ती दिखे तो समझो पतंग उड़ाने के दिन आ गए हैं। दुकानें और बाजार भी तो पतंगों से सजने लगे हैं। अब हर शाम पतंगें पेंच लड़ाएंगी और खुशियां चरखी, सद्दी, मांजा, ढील दे और आई बो काटा की आवाज में पूरे आसमान में गूंजेंगी, और क्या होगा, जानते हैं...

मेरी पतंग बड़ी मतवाली

बड़े-बड़े पतंगबाज

यदि तुम्हें यह लगता है कि पतंग के इस खेल पर तुम बच्चों का ही अधिकार है तो तुम गलत हो। दुनियाभर में जितने अधिक बच्चे इसके दीवाने हैं, उससे कहीं अधिक संख्या बड़े पतंगबाजों की है। राजा-नवाब भी इसके शौक से दूर नहीं थे। उनके लिए महलों की छतों पर पतंग उड़ाने के लिए खास इंतजाम किए जाते थे। मुगल राजाओं के समय पतंगबाजी को खूब पसंद किया जाता था। उसके बाद लखनऊ, रामपुर और हैदराबाद के नवाबों में भी इसका खुमार चढ़ा। ये लोग अपनी पतंगों के साथ अशर्फियां बांधकर उड़ाते थे। जिन घरों पर ये पतंगें टूट कर गिरती थीं, उन घरों में खुशियां मनायी जाती थीं। पतंग की खोज कब और किसने की, इस बात की निश्चित तिथि तो किसी को पता नहीं, पर इसकी शुरुआत लगभग दो हजार वर्ष पहले चीन में मानी जाती है। कहा जाता है कि पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक मो जी ने बनाई थी। उसके बाद पतंगबाजी का यह खेल विभिन्न देशों में फैलता चला गया।

भारत में कहां-कहां

यदि तुम्हें लगता है कि पतंग केवल 15 अगस्त के दिन ही उड़ायी जाती है तो तुम गलत हो। 15 अगस्त पर पतंगें दिल्ली में उड़ायी जाती हैं। यहां तक कि लाल किला मैदान में भी लोग इकट्ठे होकर पतंगें उड़ाते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। हरियाणा में पतंगें तीज पर, पंजाब में बैसाखी पर, गुजरात, बिहार में मकर संक्राति पर, उत्तर प्रदेश में वसंत पंचमी व मकर संक्राति के अलावा दिवाली के अगले दिन भी खूब उड़ायी जाती हैं।

यहां लगते हैं पतंगों के मेले

पतंग उड़ाना दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल माना जाता है। खासतौर पर चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका में हर साल इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है, जहां दुनियाभर के पतंगबाज तरह-तरह की पतंगों से अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हैं। हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं।

जापान काइट फेस्टिवल

जापान में यह फेस्टिवल हर साल मई माह के पहले वीक में हमामात्सु शहर में आयोजित किया जाता है। इस समय यहां का साफ चमकता नीला आसमान एक दूसरे की पतंगों से पेंच लड़ाते पतंगबाजों का युद्ध का मैदान बन जाता है। हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपने रंग-बिरंगे हैप्पी कोट्स में पतंग उड़ाने का मजा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान फेस्टिवल म्यूजियम तक पहुंचने के लिए हमामात्सु रेलवे स्टेशन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खास व्यवस्था की जाती है।

चीन काइट फेस्टिवल

चीन में हर साल अप्रैल माह में वाइफैंग शहर में काइट फेस्टिवल लगाया जाता है। यहां चीन के साथ-साथ दुनियाभर से पतंग के शौकीन इकट्ठे होते हैं। यहां खास तरह की हैंडीक्राफ्ट पतंगें देखने को मिलती हैं। सप्ताहभर चलने वाले इस पतंगों के त्योहार में पूरे शहर को रंग-बिरंगी लालटेन और स्टीमर्स से सजाया जाता है। वाइफैंग काइट म्यूजियम दुनियाभर में सबसे बड़े म्यूजियमों में से एक है।

जकार्ता काइट फेस्टिवल

यह इंडोनेशिया का सबसे प्रसिद्ध और पुराना फेस्टिवल है। यह हर साल जुलाई के महीने में दो दिन तक आयोजित किया जाता है। चीन, जापान, मलेशिया और नीदरलैंड से पतंगबाज इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। यहां की बड़ी-बड़ी ड्रेगन काइट खास आकर्षण का केंद्र होती हैं।

वॉशिंगटन स्टेट इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल

नॉर्थ अमेरिका के वॉशिंगटन शहर का यह सबसे लोकप्रिय आयोजन है। अगस्त के तीसरे वीक में सात दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम हर साल लॉन्गबीच पेनिन्सुला में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए जितनी बड़ी संख्या में दर्शक जुटते हैं, उतने ही उत्साह से देश और विदेश के पतंगबाज भी अपने कौशल को दिखाने के लिए यहां आते हैं। काइट ट्रेड एसोसिएशन इंटरनेशनल द्वारा इसे दुनियाभर में सबसे अच्छे काइट फेस्टिवलों में से एक माना गया है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल फेस्टिवल

यूं तो भारत में पतंगें किसी एक खास चौक या नदी के किनारों पर ही नहीं, हर गली-मोहल्ले में उड़ती देखी जा सकती हैं, पर जिस काइट फेस्टिवल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है, वह है गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल। यह मकर संक्राति के अवसर पर यानी 13 जनवरी से शुरू होता है। यह आयोजन तीन दिन तक चलता है। इन दिनों पूरे गुजरात की चहल-पहल सिमट कर अहमदाबाद में अपने रंग दिखाने लगती है। विदेशों के पतंगबाज भी इसमें शामिल होते हैं।

पतंगें ऐसी भी..

कागज का अविष्कार होने से पहले से पतंग उड़ायी जाती रही है। कहते हैं कि लगभग 3000 साल पहले उड़ायी गयी पहली पतंग पत्तियों से बनी थी। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगसल आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति मालूम की थी। कहते हैं कि 1901 में मार्कोनी ने एक हैक्सागन यानी छह भुजाओं वाली पतंग का प्रयोग अटलांटिक महासागर के पार सिग्नल भेजने के लिए किया था। यदि तुम यह मानते हो कि पतंग उड़ाना बच्चों का खेल है, तो यह जानकर हैरानी होगी कि पतंग उड़ाने वालों में बच्चों से कहीं अधिक संख्या बड़ों की है। हर साल उत्तरी अमेरिका में लगभग 5 करोड़ पतंगों की बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर सप्ताह कम से कम एक पतंगों का त्योहार मनाया जाता है। थाईलैंड में होने वाली पतंगबाजी में 78 नियमों का पालन करना पड़ता है। ओरिएंट में लोग खुशियां, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे को पतंग भेंट करते हैं। जापान में 1760 में पतंग उड़ाने पर बैन लगा दिया गया था। इसका कारण था कि लोग काम करने से ज्यादा समय पतंग उड़ाने में बिताते थे।

हिमालय के ये अद्भुत पक्षी

हिमालय पर्वत पर छोटी और सुंदर सी धोबिन पक्षी चहकती मिलती है। यह अन्य समतुल्य पक्षियों के अंडों पर हाथ साफ करती है। पक्षियों का हिमालय पर्वत से बड़ा घनिष्ठ संबंध है। कुछ पक्षी स्थायी रूप से हिमालय पर ही रहते हैं। वे कभी नीचे मैदानों में नहीं आते और पर्वत श्रृंखला पर ही अपना घोंसला बनाते हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो ये यहां की बारहमासी चिड़िया हो। इनके पांव में छल्ले पहनाकर यह देखा गया कि ये हर साल निश्चित स्थान पर आती हैं। इनके पेट के नीचे का रंग सफेद और गला काला होता है। प्रकृति की विचित्र लीला है कि ये साल में अनेक बार अपना रंग बदलती हैं। झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे ये झुंड बनाकर उछलती-कूदती रहती है। वहीं जल क्रीड़ा करती हैं। शायद इसीलिए इनका नाम धोबिन पड़ा है। ये पक्षी प्रवासी हैं, फिर भी इस देश में इनका महत्व और लोकप्रियता सर्वोपरि है। ऐसा लगता है, मानो यह हमारे देश का ही पक्षी है। जब सहेली चली जाती हैं, तो हमारा घर-आंगन, बाग-बगीचे सूने और उजाड़ से लगने लगते हैं।

जोकर की हंसी है बड़ी पुरानी

बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। इसके अलावा, अपने रोचक संवादों से दर्शकों का दिल जीतने वाले चॉकलेट जोकर, जिन्हें मेकअप की खास जरूरत नहीं थी। चेहरे का गहरा रंग होने के कारण वे केवल सफेद रंग का इस्तेमाल करते थे। जेम्स मैकइन्टायर और टॉम हीथ ने सन् 1874 में 'ट्रैम्प क्लाउन' को ईजाद किया, जिसमें काले चेहरेवाले अफीकी जोकर के चेहरे पर सफेद रंग लगाया जाता था। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिंग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था। सारी दुनिया में इस हास्य किरदार ने अपनी पहचान बना ली थी। आज यह संसार के किसी भी कोने में जाना-पहचाना चेहरा है। हमारे देश में इस दिलचस्प किरदार की कोई कमी नहीं।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है, जिसमें राजकपूर ने बड़ी ही संजीदगी से 'राजू जोकर' की भूमिका को निभाया। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया

जोकर भी होते हैं अंधविश्वास के शिकार...

जोकर कभी भी चेहरे पर नीला रंग इस्तेमाल नहीं करते हैं। उनके अनुसार, यह रंग अशुभता की निशानी है। इतना ही नहीं, प्रदर्शन से पहले जोकर अपने साथियों को शुभकामना नहीं देते, ऐसा करना उनके लिए श्राप देने जैसा है।

अलबेली पतंगें

दुनिया भर में कई तरह की अजीबोगरीब पतंगें बनाई जाती हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से उड़ाते भी हैं। चलो ऐसी ही कुछ पतंगों के बारे में और जानते हैं-

हवा भरी पतंग (इनफ्लैटेबल्स) - काइट फेस्टिवल्स में सबसे ज्यादा हवा भरी फूली हुई पतंगें दिखायी पड़ती हैं। ये पतंगें अपने बड़े आकार और रंगों के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। आमतौर पर ये पतंगें नायलॉन या पॉलिस्टर की बनी होती हैं और इन्हें समुद्री जीवों के आकार का बनाया जाता है, जिसके कारण ये बच्चों को बहुत पसंद आती हैं। इन्हें बनाने में मेहनत अधिक लगती है। हालांकि ये आगे की ओर से ज्यादा फूली हुई होती हैं, पर इन्हें इस तरह बनाया जाता है, जिससे पतंग के हर हिस्से पर हवा का दबाव संतुलित रहे।

पैराफॉएल्स - पैराफॉएल्स पतंगें दिखने में पैराशूट की तरह लगती हैं। ये कई तरह की होती हैं, पर पतंगों के जमघट में सबसे ऊंची दिखायी पड़ने वाली पतंग है सिंगल लाइन पैराफॉएल। ये पतंग दिखने में ऐसी लगती है मानो कोई फूली हुई चटाई हवा में उड़ रही हो। ये पतंगें लंबी धारियों वाले सेल्स में विभाजित होती हैं, जैसा कि पैराग्लाइडर्स में होता है। डबल लाइन और क्वैड लाइन पतंगें औरों से ज्यादा हार्ड होती हैं। आमतौर पर इनके साथ दूसरी चीजों को जोड़कर उड़ाया जाता है।

डेल्टास - मंद हवा में बड़ी शान से खूब ऊंचाई पर उड़ने वाली हैं ये पतंगें। नीचे से देखने पर पक्षी की तरह दिखने वाले ये बड़े डेल्टा फाइबरग्लास रॉड्स या ट्यूब्स के साथ हल्के पर मजबूत नायलॉन के कपड़े से बने होते हैं। आमतौर पर ये डेल्टास त्रिभुजाकार होते हैं। हालांकि इनमें टेल नहीं होती, पर बहुत बड़े आकार वाले डेल्टा के लिए पतंग के पीछे बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अलग-अलग शेप दी जाती हैं।

रोक्काकूस - हवा में मजबूती से टिकने के मामले में ये पतंगें डेल्टा पतंगों को मात देती हैं। इन पतंगों की शुरुआत जापान से हुई थी, पर अब इन्हें हर जगह पसंद किया जाता है। डेल्टा की तुलना में ये सस्ती भी होती हैं और देर तक साथ भी देती हैं। अच्छी डेल्टा पतंगों की तरह इन्हें भी टेल की जरूरत नहीं होती। इन्हें आकर्षक बनाने के लिए 3डी डिजाइन का लुक भी दिया जाता है।

सेल्युलर या बॉक्स काइट्स - इन पतंगों में एक या दो से अधिक सेल आगे की ओर होते हैं और इसी के संतुलन में पीछे भी वैसा डिजाइन बनाया जाता है। कुछ लोग इसे डायमंड कट्स वाली पतंग भी कहते हैं।

डायमंड्स - पश्चिमी देशों में इस पतंग को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। यह पतंग चटक रंगों से बनी होती है और इस पर मनोरंजक और हंसाने वाले डिजाइन बनाए होते हैं। अच्छी तरह उड़ान भरने के लिए इसके पीछे टेल लगायी जाती है। डेल्टा की महंगी पतंगों की तरह देखने में यह भले ही उतनी सुंदर न हो, पर बच्चों से लेकर बड़े तक इस पतंग को आसानी से उड़ा सकते हैं। यह छोटे-बड़े सभी आकारों की होती है।

ट्रेडिशनल पतंगें - पतंग महोत्सव में कुछ पतंगें ऐसी भी होती हैं, जो किसी खास पहचान से जुड़ी होती हैं। आमतौर पर इन्हें नेचुरल मैटीरियल से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया की बुलान पतंगें अपनी शेप और उन पर बने ट्रेडिशनल डिजाइन के कारण बहुत ऊंचाई पर उड़ने के बावजूद सबसे अलग दिखती हैं। बाली, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, जापान और न्यूजीलैंड की ट्रेडिशनल पतंगों को खासतौर पर पसंद किया जाता है।

कैसे उड़ती रहती हैं पतंग

हवा के संग ऊंची उड़ती पतंगों को देखकर तुम्हारे मन में भी जरूर आता होगा कि ये पतंगें बिना ईंधन यानी बिना फ्यूल के कैसे हवा में उड़ती चली जाती हैं? इसके दो कारण हैं, पहला ग्रेविटी (गुरुत्वाकर्षण बल) और दूसरा लिफ्ट (ऊंचा उठाना)। ग्रेविटी यानी वह बल जो ऊपर फेंकी किसी भी चीज को नीचे खींचता है। अब यदि ऊपर उड़ती हुई पतंग ग्रेविटी के बावजूद नीचे नहीं आती तो इसका कारण है हवा से उसे मिलने वाली लिफ्ट। हवा उसे अपने दबाव के साथ ऊंचे ऊपर उठाती रहती है।

पतंग उड़ाने के फायदे

यदि तुम पूरा दिन कंप्यूटर पर गेम खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हो तो पतंग उड़ाना एक अच्छे ब्रेक का काम करेगा। इससे आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे दोस्तों के साथ खेलते समय समूह में काम करना आता है। धागे पर नजर बनाकर रखते हुए पतंग की ओर लगातार देखना नजर को तेज करता है, साथ ही फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। गर्दन का व्यायाम होता है। ताजी हवा सांस के जरिए शरीर में

ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी की प्रारंभिक टीम में कमिंस, हेजलवुड को किया शामिल

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड को टीम में शामिल किया गया है, हालांकि इन दोनों को श्रीलंका के आगामी दौरे से आराम दिया गया है। कमिंस, जो इस समय पितृत्व अवकाश पर हैं, को टखने की समस्या का आकलन करने के लिए स्कैन से गुजरना होगा, जिसे उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान झेला था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीता था। इस बीच, हेज़लवुड अभी तक पिंडली की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उनकी भागीदारी समय से पहले समाप्त हो गई थी। चयनकर्ताओं के प्रमुख, जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है, जिसमें पिछले एक दिवसीय विश्व कप, वेस्टइंडीज श्रृंखला, पिछले साल यूके के सफल दौरे और हाल ही में पाकिस्तान की घरेलू श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। नाथन एलिस, मिचेल स्टार्क के साथ, तेज आक्रमण को आगे बढ़ाते हैं जबकि एडम ज़म्पा टीम में चुने गए एकमात्र फ्रंटलाइन स्पिनर हैं।ऑलराउंडर आरोन हार्डी और मैथ्यू शॉर्ट को भी टीम में शामिल किया गया है, जबकि एलेक्स कैरी ने विश्व कप चयन से चूकने के बाद पिछले सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवरों की टीम में सफल वापसी के बाद से अपना स्थान बरकरार रखा है।

ओडिशा वॉरियर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग की धमाकेदार शुरुआत की,दिल्ली एसजी पाईपर्स को 4-0 से हराया

रांची। उद्घाटन महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के पहले मैच में ओडिशा वॉरियर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 4-0 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की।ओडिशा वॉरियर्स के लिए यिब्बी जानसन (16क्व और 37क्व), बलजीत कौर (42क्व) और फ्रीके मोएस (43क्व) ने स्कोर किया। .महिला हॉकी इंडिया लीग एक शानदार समारोह के साथ शुरू हुई जहां कलाकारों ने झारखंड की संस्कृति का प्रदर्शन किया। झारखंड सरकार की विधान सभा सदस्य और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने चार महिला एचआईएल टीमों के कप्तानों के साथ महिला हॉकी इंडिया लीग ट्रॉफी का अनावरण किया।

ओडिशा वॉरियर्स का दमदार प्रदर्शन

ओडिशा वॉरियर्स की तरफ से यिब्बी जानसन ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहला गोल 16वें मिनट में किया और फिर 37वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की बढ़त को मजबूत किया। इसके बाद, बलजीत कौर ने 42वें मिनट में गोल कर विरोधी टीम पर दबाव बढ़ा दिया। फ्रीके मोएस ने 43वें मिनट में गोल कर वॉरियर्स की जीत को और भी पुख्ता कर दिया।

केरला ब्लास्टर्स की मेजबानी करेगा ओडिशा

कोच्चि। केरला ब्लास्टर्स एफसी अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी। ब्लास्टर्स का लक्ष्य ओडिशा के खिलाफ अपने घरेलू रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना होगा, जबकि ओडिशा एफसी अपने पिछले तीन मैचों में जीत से दूरी को समाप्त करना चाहेगी। केरला ने अपने पिछले मैच में (मोहम्मडन एससी के खिलाफ 3-0) में क्लीन शीट बनाए रखी है और 2019 के बाद पहली बार दो लगातार घरेलू मैचों क्लीन शीट रखने के इरादे से उतरेंगे। ओडिशा 15 मैचों में पांच जीत, छह ड्रा और चार हार से 21 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। केरला ब्लास्टर्स एफसी 15 मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और आठ हार से 17 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। ब्लास्टर्स ने आईएसएल में ओडिशा एफसी के खिलाफ जीत की स्थिति से 15 अंक गंवाए हैं। नौहा सदौई ने 10 गोल (6 गोल, 4 असिस्ट) में योगदान दिया है और ब्लास्टर्स के लिए आठ अंक जीते हैं।

टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 21 मार्च से : राजीव शुक्ला

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का सीजन 21 मार्च से शुरू होगा। उन्होंने बीसीसीआई की विशेष आम बैठक के बाद मुंबई में यह घोषणा की। हालांकि प्लेऑफ या फाइनल की तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।इसके अलावा, राजीव शुक्ला ने बताया कि बीसीसीआई ने एक साल के कार्यकाल के लिए आईपीएल के नए आयुक्त की भी घोषणा की है। साथ ही उन्होंने बताया कि बोर्ड की अगली बैठक 18-19 जनवरी को होनी है और इसमें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। नवनियुक्त बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 21 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल सीजन के व्यस्त कार्यक्रम पर जोर देते हुए कहा कि लगातार होने वाले आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण ध्यान और समन्वय की आवश्यकता होगी। बोर्ड लगातार इसे लेकर योजनाएं बना रहा है। इस बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः बीसीसीआई का नया सचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया।

खो-खो विश्वकप को लेकर स्वागत समारोह में देशी धुन पर उत्साह से थिरके विदेशी खिलाड़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। शुरु हो रहे खो-खो विश्वकप के लिए यहां पहुंची 23 देशों की महिला और पुरुष टीमों में आज यहां आयोजित भव्य स्वागत समारोह में नृत्य, नारे और संगीत के साथ थिरकते खिलाड़ियों में टूर्नामेंट के प्रति अपने जोश और उमंग की अद्भुत झलक देखने को मिली।राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न टीमों के खिलाड़ी पारंपरिक भारतीय संगीत के साथ अपने-अपने अंदाज में थिरके और प्रतिष्ठित विश्व कप ट्रॉफी के साथ फोटो भी खिंचवाये। इस दौरान संवाददाता सम्मेलन में मीडिया से बातचीत में पोलैंड टीम के 24 वर्षीय कोनराड ने टूर्नामेंट के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷खो-खो एक बहुत ही अच्छा लेकिन थकाऊ खेल है, जहाँ आप अपने दिमाग को व्यस्त रखते हुए भी स्वतंत्र रूप से दौड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह खेल शारीरिक गतिविधि और रणनीतिक सोच के बीच एक अद्भुत संतुलन है। महिला टीम की कैरोलिन ने कहा, हालाँकि हम खो-खो में नए हैं, लेकिन हममें असीम ऊर्जा है। अन्य टीमों को एक्शन में देखना अविश्वसनीय रहा है विशेषकर भारत को।

पिछले कुछ महीनों के प्रशिक्षण के दौरान हमने खेल की रणनीतिक समझा है। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम की कोच मात्शिदिसो कहती हैं, हम इस टूर्नामेंट को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका भारत को कड़ी टक्कर देगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ब्रिजेट ने कहा, मुझे यह बहुत पसंद है क्योंकि इसमें बच्चों के खेल की चंचल स्वतंत्रता है, जहाँ आप स्वतंत्र रूप से दौड़ सकते हैं,शारीरिक गतिविधि और मानसिक चुनौती का यह मिश्रण इसे विशेष रूप से आकर्षक बनाता है। इस अवसर पर भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि इस संवाददाता सम्मेलन में 23 देशों का यह जमावड़ा देखकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। दुनिया भर से प्रतिनिधियों को देखना, जोकि उनकी अपनी राष्ट्रीय पहचान साथ हमारे स्वदेशी खेल को अपनाना खो खो की सार्वभौमिक अपील और अंतरराष्ट्रीय विकास की क्षमता को दर्शाता है।

भारतीय खो खो महासंघ के महासचिव एमएस त्यागी ने तैयारी को लेकर कहा आज तकनीकी ब्रीफिंग के दौरान सभी भाग लेने वाले देशों द्वारा दिखाया गया उत्साह उल्लेखनीय रहा है। हमारा ध्यान नियमों की स्पष्टता सुनिश्चित करने और आगामी टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने पर होगा।

इरा जाधव ने तूफानी बल्लेबाजी कर बनाया नाबाद 346 रनों का रिकार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई के लिए खेल रही 14 वर्षीय इरा जाधव ने अलूर में महिला अंडर-19 एकदिवसीय ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 157 गेंदों पर 346 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम के स्कोर को तीन विकेट के नुकसान पर 563 रन पर पहुंचा दिया। इरा जाधव ने अपनी इस पारी में 42 चौके और 16 छक्के जड़े और 220.38 के स्ट्राइक रेट से 346 रन बनाए जोकि एक रिकार्ड है। महिला अंडर-19 मैच में व्यक्तिगत सर्वाच्च स्कोर दक्षिण अफ्रीका की लिजी ली के नाम है। उन्होंने 2010 में 427 रनों की पारी खेली थी। पारी की शुरुआत करने आई जाधव ने दूसरे विकेट के लिए हरली गला के साथ 274 रनों की साझेदारी की। गला ने 79 गेंदों पर 116 रनों की पारी खेली। जाधव ने इस साझेदारी में 71 गेंदों पर 149 रन बनाए। इसके बाद दीक्षा पवार के साथ उन्होंने 186 रन जोड़े जिसमें जाधव ने 50 गेंदों पर 137 रन बनाए। जाधव की तूफानी बल्लेबाजी का आलम यह था कि मेघालय की तीन गेंदबाजो ने 100 या उससे अधिक रन दिये।

पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने दिग्गज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को लीग के आगामी सीजन के लिए अपना कप्तान घोषित किया है। दिसंबर 2024 में नीलामी में फ्रेंचाइजी द्वारा चुने गए दाएं हाथ के बल्लेबाज फ्रेंचाइजी की कमान संभालने के लिए हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ फिर से जुड़ेंगे। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पंजाब किंग्स मैनेजमेंट का आभार व्यक्त किया। श्रेयस ने कहा, ÷मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि टीम ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। मैं कोच पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। टीम मजबूत दिख रही है जिसमें क्षमतावान और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। मुझे उम्मीद है कि मैनेजमेंट द्वारा दिखाए गए विश्वास को हम अपना पहला खिताब दिलाकर चुका पाएंगे। हेड कोच पोटिंग ने कहा, ÷श्रेयस के पास खेल के लिए शानदार दिमाग है। कप्तान के रूप में उनकी साबित क्षमताएं टीम को बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएंगी। मैंने

आईपीएल में पहले भी अय्यर के साथ अपना समय बिताया है और मैं उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। उनके नेतृत्व और टीम में प्रतिभा को देखते हुए मैं आने वाले सीज़न के लिए उत्साहित हूं। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, हमने अपने कप्तान के रूप में श्रेयस की पहचान की थी एयरबस करण नीलामी के नतीजों से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने खुद को इस प्रारूप में माहिर खिलाड़ी साबित कर दिया है और टीम के लिए उनका विजन हमारे लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाता है। उनके और पोंटिंग के फिर से हाथ मिलाने से हमें विश्वास है कि हमारी टीम के पास एक ठोस लीडरशिप है जो हमें हमारे पहले खिताब तक ले जाएगा। 2024 अय्यर के लिए यह एक शानदार साल रहा है। वह रणजी और ईरानी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2024 के आईपीएल अभियान में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी। इसके अलावा उनके नेतृत्व में मुंबई ने अपनी दूसरी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती है।

तौहीद और मुस्तफिजुर की बंगलादेश टीम में हुई वापसी

एजेंसी

ढाका। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम में चोटिल कप्तान नाजमुल हुसैन शान्तो के अलावा मुश्फिकुर रहीम, तौहीद हृदोय और मुस्तफिजुर रहमान की वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने आज टीम की घोषणा करते हुए मांसपेशियों में खिचाव के कारण नवंबर महीने में वेस्टइंडीज के दौरे पर नहीं खेल पाए नाजमुल हुसैन शान्तों की टीम में वापस बुलाया। वहीं पिछले कुछ समय से खराब फार्म में चल रहे लिटन दास को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इसके अलावा अफीफ हुसैन, शोरिफुल इस्लाम और हसन महमूद को भी टीम में जगह नहीं मिली। गेंदबाजी एक्शन के परीक्षण में दूसरी बार विफल रहने के कारण शाकिब अल हसन भी टीम में जगह बनाने में असफल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि चैंपियंस

ट्रॉफी में बंगलादेश भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के ग्रुप में है और उसे अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को भारत के साथ करनी है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम इस प्रकार हैः- नाजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मुश्फिकुर रहीम, तौहीद हृदोय, सौम्य सरकार, तंजीद हसन, महमुदुल्लाह, जाकेर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन, नासुम अहमद, तंजिम हसन और नाहिद राणा।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराया

एजेंसी

राजकोट। जेमिमाह रॉड्रिग्स (102), हरलीन देओल (89), कप्तान स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67) की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा(तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 116 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

370 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आठवें ही ओवर में कप्तान गैबी लुईस (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने सारा फोर्ब्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 21वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सारा फोर्ब्स (38) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 27वें ओवर में प्रिया मिश्रा ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (तीन) को आउट किया। 41वें ओवर में शतक की ओर बढ़ रही क्रिस्टिना कुल्टर रीली को तितास

साधु ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा। क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने 113 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए (80) रनों की जूझारु पारी खेली। 42वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी (32) को पगबाधा आउट किया। अवा कैनिंग (11) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ली पॉल (27) और जॉर्जिना डेम्पसी (छह) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 254 रन ही बना सकी और 116 रनों से मुकाबला हार गई।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा को तीन विकेट मिले। प्रिया मिश्रा ने दो विकेट लिये। तितास साधु और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रन जोड़े। 19वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मंधाना ने 54 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (73) रन बनाये। अगले ही ओवर में जॉर्जिना डेम्पसी ने प्रतिका रावल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। रावल ने 61 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (67) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल और जेमिमाह रॉड्रिग्स की जोड़ी ने एक बार फिर आयरलैंड के गेंदबाजों की धुनाई शुरु कर दी। 48वें ओवर में आर्लीन केली ने हरलीन देओल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल ने 84 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (89)रन बनाये। वहीं जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 91 गेंदों में 12 चौके लगाते हुये (102) रनों की शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष (10) रन बनाकर आउट हुई। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 370 रनों बनाकर एकदिवसीय में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने दो-दो विकेट लिये। जॉर्जिना डेम्पसी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हैदराबाद तूफान ने वेदांता कलिंगा लांसर्स को 5-1 से हराया

एजेंसी

राउरकेला। हैदराबाद तूफान ने हीरो पुरुष हॉकी इंडिया लीग के मुकाबले में वेदांता कलिंगा लांसर्स को 5-1 से हराया। आज यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में कलिंगा लांसर्स ने शानदार शुरुआत करते हुए पाँचवें मिनट में ही गोल कर मैच में अपनी बढ़त बना ली। हालांकि इसके एक मिनट बाद ही हैदराबाद तूफान के गोंजालो पेइलट ने छठे मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद हैदराबाद की ओर से मैको कैसेला ने 21वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। 30वें मिनट में गोंजालो पेइलट ने अपना दूसरा गोल किया। वहीं टिम ब्रैंड ने 47वें मिनट में चौथा गोल दागा।अर्शदीप सिंह ने 54वें मिनट में पांचवां गोल दागा। इस जीत के साथ ही हैदराबाद तूफान हीरो पुरुष हॉकी इंडिया लीग की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है।

गेंदबाजी एक्शन के दूसरे परीक्षण में भी विफल हुए शाकिब

एजेंसी

ढाका। गेंदबाजी करने के लिए निलंबित शाकिब अल हसन का गेंदबाजी एक्शन दूसरे परीक्षण में भी विफल रहा हैं। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि उनका अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों में गेंदबाजी का निलंबन जारी रहेगा। शाकिब के गेंदबाजी एक्शन पर नई जांच पिछले महीने चेन्नई के रामचंद्र खेल विज्ञान केंद्र में की गयी थी।

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने जारी एक बयान में कहा, ÷लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी की जांच के बाद शाकिब पर लगाया निलंबन जारी रहेगा। निलंबन की समाप्ति के लिए फिर से सफल जांच की आवश्यकता होगी। शाकिब गेंदबाजी करने के योग्य नहीं हैं लेकिन वह एक बल्लेबाज के रूप में सभी प्रारूप खेल सकते हैं।उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड में सितंबर में काउंटी मैच के दौरान शाकिब के गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाये जाने बाद पिछले वर्ष दिसंबर में शाकिब को यूके की आईसीसी के नियम के अनुसार शाकिब को निलंबित कर दिया था। बीसीबी ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की घोषणा

लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी द्वारा गेंदबाजी एक्शन की जांच में विफल पाया गया था। जिसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अवैध गेंदबाजी एक्शन से जुड़े करेगा। ऐसे में शाकिब को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम में शामिल किये जाने की कम संभावना है।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने पर लिटन दास ने कहा- मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं

एजेंसी

ढाका। चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने के कुछ घंटों बाद, बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास ने मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में धमाकेदार शतक लगाने के बाद कहा कि उन्हें किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 44 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से अपना पहला बीपीएल शतक बनाया और ढाका कैपिटल्स की सीजन की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। इसने फ्रैंचाइज़ी के लिए छह मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया। अपनी पारी के दौरान, लिटन परवेज हुसैन इमोन के बाद बीपीएल इतिहास में दूसरे सबसे तेज बांग्लादेशी शतकवीर बन गए, जिन्होंने 2020 बंगबंधु बीपीएल सीज़न में 42 गेंदों पर शतक बनाया था। संयोग से, यह इमोन ही हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बैक अप ओपनर के रूप में लिटन की जगह ली है। लिटन कुछ समय से सफेद गेंद के प्रारूप में संघर्ष कर रहे थे क्योंकि वनडे में उनका आखिरी अर्धशतक भारत में 2023 विश्व कप में आया था, अपने आखिरी पांच वनडे में उन्होंने केवल छह रन बनाए जिसमें तीन शून्य शामिल थे। ऐसे परिदृश्य में, बाहर निकाला जाना लिटन सहित सभी के लिए पूरी तरह से आश्चर्य की बात नहीं थी और जब उनसे अपने 'आलोचकों' को जवाब देने के बारे में पूछा गया, तो विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक अलग जवाब दिया। उन्होंने खेल के बाद संवाददाताओं से कहा, नहीं भाई, किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शमी की वापसी

एजेंसी

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 22 जनवरी से शुरु हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी। सूर्य कुमार यादव की अगुवायी वाली 15 सदस्यीय टीम में भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को शामिल किया गया है। 22 जनवरी को भारतीय टीम कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। शमी ने 2023 के विश्वकप में अपना पिछला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था। इसके बाद उन्हे एड़ी की चोट और घुटने की तकलीफ के चलते मैदान से बाहर रहना पड़ा।

अब तक शानदार फार्म में चल रहे जसप्रीत बुमराह को टी20 सीरीज में आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ पांचवें टेस्ट में बुमराह को पीठ में खिंचाव की समस्या हुयी थी और वह कुछ समय मैदान से बाहर भी रहे थे। ऋषभ पंत को भी टी20 सीरीज के लिये भारतीय दल में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार हैः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन

(विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

भारत 22 जनवरी से दो फ़रवरी के बीच कोलकाता, चेन्नई, राजकोट, पुणे और मुंबई में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेज़बानी करेगा जिसके बाद तीन वनडे मैच नागपुर (6 फ़रवरी), कटक (9 फ़रवरी) और अहमदाबाद (12 फ़रवरी) में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

एजेंसी

सिडनी। एश्ली गार्डनर (तीन विकेट/नाबाद 42) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान अलीसा हीली (70) रनों की शानदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया है।

इंग्लैंड 204 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में फीबी लिचफील्ड (चार) का विकेट गवां दिया। उन्हें लॉरेन फाइलर ने आउट किया। इसके बाद नौवें ओवर में लॉरेन बेल ने एलिस पेरी (14) को पगबाधा आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। बेथ मूनी (28) को सोफी एकल्सटन ने आउट किया। ऐनाबेल सदरलैंड (10) बनाकर आउट हुई 32वें ओवर में शार्लेट डीन ने एक छोर थामे खड़ी कप्तान अलीसा हीली

बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। हीली ने 78 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली। इसके बाद छठे विकेट के रूप में तालिया मैकग्रा (दो) रन बनाकर आउट हुई। एश्ली गार्डनर ने 44 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 42) रन बनाये। अलाना किंग (11) रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 38.5 ओवर में छह विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन फाइलर और सोफी एकल्सटन ने दो-दो विकेट लिये। लॉरेन बेल और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में मैया बाउचियर (नौ) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हीथर नाइट ने टैमी बोमॉन्ट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी हुई। सदरलैंड ने टैमी बोमॉन्ट (13) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़। नेट साइबर ब्रंट (19), हीथर नाइट (39), डेनियल वायट (38), ऐमी जोंस (31) सोफी एकल्सटन (18) रन बनाकर आउट हुई।

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की पूरी टीम 43.1 ओवर में 204 के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ली गार्डनर ने तीन विकेट लिये। किम गार्थ, ऐनाबेल सदरलैंड और अलाना किंग को दो-दो विकेट मिले। डर्सी ब्राउन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

जब डायरेक्टर ने रवीना टंडन और

करिश्मा कपूर

को खंभे से बांध दिया, लोगों को दी थी रस्सी न खोलने की हिदायत

अंदाज अपना अपना एक कल्ट फिल्म है. लेकिन क्या आपको पता है कि इसकी शूटिंग के वक्त करिश्मा कपूर और रवीना टंडन की आपस में बात नहीं होती थी. एक बार फिल्म के डायरेक्टर ने दोनों को खंभे में बांध दिया था और कहा था कि जब तक ये दोनों बात न करें, रस्सी मत खोलना.

पर्दे पर धमाल मचाने वाली कई फिल्मों की कहानियां इतनी अच्छी होती हैं कि वो लोगों को बहुत पसंद आती हैं. कुछ उतने ही बेहतरीन उस फिल्म से जुड़े किस्से भी होते हैं. एक ऐसा ही बेहतरीन किस्सा आज हम आपके लिए लेकर आए हैं, जो सलमान खान, आमिर खान, रवीना टंडन और करिश्मा कपूर की फिल्म 'अंदाज अपना-अपना' का है. ये एक कॉमेडी फिल्म थी, जिसने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया था. 1994 में रिलीज हुई इस कल्ट क्लासिक फिल्म से जुड़ा एक किस्सा है, जो कि काफी दिलचस्प है, जब फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार संतोषी ने करिश्मा कपूर और करीना कपूर को खंभे से बांध दिया था.

राजीव मसंद को दिए एक इंटरव्यू के दौरान करिश्मा कपूर ने ये किस्सा सुनाया था. करिश्मा कपूर ने बताया था, उस दौर में 3-4 शिफ्ट में शूटिंग चलती थी. रात 9-10 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक शूट होता रहता थ. एक बार तो शूटिंग के दौरान मुझे और रवीना को डायरेक्टर राजकुमार संतोषी ने खंभे से बांध दिया था और जब डिनर ब्रेक हुआ तब भी हमारी रस्सी नहीं खोली गई थी. हम खंभे में ही बंधे रह गए थे और हमने खोलने के लिए आवाज लगाई थी.

रस्सी से बांधने के बाद डायरेक्टर ने दिया था अल्टीमेटम

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ एक बातचीत के वक्त रवीना टंडन ने भी बताया था, करिश्मा और मेरी आपस में बातचीत नहीं होती थी. डायरेक्टर और बाकी लोगों ने हमें साथ लाने की कोशिश भी की थी. जब क्लाईमैक्स के एक सीन में हम दोनों खंभे से बंधे होते हैं, उस वक्त डायरेक्टर ने आकर हमें अल्टीमेटम भी दिया था. उन्होंने कहा था कि जब तक ये दोनों आपस में बात नहीं करेंगी, हम इनकी रस्सी नहीं खोलेंगे. उन्होंने क्रू मेंबर्स को भी कहा था कि जब तक ये दोनों आपस में बात न करें तब तक रस्सी न खोलना. रवीना ने बताया था, अगर हमने आपस में झगड़े किए तो मजे भी खूब किए थे.

हम चारों के आपस में झगड़े चल रहे थे

रवीना टंडन ने कहा था, शूटिंग के दौरान हम चारों के आपस में झगड़े चल रहे थे. चारों में से कोई भी एक दूसरे से बात नहीं करता था. न तो आमिर खान और सलमान खान की कोई बात होती थी और न ही मेरी और करिश्मा की कोई बात होती थी. पता नहीं वो फिल्म इतनी अच्छी कैसे बन गई, लेकिन इससे ये जरूर साबित होता है कि हम सभी बहुत अच्छे एक्टर्स हैं.

हर साल गिरती जा रही है बिग बॉस की TRP, जब बिग बॉस की इस विनर ने खोल दिया था शो का सबसे बड़ा राज

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 18 इस बार काफी चर्चा में बना हुआ है, जल्द ही इस शो का ग्रैंड फिनाले होने वाला है. सभी की आंखें फिलहाल इस साल के विनर पर टिकी हुई है. हालांकि, वहीं शो को फॉलो करने वाले लोगों में से कुछ का ये भी मानना है कि इस बार बिग बॉस के मेकर्स विवियन को लेकर ज्यादा तरफदारी कर रहे हैं.शो के शुरुआती दिनों की बात करें, तो कंटेस्टेंट की एंट्री के दौरान ही बिग बॉस ने विवियन को चैनल का लाडला कहा था, इसके साथ ही ये भी कहा था कि वो उन्हें टॉप 2 में देखते हैं. हालांकि, वहीं से लोगों की नजर में विवियन और बिग बॉस की ये चीज खटकने लगी थी. शो के दौरान कई लोगों ने ये भी नोटिस किया कि किसी भी टास्क के दौरान उन्हें और उनके साथ रहने वाले अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह को भी काफी सहूलियत दी जाती है.

'एक हद तक उल्लू बना सकते हैं'

अभी कुछ दिन पहले शो की एक्स कंटेस्टेंट काम्या पंजाबी को बुलाया गया था, उस दौरान उन्होंने विवियन को अच्छा परफॉर्म करने के लिए कहा था और साथ ही साथ फटकार भी लगाई थी. हालांकि, बाद में काम्या ने कई इंटरव्यू में ये भी खुलासा किया कि वो सिर्फ मेकर्स के बुलाने की वजह से शो पर गई थीं. इस मामले में बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने भी कुछ वक्त पहले बयान दिया है. वैसे तो शिल्पा ने कई बार बिग बॉस 18 के मेकर्स पर तरफदारी करने का आरोप लगाया है, लेकिन वायरल बॉलीवुड के साथ एक पुराने इंटरव्यू के दौरान उन्होंने शो की टीआरपी गिरने की वजह बताते हुए कहा, आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं.

'विवियन के साथ दोस्ती नहीं है'

शिल्पा ने इसके साथ ये भी कहा था कि, मुझे नहीं पता लेकिन कुछ लोगों को पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं, खुद ही बनाते हैं. अपने घर से उठाकर लाते हैं और फिर दिखाते हैं. अब चैनल की जो भी स्ट्रैटेजी है मेकर्स की लोगों को पता चल गई है. काम्या की बात करें, तो उन्होंने टेली टॉक के साथ दिए गए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें शो में अविनाश और करणवीर की गेम पसंद आती है, वो उन्हें सपोर्ट करती हैं. विवियन की बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि विवियन के साथ शक्ति अस्तित्व के एहसास की के बाद से कॉन्टैक्ट में नहीं रहे हैं,दोनों दोस्त नहीं हैं.

52 साल की कुंवारी मां हैं टीवी की ये पॉपुलर एक्ट्रेस, कर चुकी हैं कई सुपरहिट प्रोजेक्ट्स

2000 की शुरुआत में स्मृति ईरानी, श्वेता तिवारी, आमना शरीफ जैसी कई एक्ट्रेसेस को एकता कपूर ने बतौर लीड एक्ट्रेस मौका दिया. उनमें से एक साक्षी तंवर भी हैं जिन्होंने 'कहानी घर-घर की' में काम किया और ये उनका सबसे लोकप्रिय सीरियल बना. इस सीरियल के जरिए साक्षी तंवर घर-घर में फेमस हुईं और आज उन्होंने फिल्मों, वेब सीरीज के जरिए भी पहचान बना ली है.आज साक्षी तंवर अपना 52वां बर्थडे मना रही हैं. साक्षी ने टीवी पर पहचान बनाने के बाद फिल्मों और ओटीटी पर भी अपनी धाक जमाई. बिना शादी किए वो एक बेटी की मां भी बनीं, ये सब कैसे हुआ, आइए जानते हैं.

साक्षी तंवर का शुरुआती करियर

12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में जन्मीं साक्षी तंवर के पिता रिटायर्ड सीबीआई ऑफिसर हैं. साक्षी तंवर की पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय से हुई और ग्रजुएशन करने वो दिल्ली आईं. दिल्ली में लेडी श्रीराम कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद इन्होंने एक होटल में कुछ समय नौकरी भी की. साक्षी तंवर ने जर्नलिज्म की पढ़ाई की और दूरदर्शन पर नौकरी की. यहां साक्षी एक प्रोग्राम 'अलबेला सुर मेला' (1998) की प्रेजेंटेटर के तौर पर काम करती थीं. इसी शो में एकता कपूर ने साक्षी तंवर को नोटिस किया था और अपने सीरियल के लिए अप्रोच किया.

साक्षी तंवर का टीवी करियर

2000 में कहानी घर-घर की नाम का डेली सोप शुरू हुआ जिसमें साक्षी तंवर को एकता कपूर ने इंट्रोड्यूस किया. इसमें साक्षी ने पार्वती का रोल प्ले किया और ये किरदार घर-घर फेमस हुआ. ये सीरियल स्टार प्लस पर 2000 से 2008 तक टेलीकास्ट हुआ था और खूब पॉपुलर भी हुआ. इसके बाद साक्षी तंवर का दूसरा पॉपुलर टीवी सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' था जो 2011 से 2014 तक सोनी चैनल पर टेलीकास्ट हुआ था और ये सीरियल भी एकता कपूर का ही था. इसमें राम कपूर के साथ साक्षी तंवर की जोड़ी काफी फेमस हुई थी.

साक्षी तंवर की फिल्में

साक्षी तंवर ने साल 2006 में फिल्म ओ रे मनवा से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसमें उनका छोटा सा रोल था लेकिन उन्हें पहला बड़ा मौका फिल्म दंगल (2016) में मिला था जिसमें वो आमिर खान की वाइफ का रोल प्ले की थीं. इसके बाद साक्षी फिल्म मोहल्ला अस्सी (2018) में नजर आईं जिसमें वो सनी देओल की पत्नी बनी थीं. इसके बाद साक्षी, 'सम्राट पृथ्वीराज' (ऐतिहासिक ड्रामा) और 'कत्यार कलजत घुसली' (मराठी फिल्म) में नजर आईं. ओटीटी पर साक्षी तंवर ने वेब सीरीज मिशन ओवर मार्स (2019) से डेब्यू किया था.

किसने कहा मेरे पास कोई नहीं है... बातों-बातों में

मनीषा कोइराला

ने अपनी लव लाइफ को लेकर किया खुलासा

90 की दशक की बेहतरीन एक्ट्रेस में मनीषा कोइराला का नाम आता ही है, वो अपने एक्टिंग के साथ ही साथ अपनी खूबसूरती की वजह से भी लोगों के दिलों पर राज करती हैं. लंबे वक्त से उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली थी, हालांकि, कुछ वक्त पहले उन्होंने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरा मंडी से अपना कमबैक किया था. जिसके बाद से ही वो लोगों के बीच चर्चा में थी, लेकिन एक बार फिर लोगों के बीच उनका जिक्र होने लगा है.दरअसल, इस बार मनीषा कोइराला अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं, वैसे तो अक्सर ही वो अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में काफी कम बात करते नजर आती हैं. लेकिन हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी लव लाइफ के बारे में हिंट दिया है. उनके इस इंटरव्यू के वायरल होने के बाद से उनके फैन्स का कहना है कि एक्ट्रेस की जिंदगी में कोई शख्स है. हालांकि, मनीषा ने साल 2010 में शादी रचाई थी, लेकिन 2 साल के बाद दोनों ने रिश्ता खत्म कर लिया.

'किसने कहा मेरे पास कोई नहीं है'

हाल ही में पिंकविला के साथ हुई में मनीषा कोइराला से उनकी लव लाइफ के बारे में बात करते हुए कहा गया कि क्या उन्हें अपनी जिंदगी में पार्टनर की कमी खलती है, इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि किसने कहा कि मेरे पास कोई नहीं है. मैं कौन हूं और कैसी जिंदगी चाहती हूं, इस चीज के लिए मैंने शांति बना ली है. अग मेरी जिंदगी में कोई आता है, तो मैं उसके लिए किसी भी तरह से समझौता नहीं करना चाहती और न ही अपनी किसी भी क्वालिटी को जाने देना चाहती हूं. कोई अगर मेरी जिंदगी में आता है और साथ चल सकता है, तो मैं खुश होंगी, लेकिन अभी जो है मेरे पास उसे मैं बदलना नहीं चाहती.

'मैं किसी की तलाश नहीं करुंगी'

एक्ट्रेस ने कहा कि जहां उनकी लाइफ की बात होती है, तो वो अब एक बैलेंस की तलाश में हैं. उन्होंने बताया कि अगर जिंदगी में किसी पार्टनर को आना होगा तो वो मिल जाएगा. उस वक्त हमें एक-दूसरे से तालमेल बैठाना होगा, लेकिन मैं किसी की तलाश करने की कोशिश नहीं करुंगी, क्योंकि मेरी जिंदगी पूरी है. मैं काफी अच्छी जिंदगी जी रही हूं और उम्मीद है कि ये आगे भी जारी रहे. मुझे अभी जो पसंद है, आजादी है, संतुष्टि है मैं उसे आगे भी जारी रखना चाहती हूं.मनीषा की लव लाइफ की बात करें, तो उन्होंने 19 जून 2010 में नेपाली बिजनेसमैन सम्राट दहल से शादी की थी, ये शादी काठमांडू में एक पारंपरिक समारोह के दौरान हुई थी.